नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, गुरुवार, 31 जुलाई 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 75 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1992: नेपाल की राजधानी काठमांडू में थाइलैंड का विमान दुर्घटनाग्रस्त, 113 लोगों की मौत।

1993: भारत के पहले तैरते हुए समुद्री संग्रहालय का कलकत्ता में उद्घाटन।

2006: फिदेल कास्त्रो ने अपने भाई को सत्ता सौंपी थी ।

2007: भारतीय मूल के अमेरिकी डॉक्टर सुधीर पारिख को पाल हैरिस अवार्ड प्रदान किया गया।

संक्षिप्त समाचार

नशे में धुत बेटे ने की पिता की हत्या

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। जिले के रुद्रपुर गांव में बेटे ने अपने पिता की हत्या कर दी। घटना के वक्त आरोपी नशे में धुत था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की पहचान गुरुवा मुंडा के रूप में की गई है। मृतक की पत्नी सिल्मइट मुंडाई के अनुसार पति रात में पेशाब करने के लिए घर से बाहर निकले थे। इसी दौरान उनके बेटे सुमन मुंडा ने कुल्हाड़ी से उन पर हमला कर दिया।

चचेरे भाई और चाचा ने की युवक की हत्या

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बरकेला गांव में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। आपसी विवाद के चलते युवक के चाचा और चचेरे भाई ने कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी। मृतक की पहचान बुंडू बायपाई उर्फ जंगगुवा के रूप में हुई है। आरोपियों में गोमती बायपाई उर्फ जोजो बायपाई (चाचा) और उसका बेटा कुरूपा बायपाई (चचेरा भाई) शामिल हैं।

आकाशीय बिजली ने ली युवक की जान

पाकुड़(नबिटा ब्यूरो)। जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत सिमलौंग ओपी क्षेत्र के बड़ाघघरी गांव में बुधवार की सुबह एक हृदय विदारक घटना घट गई। तेज बारिश के दौरान अचानक गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर 19 वर्षीय युवक चंदन मड़ैया की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 17 वर्षीय निर्मल मड़ैया गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया है।

सर्पदंश से किशोरी की मौत

हजारीबाग (नबिटा ब्यूरो)। जिले के चलकुशा प्रखंड के जमसोती गांव के बिरहोर टोला में सांप के काटने से 10 वर्षीय सोनाली कुमारी की मौत हो गई। सोनाली आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय से थी और बबलू बिरहोर की बेटी थी। यह घटना मंगलवार की देर रात तब घटी जब बच्ची अपने घर के आंगन में खेल रही थी। उसी दौरान सांप ने उसे डस लिया।

बंद घर का ताला तोड़कर चोरी

लातेहार(नबिटा ब्यूरो)। सदर थाना क्षेत्र के मोंगर गांव में मंगलवार रात एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने बंद घर का ताला तोड़कर नगद और जेवरात समेत लगभग चार लाख रुपए का सामान चुरा लिया। भुक्तभोगी प्रिया कुमारी ने बताया कि वह अपने परिजन के इलाज के लिए 24 जुलाई को रांची गई थीं। इसी दौरान चोरों ने उनके घर को निशाना बनाया। चोरों ने घर में घुसकर बक्सा और गोदरेज का लॉक तोड़ा और एक लाख 35 हजार रुपए नगद, चांदी का पायल, सोने की कानबाली, नथुनी, लॉकेट और चांदी का सिक्का चुरा लिया। इसके अलावा मैट्रिक, इंटर के सर्टिफिकेट और अन्य महत्वपूर्ण कागजात भी ले गए।

मानसून सत्र को लेकर विधानसभा अध्यक्ष ने की उच्चस्तरीय बैठक

पूरी तैयारी के साथ आएं अधिकारी : रवीन्द्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड विधानसभा का आगामी मानसून सत्र एक से सात अगस्त तक आहूत होना है। बुधवार को इसकी तैयारियों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष रबिन्द्रनाथ महतो ने विधानसभा भवन में एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अलका तिवारी, डीजीपी अनुराग गुप्ता, रांची के एसएसपी सह डीआईजी चंदन कुमार सिन्हा सहित सभी विभागों के सचिव, जनसंपर्क विभाग और अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। अध्यक्ष ने सत्र को सफल और व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए कई आवश्यक निर्देश दिए। अध्यक्ष श्री महतो ने अधिकारियों से कहा कि मानसून सत्र के दौरान किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक बाधा नहीं आनी चाहिए। उन्होंने सदन की कार्यवाही के डिजिटलीकरण, साउंड सिस्टम, लाइव प्रसारण, मीडिया कवरेज,

विधायकों की सुविधा और आगंतुक प्रबंधन जैसे बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही विधायकों के प्रश्नों और कार्यसूची को समयबद्ध रूप से सदन में लाने पर जोर दिया। स्पीकर ने सभी अधिकारियों से कहा कि पूरी तैयारी के साथ विधानसभा पहुंचे। साथ ही कहा कि विधानसभा में जो भी प्रश्न आयेंगे उसका उत्तर समय पर मिलना चाहिए। वहीं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि विधानसभा परिसर की सुरक्षा चाक-चौबंद होनी चाहिए। आगंतुकों के प्रवेश के लिए पास प्रणाली को और सख्त किया जाए तथा सीसीटीवी मॉनिटरिंग को मजबूत किया जाए। उन्होंने आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए विशेष दल तैयार रखने को भी कहा। बैठक में यह तय किया गया कि पत्रकारों और मीडिया कर्मियों के लिए उपयुक्त स्थान की व्यवस्था की जाएगी और उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखा जाएगा। साथ ही, मानसून सत्र के दौरान जनहित के विषयों पर सुचारु चर्चा सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने पर भी बल दिया गया। अध्यक्ष ने कहा कि यह सत्र जनहित के कई मुद्दों पर आधारित रहेगा, इसलिए इसकी गरिमा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। बैठक में संसदीय कार्य मंत्री सह वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि कि सदन में जो भी प्रश्न आ रहे हैं उसका उत्तर इतना संतोषप्रद होना चाहिए जिससे सदस्य संतुष्ट हो सके। बैठक में 29 विषयों पर चर्चा की गई है। राज्य के कई ज्वलंत विषयों का ब्रीफिंग के लिए अधिकारियों को तैयार रखने का निर्देश दिया गया है। मंत्री ने कहा कि चिंता का विषय है कि पिछले बजट सत्र में शून्यकाल 391 प्रश्न आये थे, जिसमें चार महीने हो गए, इसमें मात्र 31 उत्तर प्राप्त हुए हैं। आश्वासन समिति की बात की जाय तो 1371 लंबित है। निवेदन समिति में कुल 135 आये थे। इसमें 9 का उत्तर प्राप्त हुआ है, 126 का उत्तर अबतक नहीं मिला है। पांच ध्यानाकर्षण का उत्तर अबतक नहीं मिला है।

अपहृत छात्रा दो घंटे में बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के सिरमटोली फ्लाईओवर से अगवा की गई स्कूली छात्रा को पुलिस ने महज दो घंटे के भीतर रामगढ़ जिले के कुजू क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस की तत्परता और चेकिंग अभियान के चलते अपहरणकर्ताओं को छात्रा को छोड़कर भागना पड़ा। घटना बुधवार सुबह करीब 7 बजे की है, जब लोअर बाजार की रहने वाली छात्रा स्कूल वैन से विद्यालय जा रही थी। सिरमटोली फ्लाईओवर के पास एक कार (नंबर जेएच01एफयू-6874) में सवार बदमाशों ने वैन को टक्कर मारी और दो बदमाश बाहर निकलकर छात्रा को जबरन अपनी गाड़ी में बैठाकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही रांची के एसएसपी सह डीआईजी चंदन कुमार सिन्हा और रांची के आईजी मनोज कौशिक तुरंत हरकत में आए। अपहरण की खबर को रांची समेत आसपास के जिलों की पुलिस को अलर्ट मोड पर डाल दिया गया। रांची-पटना एनएच 33 पर जगह-जगह चेकिंग प्वाइंट बनाए गए। साथ ही अपराधियों के मोबाइल लोकेशन को ट्रेस कर उनकी संभावित दिशा का पता लगाया गया। अपहरणकर्ता बच्ची को लेकर रांची से हजारीबाग की ओर जा रहे थे। इस बीच रामगढ़ जिले के मांडू थाना क्षेत्र के कुजू ओपी अंतर्गत हाईवे पर थाना प्रभारी सत्यानंद कुमार की नजर तेज रफ्तार कार पर पड़ी। उन्होंने कार को रुकने का इशारा किया लेकिन कार सवार और तेजी से भागने लगे। पुलिस ने पीछा करते हुए गाड़ी को ओवरटेक किया और साहस दिखाते हुए हथियार ताने लेकिन बच्ची की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गोली नहीं चलाई गई। आगे कुजू श्रीराम चौक के पास सड़क पर भीड़-भाड़ देख बदमाशों ने बच्ची को वहीं उतार भीड़ का फायदा उठाकर फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने बच्ची को सुरक्षित अपने कब्जे में लिया। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि घटना के तुरंत बाद पूरे क्षेत्र में अलर्ट जारी कर दिया गया था। 10 जिलों में 90 से अधिक स्थानों पर सघन चेकिंग की गई जिसके दबाव में अपराधियों को छात्रा को छोड़कर भागना पड़ा। फिलहाल रामगढ़ पुलिस फरार बदमाशों की तलाश में कुजू क्षेत्र में लगातार छापेमारी कर रही है।

राष्ट्रीय महिला आयोग के कार्यक्रम में शेफाली प्रकाश ने की भागीदारी

नई दिल्ली(नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा वर्ल्ड डे अगेंस्ट ट्रैफकिंग का आयोजन नई दिल्ली के विज्ञान भवन में किया गया जिसमें हजारीबाग की सामाजिक कार्यकर्ता और ओम आरोहणाम संस्था की संस्थापिका एवं भारत सरकार की दिशा संगठन की अध्यक्ष शेफाली प्रकाश ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान रेल सुरक्षा बल और राष्ट्रीय महिला आयोग के बीच ह्यूमन ट्रैफिकिंग को रोकने के लिए समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर राहतकर सहित आयोग की अनेक सदस्याएं तथा बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर एवं रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक मनोज यादव ने इस सहयोग के महत्व पर अपने विचार साझा किए। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष ने संस्थागत समन्वय, जमीनी सतर्कता और जन-जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि इस गंभीर अपराध पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

योजनाओं को जमीन पर उतारना प्राथमिकता : दीपिका

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह बुधवार को धनबाद दौरे पर रहीं। उन्होंने सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत कर राज्य सरकार की प्राथमिकताओं पर चर्चा की। मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल नई योजनाएं शुरू करना नहीं है बल्कि पहले से पारित योजनाओं को तय समय सीमा के भीतर जमीन पर उतारना है। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच है कि झारखंड के गांव आत्मनिर्भर बनें। इसी दिशा में ग्रामीण विकास विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण के लिए योजनाओं को क्रियान्वित करना प्राथमिकता है। साथ ही उन्हें सही तरीके से मॉनिटर करना भी जरूरी है। दीपिका पांडे ने बताया कि धनबाद जिले में ग्रामीण विकास विभाग से जुड़ी

योजनाओं की प्रगति की समीक्षा होगी। इसके लिए जल्द ही एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में लंबित और स्वीकृत योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया जाएगा कि वे जमीनी स्तर पर जाकर योजनाओं की निगरानी करें। साथ ही यह सुनिश्चित करें कि जनता को समय पर लाभ मिले। मंत्री दीपिका पांडे सिंह का धनबाद आगमन पूर्व मंत्री स्वर्गीय बच्चा सिंह की पहली पुण्यतिथि पर हुआ था। उन्होंने कार्यक्रम में शिरकत कर स्व. बच्चा सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नेता बड़ी संख्या में मौजूद थे। कार्यक्रम के बाद मंत्री ने सर्किट हाउस में कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की। इस दौरान संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय रहने का संदेश दिया। साथ ही जनता से सीधा संवाद बनाए रखने को कहा। उन्होंने आश्वासन दिया कि पार्टी नेतृत्व कार्यकर्ताओं की समस्याओं और संगठन के मजबूतीकरण के लिए लगातार काम कर रहा है।

आस्था ज्वेलर्स लूटकांड का मास्टर माइंड गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। चास थाना क्षेत्र के बाईपास रोड स्थित आस्था ज्वेलर्स में 23 जून को हुई लूट मामले में पुलिस ने घटना के मास्टर माइंड रोनित राय को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही पुलिस ने लूट में शामिल नवीन कुमार को भी पकड़ा है। यह जानकारी बुधवार को एसपी हरविंदर सिंह ने दी। एसआइटी टीम ने 29 जुलाई को वैशाली और सीतामढ़ी जिले से रोनित राय और नवीन कुमार को गिरफ्तार किया है। इनकी निशानदेही पर नवीन कुमार के किराये के मकान से लूट के 23 सोने की अंगूठी, 6 गले के हार, 1 ब्रासलेट और 13,820 नगद रुपए बरामद किए गए। साथ ही एक सफ़ेद डिजायर कार, एक चोरी की मोटरसाइकिल और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। एसपी के अनुसार यह गिरोह अंतरराज्यीय अपराधियों का समूह है। यह कई जिलों में सक्रिय था। मामले में आगे की जांच जारी है और अन्य फरार अभियुक्तों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने इस सफलता को टीमवर्क और तकनीकी जांच का नतीजा बताया है। लूट मामले में पुलिस अब तक कुल 8 आरोपी को गिरफ्तार कर

चुकी है। 23 जून की शाम लगभग 6 बजे चार अज्ञात अपराधियों ने हथियार दिखाकर दुकान से करीब 1.5 करोड़ रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात लूट लिए थे। लुटेरे दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर फरार हो गए थे। इस घटना के बाद पुलिस ने विशेष अनुसंधान टीम का गठन किया। प्राथमिक अनुसंधान में पुलिस ने बिहार के अलग-अलग जिलों से छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया था। इनमें रौशन सिंह (पश्चिम चम्पारण), राहुल पटेल उर्फ डायमंड (पटना), नीतेश कुमार (वैशाली), प्रिंस कुमार सुमन (बेतिया), आदित्य राज (पूर्वी चम्पारण) और मुसाफिर हवारी (बेतिया) शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में चार राज्यों के वन अधिकारियों की बैठक

हाथी और मानव के बीच द्वंद रोकने पर बनी नीति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा और झारखंड के गढ़वा जिले में बीते एक साल में हाथी और मानव के बीच द्वंद को लेकर बड़ी बैठक हुई है। बैठक को अंतरराज्यीय फॉरेस्ट समन्वय समिति नाम दिया गया है। मीटिंग में चार राज्यों के वन अधिकारी शामिल हुए जिसमें झारखंड के गढ़वा, छत्तीसगढ़ के बलरामपुर, मध्य प्रदेश के सिंगरौली और उत्तर प्रदेश के सोनभद्र के वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, पीसीसीएफ, डीएफओ समेत अन्य लोग शामिल हुए। हाथी मानव द्वंद समेत कई मुद्दों को लेकर बैठक आयोजित की गई जिसमें गढ़वा के दो डीएफओ ने भाग लिया। गौरतलब है कि साल 2024-25 में गढ़वा जिले में हाथी-मानव द्वंद के कारण 18 लोगों की मौत हुई थी। वहीं मार्च 2025 से लेकर अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। छत्तीसगढ़ के सरगुजा इलाके में भी साल 2024-25 के बीच हाथी-मानव द्वंद में अब तक सात लोगों की मौत चुकी है जबकि मार्च 2025 से लेकर अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कोई हाथी-मानव द्वंद नहीं हुआ है लेकिन नुकसान जरूर हुआ है।

राष्ट्रपति का दो दिवसीय झारखंड दौरा आज से

रांची(नबिटा ब्यूरो)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज 31 जुलाई को झारखंड दौरे पर आएंगी। अपनी इस यात्रा के दौरान वे देवघर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के पहले दीक्षांत समारोह का उद्घाटन करेंगी। यह अवसर राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण माना जा रहा है क्योंकि देवघर एम्स झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को एक नई दिशा दे रहा है। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क और तैयार है। राजधानी रांची में बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से लेकर राजभवन तक की सभी अप्रोच सड़कों पर बैरिकेडिंग की गई है। साथ ही सुरक्षा के मद्देनजर चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाबलों की तैनाती कर दी गई है। अपने झारखंड दौरे के दूसरे दिन यानी 1 अगस्त को राष्ट्रपति धनबाद स्थित आईआईटी-आईएसएम के 45वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगी। यह संस्थान खनन, भू-विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में देश का प्रमुख तकनीकी शिक्षण केंद्र है।

तीन दिवसीय आदिवासी महोत्सव 9 से, जागरूकता रथ रवाना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड में 9, 10 और 11 अगस्त को आयोजित होने वाले आदिवासी महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। इसी के तहत सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष सचिव राजीव लोचन बख्शी ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जागरूकता रथ इस आयोजन की भूमिका को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। राजीव लोचन बख्शी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में भव्य आदिवासी महोत्सव 2025 का आयोजन किया जाएगा। यह महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं बल्कि पहचान, एक संघर्ष, एक गौरव का उत्सव है जिसमें पारंपरिक

आदिवासी संस्कृति के साथ आधुनिकता भी देखने को मिलेगी। आदिवासी महोत्सव 2025 के माध्यम से हम आदिवासी संस्कृति, पहचान, अधिकार और योगदान से रूबरू हो सकेंगे। इस महोत्सव के माध्यम से हम न केवल राज्य और देश बल्कि दुनिया भर में फैली आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, लोक कला, भाषा, वेशभूषा और खान-पान को प्रदर्शित कर एक मजबूत सांस्कृतिक संवाद स्थापित करेंगे। यह जागरूकता रथ राजधानी रांची के प्रमुख चौक-चौराहों, बाजारों, स्कूल-कॉलेजों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में घूमेगा। रथ पर पोस्टर और फ्लेक्स के माध्यम से जनजातीय कलाकृतियों और सांस्कृतिक संदेशों को प्रदर्शित किया जाएगा ताकि जनसाधारण को जनजातीय समुदाय की ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विशेषताओं को जानने का अवसर मिले। इसके अलावा जागरूकता रथ के माध्यम से लोगों को महोत्सव की तिथि, स्थान, विशेष आकर्षण, आमंत्रित कलाकारों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। यह जागरूकता रथ न केवल रांची बल्कि राज्य के अन्य ज़िलों का भी भ्रमण करेगा ताकि अधिक से अधिक लोग इस आयोजन से जुड़ सकें और इसकी गरिमा बढ़े। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उप निदेशक आनंद सहित विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

सिपाही लिखित परीक्षा में चार अभ्यर्थी गिरफ्तार

पटना(नबिटा ब्यूरो)। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) की तरफ से 30 जुलाई को आयोजित सिपाही बहाली की लिखित परीक्षा में 4 अभ्यर्थियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। जबकि 6 अभ्यर्थियों के खिलाफ कार्यवाही की गई है, जिसमें 5 को गिरफ्तार किया गया है। जहानाबाद में 2 एफआईआर, 3 अभ्युक्तों पर कार्रवाई और 2 की गिरफ्तार हुई है। मधेपुरा में 1 एफआईआर और 2 को गिरफ्तार किया गया है। मधुबनी में 1 एफआईआर और 1 की गिरफ्तारी हुई है। यह जानकारी केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) कार्यालय की तरफ से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई है। 30 जुलाई को राज्यभर में 627 परीक्षा केंद्रों पर एकल पाली में परीक्षा आयोजित की गई। इसमें 2 लाख 79 हजार 95 अभ्यर्थी कअभ्यर्थियों ने ई-प्रवेश पत्र डॉउनलोड किया था।

INTERNATIONAL INSTITUTE OF BANKING PERSONNEL SELECTION

(Collaborating across boundaries, holding ourselves accountable and taking a long-term view)

इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सोनेल सिलेक्शन

IIBPS

Applications are invited for the various financial institutions on below mentioned designations.

Sl. No	Post	Vaccancy
(1)	Junior Assistant Manager (JAM) (Grade-C)	2082
(2)	Clerk (Grade-C)	6422
(3)	Bank Teller (Cashier)	1278
(4)	Customer Service Executive (CSE)	3456
(5)	Office Boy (Peon)	3240

1. For all other details and online form to be published on IIBPS website i.e.(www.iibps.in & on Employment News Hindustan / Dainik Jagran issued on 25/07/2025.
2. Online registration Start 26 July 2025.
3. Phase–1 Online Test Examination November 2025.

Note :- Corrigendum, if any, issued on the above advertisement, will be published only on the Official website of IIBPS (www.iibps.in)

संक्षिप्त समाचार

बोधगया मंदिर सलाहकार बोर्ड का गठन; 10 देशों के राजदूत, एमएलए-सांसद समेत 25 सदस्य शामिल

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने बोधगया मंदिर सलाहकार बोर्ड का गठन किया है। इसकी अधिसूचना मंगलवार को जारी कर दी गई है। इस बोर्ड में 10 बौद्ध देशों के राजदूत, भारत के चार बुद्धिष्ट सदस्य और 11 विभिन्न विभागों के पदाधिकारी सहित कुल 25 सदस्य शामिल किए गए हैं। यह बोर्ड बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति को सलाह देगा और राज्य सरकार द्वारा तय नियमों के अनुसार कार्य करेगा। गठित बोर्ड में भूटान, थाईलैंड, श्रीलंका, म्यांमार, जापान, कंबोडिया, मंगोलिया, दक्षिण कोरिया, वियतनाम और लाओस के राजदूतों को सदस्य बनाया गया है। इनके अलावा भारत की ओर से दलाई लामा के प्रतिनिधि, सिक्किम, अरुणाचल या लद्दाख सरकार के धर्म विभाग के सचिव, महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के महासचिव और बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति के पूर्व सदस्य सचिव रहे आइएएस नांगजे दोरजे को शामिल किया गया है। इसके अलावा बोधगया मंदिर सलाहकार बोर्ड में विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव, पर्यटन मंत्रालय एवं बिहार सरकार के पर्यटन और कला-संस्कृति विभाग के सचिव, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक, गया जी के सांसद और बोधगया के विधायक, मगध प्रमंडल के आयुक्त, मगध रेंज के आईजी, गया के डीएम और बोधगया नगर परिषद के अध्यक्ष को भी जगह दी गई है। बोर्ड की बैठक बौद्ध देशों के किसी भी उपलब्ध राजनयिक की अध्यक्षता में आयोजित होगी और सभी सदस्य दो साल के कार्यकाल तक इस सलाहकार भूमिका में रहेंगे।

पेंशनधारियों की समस्या को लेकर धरना एक से

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। कुढ़नी प्रखंड में सामाजिक सुरक्षा पेंशन से वंचित लाभुकों की पेंशन चालू कराने की मांग को लेकर एसयूसीआई कम्युनिस्ट की मनियारी लोकल कमेटी एक अगस्त से कलक्ट्रेट में अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेगी। मंगलवार को कमेटी के प्रतिनिधि कालीकांत झा ने इसको लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया और कहा कि कुढ़नी प्रखंड के कई पंचायतों में पेंशनधारियों की पेंशन तकनीकी कारणों से वर्षों से बंद है। प्रखंड स्तर पर ऑनलाइन प्रक्रिया के दौरान नाम की गड़बड़ी होने से समस्या उत्पन्न हुई, लेकिन बार-बार आवेदन देने के बावजूद समाधान नहीं हुआ है। कालीकांत झा ने कहा कि यदि विभाग जल्द पहल नहीं करता है तो मजबूर होकर पेंशनधारी और उनके सहयोगी एक अगस्त से जिला मुख्यालय पर धरने पर बैठेंगे।

नवादा में पड़ोसी ने नाबालिग से रेप का किया प्रयास, प्राथमिकी दर्ज

नवादा, एजेंसी। नवादा के हिसुआ थाना क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ रेप के प्रयास का मामला सामने आया है। यह घटना मंगलवार देर शाम की है। पड़ोसी मोहम्मद शब्बीर मल्लिक ने नाबालिग को घर में अकेला देखकर जबरन रेप की कोशिश की। नाबालिग के शोर मचाने पर आरोपी डरकर घर से कूदकर फरार हो गया। घटना के समय नाबालिग का परिवार बाजार गया हुआ था। जब परिवार के लोग बाजार से वापस पहुंचे तो लड़की ने उन्हें पूरी घटना बताई। इसके बाद परिवार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई गई। हिसुआ थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि नाबालिग के परिवार की शिकायत पर मोहम्मद शब्बीर मल्लिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया नागपंचमी का त्योहार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। नागपंचमी का त्योहार मंगलवार को शहर से लेकर गांव तक श्रद्धा और उल्लास से मनाया गया। सुबह से ही विषहर स्थान पर पूजा के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। विषहर स्थान पर महिलाओं ने दूध-लावा के साथ अरहुल फूल की माला और गेरुआ टांगने की होर लगी रही। कई जगह मेले भी लगे। बीबीगंज माई स्थान के पुजारी आचार्य भूपेन्द्र तत्वदर्शी ने बताया कि यहां पर लंबे समय से विषहर स्थान है। मान्यता है कि जो लोग यहां मन्नत मांगते हैं, वह पूरी होती है। तब वे गेरुआ टांगने के लिए यहां जरूर पहुंचते हैं। बीबीगंज विषहर स्थान पर श्रद्धालु पूजा करने के लिए दूर-दूर से यहां पहुंचते पहुंचे हैं। यहां मेला में कई लोग नाग को लेकर भी आए थे। श्रद्धालुओं को दर्शन करा रहे थे। मेले में तरह-तरह के व्यंजन का लोगों ने लुत्फ लिया। जलेबी और बताशा खरीदकर लोग प्रसाद स्वरूप घर लेकर जा रहे थे। बाबा गरीबनाथ मंदिर में भी उमड़े श्रद्धालु वहीं बाबा गरीबनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित विनय पाठक ने बताया कि नागपंचमी पर मंदिर में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। पूरे दिन मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु आते रहे। उन्होंने बताया कि शिव के सबसे करीबी नाग देवता माने गए हैं, इसलिए श्रद्धालु नाग देवता को पूजा कर भगवान शिव को खुश कर रहे थे।

बिहार के बच्चों के लिए परिवार नहीं बनाऊंगी, सीट जीतने पर हटेगा मास्क: पुष्पम प्रिया चौधरी

राजनीति में आने के बाद शादी नहीं करने का फैसला

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में द प्लूरल्स पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पम प्रिया चौधरी ने बयान दिया है। यहां इन्होंने कहा है कि राजनीति में आने का निर्णय उनके लिए जीवन का सबसे कठिन और बड़ा फैसला था। इसके तहत उन्होंने सिर्फ करियर ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत जीवन में भी बड़े त्याग किए हैं। जिनमें विवाह नहीं करने का निर्णय शामिल है।

पुष्पम प्रिया चौधरी ने ये साफ किया है कि, जब हमने राजनीति में आने का निर्णय लिया, उसी दिन तय कर लिया था कि इस जीवन को बिहार के नाम समर्पित कर देंगे। इस जन्म में शादी नहीं करूंगी। बिहार के बच्चों का भविष्य संवारने के लिए खुद का परिवार नहीं बनाऊंगी। अगला जन्म मिला तो शायद विवाह करूंगी, लेकिन इस जन्म में मेरा हर कदम बिहार के लिए होगा। जिस धरती जन्म दिया है, अब वहीं के विकास के लिए समर्पित हूं। बिहार की राजनीति मेरे लिए टाइम पास नहीं, यह मेरा युद्ध है। इसमें कुछ बलिदान जरूरी हैं। शादी कर लूं तो पूरे परिवार की जिम्मेदारी मेरे ऊपर

होगी और तब मैं आधा अधूरा काम नहीं कर पाऊंगी। महिलाओं के ऊपर शादी के बाद ज्यादा जिम्मेदारी होती है।

राजनीति में आने के बाद लिया फैसला

शादी नहीं करने का निर्णय राजनीति में प्रवेश करने के बाद लिया। जब छोटी थी, तो सोचा था कि शादी करेंगे। हर लड़का-लड़की ऐसा सोचते हैं, लेकिन राजनीति में आने के बाद मेरी प्राथमिकता बदल गई है। पुष्पम प्रिया ने बिहार की राजनीति की मौजूदा स्थिति पर भी तीखा वार किया। इन्होंने कहा कि यहां लोग चेहरा देखकर वोट करते हैं, विचार नहीं देखते। जाति और धर्म के नाम पर मतदान होता है, जबकि असली मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। जिस दिन हम एक सीट भी जीत लेंगे, उसी दिन अपना मास्क हटा देंगे। जनता को चाहिए कि चेहरा नहीं, सोच देखे। चेहरा तो पहले देखा ही है। पुष्पम ने कहा कि अगर मेरे पिता का नाम लालू यादव होता, तो मेरे जीवन का फैसला अलग होता। लेकिन, राजनीति मेरी लिए युद्ध है। मुझे त्याग करना होगा।

अनिरुद्ध आचार्य में जिम्मेदारी का अभाव

अनिरुद्ध आचार्य को लेकर पुष्पम प्रिया चौधरी ने कहा कि इनके कथा में जिम्मेदारी का अभाव है। ये महिलाओं के बारे में कहते है, वो इनकी बेटी के सामान है। इनकी खास तरीके की सोच है। एक-दो सामाजिक घटना पर 50 प्रतिशत महिलाओं के बारे में कहना गलत है।

भाई वीरेंद्र के ऑडियो क्लिप पर दी प्रतिक्रिया

भाई वीरेंद्र और एक पंचायत सचिव के वायरल ऑडियो क्लिप पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। इन्होंने कहा है कि अगर कोई जनप्रतिनिधि कहीं जाता है और उसे नहीं पहचाना जाता, तो यह लोकतंत्र का अपमान है। सचिव को भी प्रोटोकॉल का ख्याल रखना चाहिए। ये भी हो सकता है कि वो डर गए हो। जनता ने नेता को वहां तक पहुंचाया है। दोनों को समझने की जरूरत है। दोनों की मानसिकता में दिक्कत है। अगर काम में कमी होती है, तो धमकाना नहीं चाहिए। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि अपमान का बदला धमकी से लिया जाए। राजनीति में हर पार्टी में इस मानसिकता वाले लोग हैं। कहीं ज्यादा, कहीं कम है।

उज्बेकिस्तान से तीन पदक जीतकर खिलाड़ी पहुंचे मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। उज्बेकिस्तान में 23 से 27 जुलाई तक सवात वर्ल्ड कप 2025 आयोजित हुई। इसमें भारत का प्रतिनिधित्व कर लौटे बिहार के खिलाड़ियों का पटना एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत किया गया। बिहार के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में तीन पदक जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय टीम जैसे ही पटना एयरपोर्ट पर पहुंची, वहां ढोल-नगाड़ों की गूंज और फूल-मालाओं से खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया गया। पदक विजेताओं में मुजफ्फरपुर के यश राज (सिल्वर मेडलिस्ट), प्रियम कर्ण (ब्रॉन्ज मेडलिस्ट) और वैशाली की स्वीटी कुमारी (ब्रॉन्ज मेडलिस्ट) शामिल हैं। टीम के साथ भारत के प्रमुख सवात कोच शिहान ई0 राहुल श्रीवास्तव भी मौजूद थे।

जनता ने फूल बरसाकर बजाई ताली : स्वागत समारोह में राज्य सवात संघ, बिहार के अध्यक्ष रंजीत प्रसाद श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव सूरज पंडित, कोषाध्यक्ष शिल्पी सोनम, सेंडाई सुनील कुमार, प्रियंका कुमारी, चंद्रप्रकाश सिंह समेत कई पदाधिकारी, कोच, खिलाड़ी, खेलप्रेमी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

खिलाड़ियों को पटना एयरपोर्ट से एक भव्य रोड शो के माध्यम से सोनपुर, हाजीपुर होते हुए मुजफ्फरपुर स्थित रास वर्ल्ड मार्शल आर्ट्स क्लब तक लाया गया। पूरे रास्ते में 20 से अधिक स्थानों पर वेलकम प्वाइंट बनाकर जनता ने फूल बरसाकर, तालियों की गड़गड़ाहट और उत्साह के साथ खिलाड़ियों का स्वागत किया।

मधेपुरा में चाट दुकानदार पर चाकू से हमला पैसे मांगने पर युवकों ने किया वार

सिर-गर्दन पर चोटें, मेडिकल कॉलेज में इलाज जारी

मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा में नाग पंचमी मेले के दौरान चाट दुकानदार पर बदमाशों ने चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत आनंदपुरा विषहरिया गांव की है। घायल की पहचान हरैली सोनबरसा निवासी जयप्रकाश चौधरी के बेटे राजा कुमार चौधरी (33) के रूप में हुई है। चाचा प्रेम कुमार चौधरी ने बताया कि नाग पंचमी के अवसर पर गांव में मेला लगा था, जिसमें राजा कुमार ने चाट-चाउमिन की दुकान लगाई थी। इसी दौरान कुछ युवक उसकी दुकान पर चाट खाने आए, लेकिन पैसे दिए बिना जाने लगे। जब राजा ने रुपए की मांग की तो युवकों ने गाली-गलौज करते हुए अचानक चाकू से उस पर हमला कर दिया।

सिर, गर्दन और चेहरे पर चोट

राजा को सिर, गर्दन और चेहरे पर कई जगह गंभीर चोटें आई हैं। घायलावस्था में स्थानीय लोगों ने तत्काल उसे उदाकिशुनगंज रेफरल अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने उसे मधेपुरा स्थित जननायक कर्पूरी ठाकुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर

उदाकिशुनगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रेम चौधरी ने बताया कि हमलावर युवक फरार हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही हमलावरों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। उदाकिशुनगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि पीड़ित परिवार की ओर से फिलहाल लिखित आवेदन नहीं दिया गया है।

सहरसा में नाबालिग रेप पीड़िता ने दिया बच्चे को जन्म

मासूम को अनाथालय सौंपा, 70 वर्षीय बुजुर्ग पर दुष्कर्म का आरोप, पोस्को कोर्ट में मामला विचाराधीन

सहरसा, एजेंसी। सहरसा के सदर अस्पताल में एक नाबालिग रेप पीड़िता ने मासूम बच्चे को जन्म दिया है। बच्चे के जन्म के बाद पीड़िता ने उसे अनाथालय को सौंप दिया है। इस मामले में बीते 28 फरवरी को 15 वर्षीय नाबालिग लड़की की मां ने सोनवर्षा कचहरी थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने 70 वर्षीय बुजुर्ग पर बहला-फुसलाकर रेप करने का आरोप लगाया था। यह मामला अब सहरसा व्यवहार न्यायालय के पोस्को कोर्ट में विचाराधीन है।

पैसे का लोभ देकर किया रेप

पीड़िता की मां को इस घटना का पता तब चला जब उनकी नाबालिग बेटी तीन-चार महीने की गर्भवती हो गई। इसके बाद नाबालिग ने बताया कि पड़ोस का बुजुर्ग उसे 5-10 रुपए देकर या बिस्कुट का लोभ देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता था। नाबालिग किशोरी की मां मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करती हैं। पीड़िता के पिता दिव्यांग हैं। आरोप है कि बुजुर्ग ने गरीबी का फायदा उठाकर नाबालिग किशोरी के साथ रेप किया। सहरसा सदर एसडीपीओ आलोक कुमार ने बताया कि यह केस अभी जांच के अंतर्गत है।

सोशल मीडिया पर लहराया कट्टा, अरेस्ट: बेगूसराय में दो युवक का वीडियो वायरल

दूसरे बदमाश की तलाश जारी

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में कट्टा लहराते हुए वीडियो बनाकर वायरल करना युवक को मंहगा पड़ गया है। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर पहचान कर एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में एक और युवक की तलाश की जा रही है। मामला भगवानपुर थाना क्षेत्र का है। दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा था। जिसमें स्पष्ट रूप से दिख रहा है की कट्टा हाथ में लिए एक युवक फायर करने की कोशिश करता है। लेकिन जब फायर नहीं हो पता है तो बगल में खड़ा दूसरा युवक उसके हाथ से कट्टा लेता है।

फिर पहले वाले युवक के हाथ में देता है तो वह गोली चलाता है। यह वीडियो सामने आते ही पुलिस में जांच पड़ता तेज कर दिया और मंगलवार को हरिचक निवासी कमलदेव सहनी के बेटे कन्हैया सहनी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, दूसरे युवक की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

दोनों युवक की हुई पहचान

थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो में दो युवक एक देसी कट्टा लहराते और फायरिंग करते हुए दिख रहा है। जिसकी पहचान हरिचक गांव के रहने वाले कमलदेव सहनी के बेटे कन्हैया सहनी व जगदीशपुर गांव के रहने वाले अर्जुन महतो के बेटे कुश कुमार के रूप में की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस मामले में थाना में केस नंबर-226 दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई। इसके बाद एक आरोपी कमलदेव सहनी के बेटे कन्हैया सहनी को गिरफ्तार कर लिया गया। लहराता दिख रहा कट्टा बरामद नहीं हुआ है। दूसरे आरोपी कुश कुमार की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

कटिहार के प्राइमरी स्कूल में बंद हुआ तीसरी का छात्र, क्लास में सोया छोड़ ताला लगाकर चले गए शिक्षक

कटिहार, एजेंसी। कटिहार के नगर थाना क्षेत्र के फसिया प्राथमिक विद्यालय से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। विद्यालय प्रबंधन की लापरवाही का मामला तब उजागर हुआ जब तीसरी कक्षा का एक छात्र क्लास में सो गया और शिक्षक उसे वहीं छोड़कर ताला लगाकर चले गए। क्लास चलने के दौरान तीसरी कक्षा का छात्र अपने बेंच पर सो गया। छुट्टी होने पर सभी बच्चे घर चले गए और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने क्लास में ताला बंद कर दिया। शाम के समय स्थानीय दुकानदार चंदन पोद्दार को स्कूल से बच्चे के रोने और चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। जब बच्चे की नींद खुली तो उसने खुद को अंधेरे कमरे में अकेला पाया। वह रोने लगा और लोहे वाली खिड़की से निकलने का प्रयास किया। लेकिन वह खिड़की में फंस गया और जोर-जोर से चिल्लाने लगा।

ताला तोड़कर बच्चे को निकाला बाहर

चंदन पोद्दार ने तुरंत विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मोहम्मद कलीमुद्दीन को सूचना दी। स्थानीय ग्रामीणों ने हथौड़े की मदद से ताला तोड़कर बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश है।

शिक्षक के भूल से हादसा

प्रभारी प्राचार्य कलीमुद्दीन ने बताया कि वह पिछले दो दिन से [illegible] ड्यूटी में कार्यरत हैं और फिसलने से उनके हाथों में चोट लगी है। उन्होंने अन्य शिक्षक से संपर्क किया जिन्होंने बताया कि यह घटना भूलवश हुई है। क्लास में दिन के समय भी अंधेरा रहता है, जिससे शिक्षक बेंच पर सोए छात्र को देख नहीं पाए।

बिहार चुनाव से पहले नीतीश कुमार का एक और ऐलान

आशा और ममता कार्यकर्ताओं का बढ़ा मानदेय

पटना, एजेंसी। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक और बड़ा ऐलान कर दिया है। सीएम नीतीश कुमार ने आशा और ममता कार्यकर्ताओं के मानदेय में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में आशा कार्यकर्ताओं के काम की तारीफ करते हुए अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर खुद इनके मानदेय बढ़ाने के बारे में जानकारी दी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स पर लिखा, नवम्बर 2005 में सरकार बनने के बाद से हमलोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में आशा तथा ममता कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे ध्यान में रखते हुए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं के अहम योगदान को सम्मान देते हुए उनकी मानदेय राशि में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है। आशा कार्यकर्ताओं को अब 1 हजार रुपये की जगह 3 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव 300 रुपये की जगह 600 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी, इससे उनका मनोबल और बढ़ेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होंगी। आपको बता दें कि बिहार में पिछले कुछ दिनों के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कई ऐसे बड़े ऐलान किए हैं जिससे आम लोगों को काफी राहत मिली है। 17 जुलाई को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स पर बिजली उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली मुफ्त दिए जाने का ऐलान किया था। सीएम नीतीश ने इससे पहले 16 जुलाई को शिक्षा विभाग को निर्देश दिया था कि वो सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की रिक्तियों की गणना तुरंत करे और इस पर नियुक्ति के लिए [illegible] 4 की परीक्षा शीघ्र लेने की कार्रवाई करे। इसके अलावा बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के तहत पात्र पत्रकारों को हर महीने 6 हजार रुपये की जगह 15 हजार रुपया पेंशन देने का ऐलान भी किया गया था।

तेजस्वी यादव ने लगाया नकल का आरोप

इधर सीएम नीतीश कुमार के इस ऐलान के बाद बिहार नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने एक बार फिर सरकार पर नकल करने का आरोप लगाया है। बुधवार को जारी बयान में तेजस्वी ने कहा कि मैंने 17 महीने स्वास्थ्य मंत्री रहते आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू दी थी जो अंतिम स्टेज में थी लेकिन तब तक सरकार बदल गई। सरकार को अब आखिरकार आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की हमारी इस मांग के सामने झुकना ही पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

'एक वृक्ष मां के नाम' कार्यक्रम के तहत नामकुम के प्राथमिक मध्य विद्यालय में लगाए गए 50 पौधे

राची, एजेंसी। शोध परक सामाजिक –आर्थिक एवं संसदीय अध्ययन केंद्र के सदस्यों द्वारा नामकुम के राजकीय कृत बुनियादी मध्य विद्यालय परिसर में 'एक वृक्ष मां के नाम' कार्यक्रम के तहत गहन वृक्षारोपण किया गया. संस्था द्वारा फलदार,छायादार और रिहायशी इमारती लकड़ी के पौधे यथा आम, जामुन, अमरूद, कटहल तथा काला सीसम , सागवान,गम्हार , महोगनी आदि के 50 पौधे लगाए गये. इस कार्यक्रम में संस्थान के सचिव अयोध्या नाथ मिश्र,संयुक्त सचिव अमरनाथ झा, रमाकांत महतो, अरूण कुमार मिश्र,अजय तिवारी,डॉ विजय शंकर दास,विजय सिंह आदि के साथ विद्यालय के प्राचार्य बृजेंद्र चौबे एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और परिसर में पौधरोपण किया. कार्यक्रम का आयोजन रमाकांत महतो एवं शिक्षक विजय कुमार सिंह ने किया था. सबसे महत्वपूर्ण विषय यह रहा कि विद्यालय के छात्र छात्राओं ने वृक्षारोपण को एक उल्लेखनीय आयोजन के रूप में संपादित किया. इस मौके पर प्रवीण कुमार गुप्ता, पुष्पा कुजूर, पुष्पा बेक, इंदु कुमारी,मंजु रानी, अशोक कुमार,रीमा बाडा एवं प्रियंका तिर्की सभी शिक्षक– शिक्षिकाओं ने बड़े उत्साह के साथ मां के नाम पेड़ लगाया. इस मौके पर सचिव अयोध्या नाथ मिश्र ने वृक्षारोपण के भौतिक– मौलिक महत्व एवं पर्यावरण संतुलन की जानकारी दी. मौके पर विद्यालय में हर तरफ उत्साह देखा गया.

रांची में 8वीं क्लास की बच्ची बनी मां, सदर अस्पताल में हुआ रेप का खुलासा

रांची, एजेंसी। रांची सदर अस्पताल में रविवार को एक 14 वर्षीय अविवाहित नाबालिग ने बच्चे को जन्म दिया है। किशोरी के प्रसव की इस घटना के साथ ही उसके साथ महीनों पहले गांव में हुए दुष्कर्म की घटना भी प्रकाश में आई है। नाबालिग का सुरक्षित प्रसव कराने के बाद सदर अस्पताल ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। जिसके बाद रांची के लोअर बाजार थाने की पुलिस ने किशोरी के बयान पर दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज कर मामला गुमला के बसिया थाने को सौंप दिया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया है कि गांव में स्कूल से लौटते वक्त एक युवक ने सुनसान जगह पर अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। वहीं किसी को मामले की जानकारी देने पर जान से मारने की धमकी दी। डर के मारे उसने किसी को घटना के बारे में कुछ नहीं बताया। लगभग पांच महीने बाद पीड़िता के शरीर में परिवर्तन को देखने को मिला तो घरवालों ने चिकित्सक से उसकी जांच करवाई। इसके बाद पीड़िता ने घर वालों को घटना की पूरी जानकारी दी। घरवाले भी लोकलाज के डर से चुप रहे। पांच महीने के बाद गर्भपात कराने से जच्चा–बच्चा दोनों की जान को खतरा हो सकता था। इस कारण उन्होंने नाबालिग बेटी का प्रसव कराने का निर्णय लिया और घर से दूर रांची आकर सदर अस्पताल में प्रसव कराया। किशोरी के माता–पिता ने बताया कि डर और लोकलाज के कारण उन्होंने बच्ची के साथ दुष्कर्म और उसकी गर्भावस्था की जानकारी होने के बाद भी इसकी शिकायत नहीं की। सदर अस्पताल के डाक्टरों ने बताया कि नाबालिग ने पूरे नौ माह के बाद बच्चे को जन्म दिया है। फिलहाल बच्चा ठीक है और जच्चा–बच्चा के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी उपचार व स्वास्थ्य सुरक्षा के उपाए किए जा रहे हैं। मामला सामने आने के बाद कई स्वंयसेवी संगठन भी बच्ची के साथ आए हैं और उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपित को सख्त सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल नवजात और पीड़ित नाबालिग डाक्टरों की निगरानी में है।

डेंगू जांच के नाम पर फर्जीवाड़ा! स्वास्थ्य विभाग ने प्राइवेट अस्पतालों को भेजा नोटिस

धनबाद, एजेंसी। बरसात के साथ ही डेंगू के आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। इसे लेकर सभी निजी अस्पताल और नर्सिंग होम को नोटिस भेजा गया है।इसमें डेंगू के मरीज भर्ती होने पर इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को देने का निर्देश दिया गया है। जानकारी छुपाने वाले निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक विश्वकर्मा ने बताया कि डेंगू को अधिसूचित बीमारी की श्रेणी में रखा गया है। ऐसे में कहीं भी निजी अस्पताल में डेंगू मरीज के आने पर इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को देनी है।स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की माने तो डेंगू की जांच के नाम पर निजी अस्पताल और नर्सिंग होम फर्जीवाड़ा करते हैं।डेंगू मरीज की पुष्टि केवल एलाइजा जांच के जरिए की जा सकती है, लेकिन कुछ निजी अस्पताल और जांचघर एनएस वन जांच करके इसे डेंगू घोषित कर देते हैं, जो गलत है। डेंगू बीमारी की पुष्टि केवल स्वास्थ्य विभाग ही कर सकता है।डेंगू की जांच के लिए मेडिकल कॉलेज और सदर अस्पताल में फ्री व्यवस्था की गई है। मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में 16000 डेंगू के जांच किट उपलब्ध कराए गए हैं। वहीं सदर अस्पताल में भी किट की उपलब्धता है।

राष्ट्रपति का शहर में आगमन, ट्रैफिक व्यवस्था बदली

रांची, एजेंसी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर दो दिनों के लिए शहर के ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। रातू रोड स्थित राजभवन से लेकर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट तक 84 जगहों पर बैरिकेडिंग की गई है। मुख्य सड़क को जोड़ने वाले 76 बाइलेन को बंद किया गया है। राष्ट्रपति का काफिला एयरपोर्ट रोड से हिनू चौक के रास्ते बिरसा चौक से अरगोड़ा चौक होते हुए सहजानंद चौक बाइपास रोड होकर गुजरेगा। फिर न्यू मार्केट चौक होकर हॉटलिप्स चौक से राजभवन पहुंचेगा। इस पूरे रूट में बंद किए हर बाइलेन के पास अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है।

राष्ट्रपति का काफिला निकलने से 5 मिनट पहले बाइलेन को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। काफिला पार होने के बाद वरीय अधिकारियों का आदेश पर जवान बाइलेन को खोलेंगे। ट्रैफिक पुलिस ने 31 जुलाई की शाम 4 से 7 और 1 अगस्त की सुबह 7 से 10 बजे तक उक्त मार्ग का कम से कम उपयोग करने का लोगों से आग्रह किया है। इससे संबंधित आदेश भी ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली ने जारी कर दिया है।

एयरपोर्ट जाने वाले यात्री शाम 4: 30 बजे से पहले पहुंच जाएं : बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों को ट्रैफिक पुलिस ने अलर्ट किया है। आग्रह किया गया है कि जिनकी फ्लाइट का समय शाम 5 से 6: 30 बजे के बीच है, वे किसी भी हाल में 4: 30 बजे तक एयरपोर्ट पहुंच जाएं। वहीं 1 अगस्त को सुबह 8 से 10 बजे के बीच वाली फ्लाइट के यात्री सुबह 7: 30 बजे तक एयरपोर्ट पहुंच जाएं। शहर से एयरपोर्ट तक जाने के लिए रिंग रोड से सदाबहार चौक के रास्ते घाघरा रोड से हेथु बस्ती होते हुए

परिचालन का निर्देश है।

अरगोड़ा से हॉटलिप्स चौक तक ऑटो व ई-रिक्शा का बंद रहेगा

31 की शाम 4: 30 से 06: 30 बजे तक अरगोड़ा से हॉटलिप्स चौक तक ऑटो व ई-रिक्शा का परिचालन बंद रहेगा। वहीं सुबह 8 से रात 10 बजे तक शहर में बड़े वाहनों की इंट्री बंद की गई है। दोपहर 3 से रात 8 बजे तक छोटे मालवाहन वाहन भी परिचालन नहीं कर सकेंगे। एक अगस्त की सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक भी बड़े वाहनों और सुबह 7 से 11 बजे तक छोटे मालवाहक वाहनों भी का शहर में प्रवेश व परिचालन बंद रहेगा।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम... 1500 अतिरिक्त जवान तैनात

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। 1500 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। जिला बल के अलावा जैप, आईआरबी, रैप और होमगार्ड के जवानों को लगाया गया है। सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट मोड में रखा गया है। राष्ट्रपति के कार्यक्रम स्थल के अलावा राजभवन के आस-पास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। तीन लेयर में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। रूट लाइन पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे की भी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा रूट लाइन में पड़ने वाले सभी घरों के छतों की ड्रोन से निगरानी की जा रही है।

यह है आदेश...

1 अगस्त : सुबह 7 से 10 बजे के बीच शहर से कांके, रातू, काठीटांड़, दलादली और कटहल मोड़ की ओर जाने वाले वाहन सवार मेन रोड, लालपुर रोड, कांटाटोली फ्लाई ओवर और बूटी मोड़ से रिंग रोड होते हुए गंतव्य तक जा सकेंगे। वहीं कांके रोड, रातू रोड, कटहल मोड़ और काठीटांड़ की ओर से आने वाले वाहन सवार बोड़ेया रोड, बूटी मोड़ और कांटाटोली फ्लाई ओवर से प्रवेश करेंगे।

31 अगस्त : शाम 4 से 7 बजे तक कांके, रातु, काठीटांड़, दलादली और कटहल मोड़ की ओर जाने वाले वाहन सवार मेन रोड, लालपुर रोड, कांटाटोली पलाई ओवर और बूटी मोड़ होते हुए रिंग रोड के रास्ते गंतव्य तक जा सकेंगे। कांके रोड, रातू रोड, कटहल मोड़ और काठीटांड़ की ओर से शहर आने वाले वाहन सवार कांके रिंग रोड, बोड़ेया रोड, बूटी मोड़ से आकांटाटोली फ्लाईओवर होकर जाएंगे।

पाकुड़ में घर के कमोड से निकला कोबरा

15 मिनट में रेस्क्यू कर निकाला गया जहरीला सांप, परिवार वालों में मचा हड़कंप

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ के महेशपुर थाना क्षेत्र के एक घर में तब हड़कंप मच गया, जब बाथरूम के कमोड से एक जहरीला कोबरा सांप निकलता हुआ देखा गया। घटना विनोद भगत के घर की है, जहां वे जैसे ही बाथरूम गए, उन्होंने कमोड में कोबरा को देखा तो घबरा गए। कोबरा देखते ही परिवार के अन्य सदस्य भी बुरी तरह डर गए। घर में शोर सुनते ही आस-पड़ोस के लोग भी जमा हो गए। कुछ ही देर में पूरे इलाके में बात फैल गई। दर्जनों लोग घर के बाहर पहुंच गए। आनन-फानन में परिवार ने वन विभाग को सूचना दी।

जानकारी मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम के साथ असराफुल शेख मौके पर पहुंचे। उन्होंने पूरी सावधानी से बाथरूम का निरीक्षण किया। फिर करीब 15 मिनट की मशक्कत के बाद कोबरा को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन के सफल होते ही वहां मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। विनोद भगत के परिवार ने वन विभाग की त्वरित कार्रवाई और सतर्कता की सराहना की। असराफुल शेख ने बताया कि पकड़ा गया कोबरा बेहद जहरीला था।

उन्होंने कहा कि बारिश के दिनों में ऐसे सांप जमीन से बाहर आकर छिपने के लिए शुष्क और सुरक्षित जगह तलाशते हैं। यही कारण है कि वे कभी-कभी घरों के अंदर घुस आते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि बारिश के मौसम में विशेष सतर्कता बरतें। अगर कहीं सांप दिखाई दे, तो उसे मारने के बजाय वन विभाग को तुरंत सूचना दें।

लगातार बारिश से गिरिडीह में भू-धंसान : रांची जाने वाली नेशनल हाईवे पर बना 12 फीट गड्ढा

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले में बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश अब कहर बनकर सामने आ रही है। बारिश के चलते जिले के अलग-अलग इलाकों से भू-धंसान की घटनाएं सामने आ रही हैं। मंगलवार को गिरिडीह-रांची मेन रोड पर स्थित गिरिडीह स्टेडियम के पास योगीटांड इलाके में सड़क पर अचानक करीब 12 फीट गहरा गड्ढा बन गया। यह गड्ढा सड़क के बीचोंबीच बना, जिससे आवागमन प्रभावित हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तत्काल प्रभाव से क्षेत्र की घेराबंदी की गई। इसके साथ ही सीसीएल की टीम भी मौके पर सक्रिय हो गई। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क के दोनों ओर बेरिकेडिंग कर दी गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए देर रात गिरिडीह के उपायुक्त रामनिवास यादव और पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार खुद घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने भू-धंसान वाले इलाके का निरीक्षण किया और सीसीएल अधिकारियों के

साथ-साथ पुलिस टीम को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार के निर्देश पर ट्रैफिक डीएसपी कौसर अली के नेतृत्व में पूरे क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए बैरिकेड लगाए गए हैं। बता दें कि यह इलाका राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है, जहां से प्रतिदिन सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। यही नहीं, समाहरणालय भी इस इलाके से कुछ ही दूरी पर है और सभी वरिष्ठ अधिकारी इसी रास्ते का उपयोग करते हैं।

स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है। रास्ते को अस्थायी रूप से डायवर्ट कर दिया गया है। साथ ही, सड़क पर बने गड्ढे को भरने का काम शुरू कर दिया गया है। घटनास्थल पर डीएसपी नीरज कुमार सिंह, मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो, ट्रैफिक इंस्पेक्टर डुगनू टोपनो और सीसीएल के अधिकारी व जवान भी मौजूद रहे।

भगवान शिव का अनोखा भक्त, हर पूर्णिमा 105 किलोमीटर पैदल चलकर पहुंचते हैं बाबा धाम, साल में 13 बार करते हैं बाबा का

हजारीबाग, एजेंसी। सावन के महीने में शिव भक्त भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए कठिन से कठिन पूजा-अर्चना करते हैं. कोई सुल्तानगंज से पैदल 24 घंटे में जल चढ़ाता है. कोई दंडवत बाबा नगरी पहुंचता है तो कोई कंधे पर 101 लीटर जल लेकर बाबा नगरी पहुंचता है. भगवान भोलेनाथ के एक ऐसे ही भक्त हैं हजारीबाग निवासी उपेंद्र कुमार. जो हर पूर्णिमा को सुल्तानगंज से जल लेकर बाबा नगरी देवघर पहुंचकर बाबा का जलाभिषेक करते हैं.

उपेंद्र कुमार की यह यात्रा 24 घंटे में पूरी हो जाती है. वह साल में 13 बार देवघर जाते हैं. पेशे से व्यवसायी उपेंद्र कुमार की आस्था इतनी गहरी है कि वे पिछले 40 वर्षों से बाबा धाम जाते रहे हैं. इतना ही नहीं, पिछले 12 वर्षों से वे हर महीने की पूर्णिमा को सुल्तानगंज से कांवर लेकर जल भरते हैं और 105 किलोमीटर पैदल चलकर बाबा बैद्यनाथ को जल चढ़ाते हैं.

उपेंद्र कुमार ने बताया कि बचपन से ही भगवान शिव में उनकी अटूट आस्था रही है. जब वे पहली बार बाबा के दर्शन करने गए, तभी से उनका जीवन बदलने लगा. बाबा की कृपा से ही उनका व्यवसाय चल रहा है, परिवार खुशहाल है और वे प्रसिद्ध भी हैं. उपेंद्र कुमार की उम्र करीब 65 वर्ष है, लेकिन उनका उत्साह किसी युवा कांवड़िये जैसा है. वे 24 घंटे में यात्रा पूरी कर लेते हैं. उनके बेटे और बहू दोनों इंजीनियर हैं, बेटी डॉक्टर बनने की पढ़ाई कर रही है.

उपेंद्र का मानना है कि यह सब बाबा की कृपा से ही संभव हो पाया है. उन्होंने आगे बताया कि पिछले 30 वर्षों में एक भी दिन ऐसा नहीं बीता, जब उन्होंने बाबा की पूजा न की हो. पूर्णिमा आते ही मन स्वतः ही बाबा धाम की ओर खिंचा चला आता है. कांवड़ यात्रा अब उनके जीवन का अभिन्न अंग बन गई है.

उपेंद्र कुमार सिर्फ़ एक भक्त नहीं, बल्कि आस्था की एक मिसाल हैं जो दर्शाती है कि अगर सच्ची लगन हो, तो कोई भी राह मुश्किल नहीं होती. उनकी यात्रा दर्शाती है कि जब मन में आस्था और हृदय में भक्ति हो, तो ईश्वर राह जरूर दिखाते हैं.

अमन सिंह को गोली मारने के आरोपी रितेश को तीन वर्ष कैद

धनबाद, एजेंसी। यूपी के गैंगस्टर अमन सिंह को धनबाद जेल में गोली मारने के आरोपी यूपी प्रतापगढ़ निवासी सुंदर महतो उर्फ रितेश यादव को प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी नूतन एक्का की अदालत ने पहचान छुपाने व पुलिस को दिग्भ्रमित करने के मामले में तीन वर्ष की कैद व पांच हजार रुपये जुर्माना से दंडित किया है। रितेश यादव उर्फ सुंदर महतो के विरुद्ध पहचान छुपाने का आरोप लगाते हुए पुटकी थाना में 13 दिसंबर 2023 को प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। इसके मुताबिक 25 नवंबर 2023 को पुलिस ने उसे डीएवी मैदान मुनीडीह से चोरी की बाइक के साथ पकड़ा गया था।

उस वक्त रितेश यादव ने अपना नाम सुंदर महतो उर्फ नीतीश महतो और पता तेलो चंद्रपुरा, बोकारो बताया था। तीन दिसंबर 2023 को धनबाद जेल में अमन सिंह की हत्या होने के बाद जब पुलिस ने उसकी संलिप्तता इस हत्याकांड में पायी, तो पुलिस ने अमन सिंह हत्याकांड में सुंदर महतो का पुलिस रिमांड लिया। पुलिस रिमांड में इस बात का खुलासा हुआ कि सुंदर महतो उसका नाम नहीं है, बल्कि उसने अपनी पहचान छुपा कर पुलिस को दिग्भ्रमित किया था। बोकारो पुलिस ने भी जांच के बाद यह प्रतिवेदन दिया था कि तेलो चंद्रपुरा में सुंदर महतो पिता गुरु चरण महतो नाम का कोई आदमी नहीं है। उसका वास्तविक नाम रितेश यादव और पता चारंगपुर जिला प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश था।

पूर्व डिप्टी मेयर व कांग्रेस नेता नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्या मामले में बीते आठ वर्षों से जेल में बंद झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह की ओर से बहस शुरू हुई। झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता मिलन दे ने अदालत में तर्क देते हुए कहा कि नीरज सिंह की हत्या की सूचना मिलते ही सरायढेला थाना प्रभारी अरविंद कुमार मौके पर पहुंच गये थे, जहां उन्होंने जांच शुरू कर दी थी।

वहां से गोली का खोखा, ब्लड सैंपल अन्य चीजें जब्त की। वहीं मृतकों की मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट भी बना ली। उपायुक्त धनबाद ने एसडीएम, एसएसपी व सिविल सर्जन को पत्र लिखकर रात में ही पोस्टमार्टम करने का निर्देश दिया था, तो जब अनुसंधान शुरू हो गया था, उसके दो दिनों के बाद अभिषेक सिंह द्वारा थाने में लिखित आवेदन दिया गया। जांच के दौरान दिया गया इसे एक आवेदन माना जा सकता है प्राथमिकी नहीं।

झारखंड में 108 एंबुलेंस चालकों का हल्लाबोल! 12 घंटे की ड्यूटी पर कम वेतन और शोषण के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल

रांची/कोडरमा, एजेंसी। झारखंड एंबुलेंस कर्मचारी संघ के बैनर तले राज्यभर में एंबुलेंस चालकों ने काम का बहिष्कार कर दिया है, जिसके कारण 108 एंबुलेंस का परिचालन पूरी तरह से ठप पड़ गया है।

तख्तियों को दिखाकर प्रदर्शन : राजधानी रांची स्थित सदर अस्पताल परिसर में सोमवार को 108 एंबुलेंस सेवा से जुड़े कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने सरकार विरोधी नारे भी लगाए और तख्तियां लेकर धरने पर बैठ गए। हड़ताल के पहले दिन ही अस्पताल परिसर में आपातकालीन सेवाएं प्रभावित होती दिखीं।

12-12 घंटे की ड्यूटी से भड़के एंबुलेंसकर्मी : हड़ताली कर्मचारियों ने बताया कि 108 एंबुलेंस का संचालन, समाधान फाउंडेशन नाम की एक निजी संस्था द्वारा किया जा रहा है, उनका आरोप है कि संस्था द्वारा उनसे रोजाना 12-12 घंटे की ड्यूटी ली जाती है। लेकिन उसके बदले न तो उन्हें उचित मानदेय दिया जाता है और न ही किसी प्रकार की सरकारी सुविधा का लाभ मिलता है। वे न तो ईपीएफ के दायरे में हैं और न मेडिकल सुविधा या बीमा का उन्हें लाभ मिलता है।

वेतन कटौती, प्रताड़ना और दुर्व्यवहार से परेशान एंबुलेंस कर्मी : कर्मचारियों ने आगे बताया कि वे राज्य के विभिन्न हिस्सों में आपातकालीन सेवा के तहत मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने का कार्य करते हैं। बावजूद इसके उनका शोषण लगातार जारी है। वेतन कटौती, अवकाश मांगने पर प्रताड़ना और ड्यूटी के दौरान संस्था के पदाधिकारियों द्वारा दुर्व्यवहार जैसी घटनाएं आम हो गई हैं।

एनआरएचएम के तहत हो स्थाई बहाली: एंबुलेंस चालक : इस दौरान एक प्रदर्शनकारी चालक ने बताया कि हर साल नई एजेंसी आती है, जो 2-3 महीने वेतन देती है और फिर चली जाती है। हम लोगों को पूरे साल की सेवा देने के बावजूद नियमित वेतन तक नहीं

मिलता। हमारी मांग है कि हमें एनआरएचएम के तहत स्थायी रूप से बहाल किया जाए, ताकि हमें साल भर का वेतन और सरकारी कर्मचारी जैसी सुविधाएं मिल सके।

लिखित आश्वासन पर अड़े एंबुलेंस कर्मी : हड़ताल की सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और कर्मियों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। हालांकि, कर्मचारियों ने स्पष्ट कहा है कि जब तक लिखित आश्वासन और ठोस समाधान नहीं मिलेगा, वे हड़ताल से पीछे नहीं हटेंगे। इस हड़ताल का असर अन्य जिलों में भी दिख सकता है, क्योंकि राज्यभर में 108 एंबुलेंस सेवा स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती है। यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो आने वाले दिनों में यह आंदोलन और तेज हो सकता है। एक अनुमान के मुताबिक हर दिन 1500 से 2000 मरीजों को 108 एंबुलेंस सेवा का लाभ मिलता है।

इससे पहले एंबुलेंस कर्मियों ने 22 जुलाई को एकदिवसीय धरना दिया था और मांगों पर उचित कार्रवाई के लिए, 27 जुलाई तक का समय दिया था लेकिन जब एंबुलेंस चालकों की मांग पूरी नहीं हुई तो अपने तय कार्यक्रम के अनुसार उन्होंने अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी।

कम वेतन समेत शोषण का आरोप : हड़ताल से पहले दिन कोडरमा सदर अस्पताल में एंबुलेंस चालकों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। एंबुलेंस चालकों ने कहा समाधान फाउंडेशन के तहत, 108 एंबुलेंस का संचालन किया जा रहा है। एंबुलेंस चालकों ने आरोप लगाया कि संस्था के द्वारा, एंबुलेंस चालकों को न सिर्फ मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से भी कई मामलों में प्रताड़ित किया जाता है।

पदाधिकारियों पर दुर्व्यवहार करने का आरोप : 108 एंबुलेंस के चालकों ने कहा कि 12-12 घंटे ड्यूटी ली जाती है लेकिन उन्हें उचित मानदेय नहीं दिया जाता है उल्टा उनका आर्थिक रूप से शोषण किया जाता है। इसके अलावा एंबुलेंस चालकों को किसी भी तरह की सरकारी सुविधा का लाभ भी नहीं मिल रहा है। एंबुलेंस चालकों ने आरोप लगाते हुए कहा कि उनका वेतन काटा जाता है एवं अवकाश मांगने पर प्रताड़ित किया जाता हैं और ड्यूटी के दौरान संस्था के पदाधिकारियों के द्वारा, एंबुलेंस चालकों के साथ दुर्व्यवहार तक किया जाता है। जबकि हम लोग आपातकालीन सेवा के तहत मरीजों को अस्पताल ले जाने का कार्य करते हैं।

हर हाल में पूरी होनी चाहिए हमारी मांगें: कर्मचारी : हड़ताल पर बैठे 108 एंबुलेंस कर्मियों ने कहा कि हर साल नई संस्था आती है और सभी संस्था साल में 2 महीने 3 महीने का वेतन लेकर भाग जाती है। ऐसे में उनकी बहाली के साथ-साथ उनका वेतन एनआरएचएम के तहत दिया जाना चाहिए, ताकि उन्हें साल के 12 महीने का वेतन मिल सके और उनका आर्थिक शोषण ना हो।

4444444444444444_page 12 29.05.2025.qxd 30-07-2025 21:48 Page 1

संपूर्णता अभियान तथा आकांक्षा हाट के आयोजन को लेकर बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी जिला कार्यक्रम एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के अंतर्गत खूंटी जिले में संपूर्णता अभियान तथा आकांक्षा हाट के सफल आयोजन को लेकर आज समाहरणालय स्थित सभागार में उप विकास आयुक्त आलोक कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला योजना पदाधिकारी कुंदन कुमार ने बताया कि नीति आयोग द्वारा खूंटी जिले को कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण एवं वित्तीय समावेशन (फाइनेंशियल इंक्लूजन) जैसे पाँच मानकों में से तीन मानकों पर बेहतर कार्य करने हेतु ब्रॉन्ज मेडल से सम्मानित किया जाएगा। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में आकांक्षा हाट एवं सम्मान समारोह का आयोजन 2 अगस्त 2025 को कचहरी मैदान, खूंटी में किया जाएगा। आकांक्षा हाट 2 अगस्त से 4 अगस्त 2025 तक चलेगा। आयोजन के दौरान इन मानकों में योगदान देने वाले फ्रंटलाइन वर्कर्स को सम्मानित किया जाएगा तथा स्थानीय उत्पादों को भी बढ़ावा देने हेतु स्टॉल लगाए जाएंगे। उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि उक्त आयोजन को भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप भव्य एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जाए। साथ ही सभी संबंधित विभागीय पदाधिकारी फ्रंटलाइन कर्मियों की सूची शीघ्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि उन्हें समय पर आमंत्रित एवं सम्मानित किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि आकांक्षा हाट के

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के कार्यों की हुई सराहना

हजारीबाग। क्षेत्र में हो रहे सड़क मरम्मत कार्य का निरीक्षण करते हुए बीजेपी नेता एवं समाजसेवी अनुपम सिन्हा ने वाटर ट्रीटमेंट प्लांट द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए पाइपलाइन बिछाने का कार्य शीघ्रता से पूरा किया जाए और जिन सड़कों की खुदाई की गई है, उनकी मरम्मत जल्द से जल्द की जाए।

नेता ने कहा कि सड़क की दुर्दशा के कारण आम नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है, खासकर बरसात में जलजमाव और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में एलएंडटी द्वारा शुरू की गई मरम्मत प्रक्रिया एक सकारात्मक कदम है, लेकिन इसमें और तेजी लाने की आवश्यकता है।

उन्होंने स्थानीय प्रशासन और संबंधित एजेंसियों से भी आग्रह किया कि कार्यों की समीक्षा कर नियमित निगरानी की जाए, ताकि गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और जनता को शीघ्र राहत मिल सके।स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि सड़कें जल्द ही पहले की तरह सुरक्षित और सुगम हो जाएंगी।

हजारीबाग को जल्द मिलेगी दो बड़ी सड़कों की सौगात

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार को संसद भवन में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर अपने संसदीय क्षेत्र के लिए दो अत्यंत महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का प्रस्ताव रखा और उन्हें ज्ञापन भी सौंपा। इन प्रस्तावों पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने तत्काल सकारात्मक रुख दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इन दो

प्रमुख परियोजनाओं में हजारीबाग रिंग रोड (लगभग 20 किमी) शामिल है। इस पथ के संबंध में सांसद मनीष जायसवाल ने चतरा रोड से नगवां फ्लाईओवर और सिलवार एनएच-522 तक रिंग रोड के निर्माण का अनुरोध मंत्री नितिन गडकरी से किया, जिसकी अनुमानित लागत 450 करोड़ है। उन्होंने बताया कि इस रिंग रोड के बन जाने से शहर के भीतर यातायात जाम, प्रदूषण और सड़क दुर्घटनाओं की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। विशेष रूप से चतरा की ओर से आने वाले भारी वाहन, जिनमें कोयला ढुलाई करने वाले ट्रक भी शामिल हैं, शहर में प्रवेश किए बिना ही सीधे डायवर्ट हो सकेंगे। इससे शहर की आंतरिक सड़कों पर दबाव कम होगा और नागरिकों की आवाजाही अधिक सुरक्षित और सुगम बनेगी।

वहीं दूसरी परियोजना के बाबत सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि सुल्ताना-सिमरिया-चतरा मार्ग का चौड़ीकरण बेहद जरूरी है। यह मार्ग क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके चौड़ीकरण होने से क्षेत्रीय आवागमन में अभूतपूर्व सुधार होगा। इससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी और व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी। यह मार्ग मगध, आम्रपाली, एनटीपीसी जैसी प्रमुख कोयला परियोजनाओं से जुड़ा हुआ है, जहाँ बड़ी मात्रा में कोयले का परिवहन होता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सांसद मनीष जायसवाल के दोनों ही प्रस्तावों पर अपनी सकारात्मक सहमति व्यक्त की और तुरंत संबंधित अधिकारियों को इन परियोजनाओं पर काम शुरू करने के निर्देश दिए। उम्मीद है कि जल्द ही हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र को इन प्रस्तावित योजनाओं के रूप में विकास की एक बड़ी सौगात मिलेगी।

हैदराबाद को मिलेगी एंबुलेंस सुविधा : विधायक

गिरिडीह । झारखंड एकता समाज के 8वें स्थापना दिवस के अवसर पर जमुआ विधायक मंजु कुमारी ने प्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की। मंगलवार को हैदराबाद के एरागड्डा स्थित विक्टोरिया गार्डन में आयोजित भव्य समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं विधायक मंजु कुमारी ने कहा कि प्रवासियों की समस्याएं मेरी अपनी समस्याएं हैं। कई वर्षों से आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस की आवश्यकता की बात प्रवासी भाई बहन उठाते रहे हैं। मैं अपनी विधायक निधि से एंबुलेंस प्रदान करूंगी, ताकि किसी भी संकट की घड़ी में किसी को असहाय न होना पड़े। इस घोषणा का उपस्थित लोगों ने स्वागत किया।

समारोह की शुरूआत केक काटकर एवं अतिथियों के सम्मान से हुई। कार्यक्रम में डुमरी विधायक जयराम महतो मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में मौजूद रहे। उन्होंने प्रवासियों के संगठनात्मक एकता और सामाजिक जागरूकता की प्रशंसा की।इस अवसर पर झारखंड एकता समाज के अध्यक्ष जीत यादव सहित संगठन के अन्य प्रमुख सदस्य प्रकाश यादव, अरविंद यादव, परमेश्वर यादव, विकास यादव, राजेश यादव, महेंद्र विश्वकर्मा, मदन दास, पंकज कुमार, सुमित यादव, पवन यादव, प्रकाश पुजारी, पिंटू यादव, हिमांशु गुप्ता, अजय मंडल, नरेश यादव आदि मौजूद थे कार्यक्रम के सफल आयोजन में झारखंड एकता समाज की समर्पित टीम की भूमिका सराहनीय रही। समारोह ने न सिर्फ प्रवासियों को एक मंच पर जोड़ा, बल्कि एकजुटता और सहयोग का भाव भी प्रकट किया।

सुरक्षित तैराकी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

अररिया। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण,अररिया द्वारा जिले के सिकटी, पलासी, कुर्साकांटा एवं फारबिसगंज में 12 दिवसीय सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को आपदा प्रबंधन विभाग के मंत्री विजय कुमार मंडल एवं जिला पदाधिकारी अनिल कुमार द्वारा संयुक्त रूप से सिकटी प्रखंड कार्यालय परिसर में सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन समारोह में मंत्री ने कहा कि सुरक्षित तैराकी न केवल एक कौशल है,बल्कि यह आपदा के समय जीवन रक्षा का एक महत्वपूर्ण साधन भी है। जिलाधिकारी ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि विगत वर्षों में ऐसा देखा गया है कि किसी जलश्रोत में या उसके आस-पास नहाने अथवा खेलने के क्रम में पानी में डूबने से प्रायः मृत्यु की घटनाऐं हो रही है,ऐसे में तैराकी का प्रशिक्षण बच्चों एवं युवाओं को जीवन सुरक्षा में आत्मनिर्भर बनायेगा। उन्होंने बच्चों सहित उपस्थित सभी को अनावश्यक नदी,तालाब सहित अन्य जलश्रोत में नहीं उतरने की सलाह दी।

माउंट कार्मेल स्कूल की मनमानी पर भड़के विधायक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। माउंट कार्मेल स्कूल, हजारीबाग एक बार फिर विवादों में घिर गया है। बुधवार को विद्यालय में एक छात्र की तबीयत अचानक बिगड़ने पर स्कूल प्रशासन द्वारा परिजनों को बच्चा नहीं सौंपे जाने की घटना ने तूल पकड़ लिया है। इस मामले में हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्कूल प्रशासन पर अमानवीय और तानाशाही व्यवहार का आरोप लगाया है।

घटना के अनुसार, बीमार छात्र को लेने उसके बड़े पापा स्कूल पहुंचे, लेकिन स्कूल प्रशासन ने यह कहते हुए बच्चे को सौंपने से इनकार कर दिया कि उनके पास पेरेंट्स कार्ड नहीं है। जबकि छात्र के पिता ने खुद स्कूल को फोन कर गार्जियन की पहचान की पुष्टि भी की थी। बावजूद इसके, प्रशासन ने अपनी जिद नहीं छोड़ी और बीमार छात्र को परिजनों को सौंपने से इंकार करता रहा।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गार्जियन ने विधायक प्रदीप प्रसाद से संपर्क किया। जानकारी मिलते ही विधायक स्वयं स्कूल पहुंचे और प्रशासन को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर बच्चा गार्जियन को नहीं सौंपा जा रहा था, तो कम से कम स्कूल को उसे अस्पताल ले जाना चाहिए था।

विधायक ने जब पूछा कि बच्चे की देखरेख कौन कर रहा है, तो जवाब मिला कि एक 'नर्स' देख रही है। लेकिन जब जांच की गई तो पता चला कि वह कोई प्रशिक्षित नर्स नहीं, बल्कि विद्यालय की एक मेड थी जो नर्स के नाम पर कार्यरत थी। यह खुलासा और भी चौंकाने वाला था और स्कूल की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर गया।

बाद में जब परिजनों ने आवेदन पत्र दिया, तब कहीं जाकर स्कूल प्रशासन ने बच्चे को सौंपा। विधायक ने स्पष्ट कहा कि पढ़ाई के नाम पर नियम बनाए जा सकते हैं, लेकिन जब बच्चे की जान का सवाल हो, तो सबसे पहले इंसानियत और संवेदनशीलता होनी चाहिए।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में ऐसी कोई घटना दोहराई गई तो स्कूल के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले की सूचना जिला प्रशासन को दी जाएगी और मिशनरी स्कूलों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की जाएगी। विधायक ने जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं उपायुक्त से उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि हजारीबाग में कोई भी स्कूल कानून और मानवता से ऊपर नहीं है।

पुनर्वासित बच्चों के लिए स्मार्ट क्लास का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। ग्लोबल टाइगर डे पर झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू समेत कई अधिकारी बेतला नेशनल पार्क व पोलपोल में पहुंचे। इस दौरान पोलपोल में विस्थापित होने वाले परिवार के बच्चों के लिए स्मार्ट क्लास शुरू हुआ। स्मार्ट क्लास का उद्घाटन सुबे के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर व पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने संयुक्त रूप से किया। जिन बच्चों के लिए स्मार्ट क्लास शुरू हुआ है वे नक्सल प्रभावित इलाके के पोलपोल में पुनर्वासित किए गए बच्चे हैं। इधर वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर व पर्यटन मंत्री ने बेतला नेशनल पार्क को लेकर कई योजनाएं शुरू की।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पाँचवीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय, बीएसएफ मेरु, हजारीबाग में बुधवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पाँचवीं वर्षगांठ के अवसर पर एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और उन्होंने पूरे आयोजन को अत्यंत प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें विधायक समेत विद्यालय के शिक्षकों और अतिथियों ने भाग लेते हुए मां सरस्वती से ज्ञान, विवेक और राष्ट्रसेवा की भावना का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गीत और नृत्य ने भारत की सांस्कृतिक विरासत और शिक्षा की आधुनिक सोच को खूबसूरती से दर्शाया।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने सौर ऊर्जा पर आधारित विद्यार्थियों की विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और बच्चों की वैज्ञानिक सोच एवं रचनात्मकता की प्रशंसा की। उन्होंने प्रत्येक मॉडल को ध्यानपूर्वक देखा और बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया।इस अवसर पर उन्होंने पी एम श्री योजना के अंतर्गत विद्यालय परिसर में बनाए गए शिलान्यास पट्ट का भी अनावरण किया। अपने संबोधन में विधायक ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भारत की शिक्षा व्यवस्था में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी परिवर्तन करार दिया। उन्होंने कहा कि यह नीति न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि सोचने, खोजने, और सृजन करने की शक्ति भी देती है।विधायक ने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को मातृभाषा में शिक्षा का अवसर, विषयों के चयन में लचीलापन, और रोजगारोन्मुख कौशल विकसित करने की स्वतंत्रता देती है। इसे उन्होंने ज्ञान के साथ संस्कार का संतुलन बताया।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। विधायक ने विद्यालय परिवार को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी और विद्यार्थियों से अपने भविष्य को उज्जवल बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास का आह्वान किया।

अपार्टमेंट के पांचवें तल्ले से 15 लाख नकद उड़ा ले गए चोर

हजारीबाग। हजारीबाग के कोर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत नीलांबर इनक्लेव में बुधवार को दिनदहाड़े एक सनसनीखेज चोरी की घटना सामने आई। चोरों ने अपार्टमेंट के पांचवें तल्ले पर स्थित एक फ्लैट को निशाना बनाते हुए 15 लाख रुपये नकद पर हाथ साफ कर दिया। यह पूरी घटना बिल्डिंग में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

जानकारी के अनुसार, घर के सदस्य किसी जरूरी काम से बाहर गए थे। इसी दौरान चोर अपार्टमेंट में घुसे और अलमारी में रखी भारी मात्रा में नकदी लेकर फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही कोर्रा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।स्थानीय लोगों में घटना को लेकर भय और आक्रोश का माहौल है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से गश्ती बढ़ाने और अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जेके टाइल्स फिक्सिंग कांट्रैक्टर मीट का आयोजन, मिस्त्रियों को मिला सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण। स्थानीय होटल सेलेब्रेशन में जेके सीमेंट लिमिटेड के अधीन कार्यरत जेके टाइल्स की ओर से टाइल्स फिक्सिंग कांट्रैक्टर मीट का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में क्षेत्र के 40 से अधिक अनुभवी टाइल्स मिस्त्रियों ने भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य मिस्त्रियों को आधुनिक तकनीकी जानकारियों से अवगत कराना और उनके मेहनत एवं कौशल को सम्मानित करना था।कार्यक्रम में जेके सीमेंट के झारखंड हेड अनिल कुमार और एरिया इंचार्ज शुभम कुमार ने टाइल्स अधेशिव, इपॉक्सी ग्राउट्स तथा अन्य निर्माण सामग्री की आधुनिक तकनीकों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इपॉक्सी ग्राउट्स का उपयोग बाथरूम और किचन जैसी जगहों पर टाइल्स के लिए बेहतरीन विकल्प है, जो सतह को लीकेज-प्रूफ बनाकर उसे अधिक टिकाऊ और साफ-सुथरा बनाए रखता है।

वक्ताओं ने उपस्थित मिस्त्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि घर बार-बार नहीं बनता, इसलिए हमेशा सस्ती नहीं बल्कि गुणवत्तापूर्ण सामग्री का चुनाव करना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जेके सीमेंट का उद्देश्य केवल उत्पाद बेचना नहीं, बल्कि ग्राहकों और मिस्त्रियों को सही मार्गदर्शन देना है।

इस मौके पर समाजसेवी सह शिक्षक अशोक गुप्ता, समाजसेवी बीरबल साहू, राज ट्रेडर्स के प्रोपराइटर रितेश कुमार, और राज टाइल्स के प्रोपराइटर सिकंदर गुप्ता सहित कई प्रतिष्ठित स्थानीय व्यक्ति मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में सभी मिस्त्रियों को कंपनी की ओर से आकर्षक उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस आयोजन ने न केवल मिस्त्रियों में आत्मविश्वास बढ़ाया, बल्कि उन्हें तकनीकी रूप से और दक्ष बनाया, जिससे वे अपने कार्य में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।

वाहन चेकिंग की सराहना

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण थाना क्षेत्र में विगत दो दिनों से थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश के नेतृत्व में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान की चौपारण प्रखंड प्रमुख पूर्णिमा देवी ने सराहना करते हुए इसे सड़क सुरक्षा के लिए जरूरी कदम बताया, लेकिन साथ ही कुछ अहम मुद्दों पर चिंता भी व्यक्त की।

प्रमुख पूर्णिमा देवी ने कहा कि चौपारण प्रखंड का अधिकांश हिस्सा ग्रामीण इलाका है, जहां अब भी जागरूकता की भारी कमी है। कई ऐसे गांव हैं जहाँ मोबाइल नेटवर्क की समस्या बनी रहती है और बहुत से लोग स्मार्टफोन का उपयोग नहीं कर पाते।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-टीआर-टीडब्ल्यूएस-एएसटीई-बीडीसी-25, दिनांकः 25.07.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं.: एसडीएसटीई-टीआर-टीडब्ल्यूएस-एएसटीई-बीडीसी-25 के प्रतिपक्ष निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नामः** अनुसूची ए-हावड़ा मंडल में पीडब्ल्यूपी 31065-टीटीआर (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-40 सेट (60 केजी 1 इन 12) और 18 सेट (60 केजी 1 इन 8.5) के संबंध में सिग्नलिंग कार्य। अनुसूची बी-हावड़ा मंडल में पीडब्ल्यूपी 31062-टीटीआर (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-30 सेट (60 केजी 1 इन 12) के संबंध में सिग्नलिंग कार्य। अनुसूची सी-हावड़ा मंडल में टीएसआर पी 18.382 टीकेएम बीडीसी (बैण्डेल)-केडब्ल्यूएई (कटवा) अप के संबंध में सिग्नलिंग कार्य। अनुसूची डी-हावड़ा मंडल में टीआरआर (पी)-0.977 टीकेएम के लिए 2025-26 के पीडब्ल्यूपी 31014 के संबंध में सिग्नलिंग कार्य। अनुसूची ई-हावड़ा मंडल में टीएसआर पी 25.683 टीकेएम बीएलवाई (बाली)-एसकेजी (शक्तिगढ़) तृतीय लाइन, एससकेजी (शक्तिगढ़)-बीडब्ल्यूएन (बर्द्धमान) अप कॉर्ड, बीडीसी (बैण्डेल)-एसकेजी (शक्तिगढ़) रिव लाइन बीडीसी (बैण्डेल), केडब्ल्यूएई (कटवा) अप के संबंध में सिग्नलिंग कार्य। **बोली प्रणाली : एकल पैकेट। विज्ञापित मूल्यः** रु. 3,35,81,849.73, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूतिः** रु. 3,17,900/- **निविदा कागजात का मूल्यः** रु. 0.00, **समापन अवधिः** 12 माह। **प्रस्ताव की वैधता : 60 दिन। निविदा अपलोड करने की तिथि और समयः** दिनांक 25.07.2025 को 17.33 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथिः** दिनांक 06.08.2025, **निविदा की अंतिम तिथि और समयः** दिनांक 20.08.2025 को 15.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

HWH-214/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

चौपारण में एनएच-2 बना मवेशियों का अड्डा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण प्रखंड स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-2पर प्रतिदिन मवेशियों का जमावड़ा एक आम दृश्य बन गया है। हाईवे पर बेलगाम घूमते मवेशियों के कारण आए दिन छोटी-बड़ी सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। वाहन चालकों के लिए यह रास्ता बेहद खतरनाक बनता जा रहा है, खासकर रात के समय जब दृश्यता कम होती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन और एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) को कई बार शिकायत दी गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। मवेशियों की वजह से न सिर्फ जान-माल का खतरा बढ़ रहा है, बल्कि यातायात भी बाधित हो रहा है।जनहित को देखते हुए यह आवश्यक है कि जिला प्रशासन और ठल प्रबंधन इस गंभीर समस्या को संज्ञान में लें। आमजन ने हजारीबाग के उपायुक्त से अपील की है कि वे जल्द से जल्द इस मामले में हस्तक्षेप कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

सुदूर और दुर्गम इलाकों में एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। पहाड़ी, सुदूर और दुर्गम इलाकों में एंबुलेंस न मिलने के कारण मरीजों को खाट पर ले जाने की तस्वीरें अक्सर सामने आती रहती हैं। राज्य सरकार ने इससे निपटने का नया और अनोखा तरीका निकाला है। ऐसे इलाकों में मरीजों को खाट पर अस्पताल न ले जाना पड़े, इसके लिए ऐसे इलाकों में स्ट्रेचर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिन पर वहां के लोग मरीजों को अस्पताल ले जा सकेंगे।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने सोमवार को नामकोम स्थित आईपीएच सभागार में आयोजित सात दिवसीय स्वास्थ्य मेले के समापन समारोह में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने विभाग को 10 से 15 हजार स्ट्रेचर खरीदने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि हम खाट व्यवस्था बंद करेंगे ताकि ऐसी कोई रील वायरल न हो। स्वास्थ्य मंत्री ने इस अवसर पर सभी सदर अस्पतालों को चार हाईटेक एंबुलेंस देने की घोषणा करते हुए कहा कि इसके लिए उन्हें पुरानी और खराब एंबुलेंस वापस करनी होंगी।

उन्होंने साफ कहा कि राज्य गठन के 24 साल बाद भी स्वास्थ्य के क्षेत्र में कोई काम नहीं हुआ है।

निमार्णाधीन दो मेडिकल कॉलेज (कोडरमा और चाईबासा) भी अभी तक हैंडओवर नहीं हुए हैं। वे छह नए मेडिकल कॉलेज बनाने जा रहे हैं जो समय पर बनेंगे।

उन्होंने मेडिकल कॉलेजों और सदर अस्पतालों में रोबोटिक तकनीक अपनाने का भी ज़िक्र किया और कहा कि इस बारे में उनकी कई संस्थानों से बातचीत चल रही है।

उन्होंने विभाग के अपर मुख्य सचिव को ज़िलों में कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए ताकि वहाँ के लोगों को पता चल सके कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्या काम हो रहा है।

इस अवसर पर खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने डॉक्टरों और कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने की जरूरत बताई और संविदा कर्मचारियों को गृह ज़िलों में तैनात करने की वकालत की। विभाग के अपर मुख्य सचिव ने कहा कि वर्ष 2026 तक सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन के तहत प्रमाणित किया जाएगा। अब तक 50 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कायाकल्प, एनक्यूएएस, लक्ष्य और मुस्कान जैसे महत्वपूर्ण गुणवत्ता मानकों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, झारखंड मेडिकल कॉर्पोरेशन के एमडी अबू इमरान, डॉ. सिद्धार्थ सान्याल आदि उपस्थित थे।

सीट जीतने की रणनीति पर वीआईपी पार्टी की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। रोसरा विधानसभा एवं वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बाघोपुर बाजार स्थित मां कंपलेक्स विवाह भवन में विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) द्वारा एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव में वारिसनगर सीट को जीतने के लिए रणनीति बनाना और कार्यकताओं को संगठित करना था। सभा की अध्यक्षता वीआईपी पार्टी के जिला प्रभारी संजय सहनी ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र में जनता बदलाव चाहती है और वीआईपी पार्टी उस बदलाव की एक सशक्त विकल्प बनकर उभर रही है।सभा में युवा जिला अध्यक्ष संतोष चौधरी जिला कोषाध्यक्ष श्याम बाबू यादव जिला उपाध्यक्ष अशर्फी सहनी एवं श्रवण कुमार चौधरी वारिसनगर प्रखंड अध्यक्ष पप्पू साहनी,खानपुर प्रखंड अध्यक्ष राकेश सहनी एवं उपाध्यक्ष विजय सहनी शिवाजीनगर प्रखंड अध्यक्ष शंकर सहनी शिवाजीनगर महिला प्रखंड अध्यक्ष राधा रानी शामिल रहे।

CMYK

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में सूक्ष्म उद्यमियों को मिलेगा नया मंच

▸ पटना में स्थापित होगा आधुनिक इन्क्यूबेशन सेंटर ▸ उद्योग विभाग और बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के बीच एमओयू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार के उद्योग विभाग और बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के बीच बुधवार को एक महत्वपूर्ण सहमति-पत्र (एमओयू) का हस्तांतरण हुआ जिसके तहत राजधानी स्थित संजय गांधी दुग्ध प्रौद्योगिकी संस्थान (एसजीआइडीटी) में एक अत्याधुनिक इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना की जाएगी। यह केंद्र प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के अंतर्गत राज्य में खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े सूक्ष्म उद्यमियों को तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण और बुनियादी सुविधाएं प्रदान करेगा। यह इनक्यूबेशन सेंटर कृषि उपज के

मूल्यवर्धन, स्टार्टअप्स के प्रोत्साहन और स्थानीय बाजारों की मांग के अनुसार प्रसंस्कृत उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा देगा। परियोजना की कुल लागत 222.55 लाख तय की गई है और इसे 31 मार्च 2026 तक पूरा किया जाना है। एसजीआइडीटी में स्थापित होने वाला यह केंद्र स्वयं सहायता समूहों, कृषक उत्पादक संगठनों, सहकारी समितियों, स्टार्टअप्स और सूक्ष्म उद्यमों को ध्यान में रखकर विकसित किया जाएगा। यह चार प्रमुख प्रसंस्करण लाइनों से युक्त होगा जिनमें सब्जियों की प्राथमिक प्रसंस्करण एवं कोल्ड स्टोरेज, आलू चिप्स निर्माण, अचार निर्माण और टमाटर केचप एवं प्यूरी निर्माण शामिल हैं। इन प्रसंस्करण इकाइयों की कुल उत्पादन क्षमता 150 मीट्रिक टन वार्षिक रखी गई है। केंद्र की स्थापना का उद्देश्य एक साझा उपयोग वाली अधोसंरचना तैयार करना है जहां उद्यमी भारी पूंजी निवेश के बिना आधुनिक मशीनों, प्रसंस्करण तकनीकों, परीक्षण सुविधाओं और भंडारण संसाधनों का लाभ उठा सकें। इस सुविधा का संचालन एक चयनित एजेंसी द्वारा 'कस्टम हायरिंग मॉडल' के आधार पर किया जाएगा जिससे इसका अधिकतम उपयोग और व्यावसायिक प्रभाव सुनिश्चित हो सके। यह केंद्र न केवल उत्पादन बल्कि प्रशिक्षण का भी केंद्र होगा जहां खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता मानक, अच्छी निर्माण प्रक्रिया और व्यवसाय प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा के अनुरूप होंगे। यह राज्य में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के अंतर्गत प्रस्तावित दूसरा इनक्यूबेशन सेंटर होगा। इससे पहले ऐसा ही केंद्र डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर में स्थापित किया जा रहा है। पटना में एसजीआइडीटी की रणनीतिक स्थिति इसे क्षेत्रीय स्टार्टअप्स और ग्रामीण उद्यमों के लिए अधिक सुलभ बनाती है। इस परियोजना को एस.एल.टी.आई. (सबौर) से अनुमोदन प्राप्त है और यह पूरी तरह प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के दिशा-निर्देशों के अनुरूप है। एसजीआइडीटी के सरकारी संस्था होने के कारण यह केंद्र 100% केंद्रीय सहायता के योग्य है। यह पहल राज्य को पूर्वी भारत में खाद्य प्रसंस्करण के एक मजबूत केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है। इसके माध्यम से ग्रामीण और जमीनी स्तर के उद्यमियों को घरेलू और वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा।

अगस्त से मिलने लगेगा 1.86 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 1 अगस्त से बिजली उपभोक्ता चाहे वह पोस्टपेड उपभोक्ता हों या फिर स्मार्ट प्रीपेड के उपभोक्ता, दोनों को ही बिहार सरकार द्वारा घोषित 125 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। विगत 18 जुलाई को राज्य मंत्रिमंडल ने जुलाई महीने से ही 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने को मंजूरी प्रदान कर दी है जिसका लाभ उपभोक्ताओं को अगस्त के महीने से मिलना शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत कुल 60 लाख स्मार्ट प्रीपेड बिजली उपभोक्ताओं सहित लगभग 1.86 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं को शत-प्रतिशत सब्सिडी वाली बिजली की 125 यूनिट मुफ्त मिलेगी। राज्य के 1.86 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं में से 1.67 करोड़ उपभोक्ता औसतन प्रति माह 125 यूनिट तक बिजली का ही उपयोग करते हैं। ऐसे 125 यूनिट की सब्सिडी आधारित मुफ्त बिजली से प्रत्येक शहरी उपभोक्ताओं को प्रतिमाह 550 रुपये की बचत होगी जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 125 यूनिट तक की खपत करने वाले अन्य लोगों को 306 रुपये प्रति माह की बचत होगी। राज्य के बिजली उपभोक्ता यह जानने को उत्सुक हैं कि उन्हें विशेष रूप से स्मार्ट प्रीपेड उपभोक्ताओं को इसका लाभ कैसे मिलेगा। हालांकि विभाग ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि पोस्टपेड उपभोक्ताओं को जो राहत मिलेगी वह अगस्त के महीने से बिजली के बिल में दिखाई देगा।

केन्द्रीय सहकारिता नीति से बिहार को मिलेगा ग्रामीण विकास और रोजगार का नया मार्ग : डॉ प्रेम कुमार

हर पंचायत में सहकारी इकाई और युवाओं को मिलेगा स्वरोजगार का अवसर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत सरकार द्वारा 24 जुलाई 2025 को राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025 को मंजूरी दिए जाने के बाद बिहार में सहकारिता आंदोलन को नई गति मिलने जा रही है। बिहार के सहकारिता मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने इस नीति को राज्य के लिए एक ऐतिहासिक अवसर बताया है जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और सामाजिक समरसता को बढ़ाने में सहायक बनेगी। सहकारिता मंत्री की ओर से जारी प्रेस वक्तव्य में कहा गया है कि यह नीति 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। राज्य सरकार जल्द ही बिहार सहकारिता नीति 2025 लाकर इसे धरातल पर उतारेगी। ताकि छोटे किसानों, ग्रामीण महिलाओं, युवाओं और वंचित समुदायों तक इसके लाभ सीधे पहुंच सके। नई नीति के अंतर्गत राज्य की प्राथमिक कृषि साख समितियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा, सहकारी बैंकों को आधुनिक वित्तीय प्रणाली से सुसज्जित किया जाएगा और प्रखंड स्तर पर सहकारिता सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसके माध्यम से किसानों को सस्ता ऋण, उन्नत बीज, उर्वरक और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। राज्य सरकार की योजना है कि हर गांव में कम से कम एक सहकारी इकाई की स्थापना की जाए, ताकि ग्रामीण स्तर पर आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले। महिला स्वयं सहायता समूहों को भी सहकारी ढांचे से जोड़ा जाएगा और युवाओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ ऋण सहायता दी जाएगी, ताकि वे पर्यटन, बीमा, टैक्सी सेवा, हरित ऊर्ज़ा जैसे क्षेत्रों में उद्यम शुरू कर सकें। नीति का लक्ष्य है कि सहकारी संस्थाओं की संख्या में 30 प्रतिशत की वृद्धि हो और प्रत्येक पंचायत में कम से कम एक इकाई स्थापित की जाए। इसके अलावा सहकारी क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान तीन गुना तक बढ़ाने की योजना है। नई दिल्ली में घोषित राष्ट्रीय नीति का उद्देश्य सहकारी संस्थाओं को अधिक समावेशी, व्यवसायिक और आधुनिक बनाकर उनकी भागीदारी देश की आर्थिक संरचना में और अधिक बढ़ाना है। इसके तहत 2034 तक देश में सक्रिय सहकारी सदस्यों की संख्या 50 करोड़ तक पहुंचाने और सहकारी क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी को तीन गुना तक ले जाने का लक्ष्य तय किया गया है। सहकारिता विभाग का कहना है कि बिहार जैसे कृषि प्रधान राज्य के लिए यह नीति एक सुनहरा अवसर है जिससे राज्य की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में व्यापक परिवर्तन संभव होगा।

अनुराग जोशी ने एसबीआई पटना सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक के रूप में किया पदभार ग्रहण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अनुराग जोशी ने भारतीय स्टेट बैंक के पटना सर्कल के नए मुख्य महाप्रबंधक के रूप में पदभार ग्रहण किया जो बिहार और झारखंड में फैली 1,598 शाखाओं और 4.16 ट्रिलियन के व्यवसायिक पोर्टफोलियो की देखरेख करता है। उनका पदभार 25 जुलाई से प्रभावी हुआ। 30 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ एक अनुभवी बैंकर के रूप में श्री जोशी ने 1995 में एसबीआई में प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप में अपना करियर शुरू किया। उन्होंने भारत और विदेशों में विभिन्न नेतृत्वकारी भूमिकाओं में कार्य किया है जिसमें बेंगलुरु सर्कल (एनडब्ल्यू- I) के महाप्रबंधक, यूके में एसबीआई के मुख्य परिचालन अधिकारी और मुंबई स्थित कॉर्पोरेट सेंटर में उप महाप्रबंधक के रूप में कार्य शामिल है। हाल ही में उन्होंने एसबीआई के

कॉर्पोरेट सेंटर में महाप्रबंधक (कॉर्पोरेट संप्रेषण और विपणन) के रूप में कार्य किया जहां उन्होंने ब्रांड संप्रेषण और विपणन पहलों का नेतृत्व किया। अपने रणनीतिक दृष्टिकोण और मजबूत प्रशासनिक क्षमताओं के लिए प्रसिद्ध श्री जोशी व्यापार वृद्धि को बढ़ावा देने, ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने और पटना सर्कल में परिचालन उत्कृष्टता को और सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनका नेतृत्व बैंक के वित्तीय समावेशन को बढ़ाने और क्षेत्र भर में मजबूत बैंकिंग समाधान प्रदान करने के उद्देश्यों को समर्थन देगा।

किसानों को सशक्त किए बिना भारत सक्षम नहीं बन सकता : चिराग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सहयोग से नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में 'प्रधानमंत्री किसान संपदा योजनाः उत्तर भारत के परिप्रेक्ष्य से' विषय पर क्षेत्रीय सेमिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश और बिहार सहित उत्तर भारत के राज्यों में इस योजना की प्रगति और प्रभाव पर चर्चा हुई। सेमिनार की अध्यक्षता केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र अभी अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहा है। उन्होंने उद्योगपतियों से अपील की कि वे किसानों और छोटे उद्यमियों के साथ मिलकर काम करें। उन्होंने कहा भारत तभी आत्मनिर्भर बन सकता है जब हमारे किसान सशक्त हों।

प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना एक वित्तीय सहायता योजना भर नहीं, बल्कि कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली योजना है जो फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने, मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने और किसानों को वैश्विक बाजार से जोड़ने में अहम भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम की शुरुआत जल संरक्षण को समर्पित प्रतीकात्मक आयोजन से हुई जो खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में टिकाऊपन की अनिवार्यता को दर्शाता है। आईआईए दिल्ली की चेयरपर्सन डॉ. ममतामयी प्रियदर्शिनी ने स्वागत भाषण में नीति और जमीनी स्तर के क्रियान्वयन के बीच की दूरी को पाटने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस योजना में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदलने की अपार क्षमता है। सेमिनार में आईआईए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक अग्रवाल ने छोटे खाद्य उद्यमों के लिए तकनीकी उन्नयन, गुणवत्ता मानकों को अपनाने और प्रशिक्षण पर जोर दिया। उद्योग विशेषज्ञ चेतन देव भल्ला ने कहा कि उद्यमियों को योजना का लाभ लेने में प्रक्रियात्मक बाधाएं आती हैं जिन्हें सरल बनाया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने ऋण की सुलभता बढ़ाने की जरूरत पर भी बल दिया।

विनोद कुमार बने दानापुर के मंडल रेल प्रबंधक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विनोद कुमार ने पूर्व मध्य रेल, दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के रूप में जयंत कुमार चौधरी से कार्यभार ग्रहण कर लिए हैं। 1995-बैच के भारतीय रेल अभियंत्रण सेवा के अधिकारी हैं। दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक तथा आई.आई.टी.,रूड़की से एम.टेक.की डिग्री हासिल की हुई है। प्रशिक्षण के उपरान्त श्री कुमार ने सर्वप्रथम पश्चिम रेलवे के कोटा मंडल में सहायक मंडल अभियंता के रूप में अपनी सेवा शुरू की थी। पश्चिम रेलवे के कोटा, वड़ोदरा, रतलाम मंडल एवं पूर्व रेलवे के हावड़ा, आसनसोल

मंडल के साथ-साथ मेट्रो रेलवे एवं निर्माण विभाग में विभिन्न पदों पर भी कार्य किया है। रेलवे के परिचालन, अनुरक्षण एवं निर्माण विभाग में कार्य करने का व्यापक अनुभव प्राप्त है। दानापुर मंडल में योगदान से पूर्व श्री कुमार, कार्यकारी निदेशक के पद पर रेल भूमि विकास प्राधिकरण, दिल्ली में पदस्थापित थे। इस शताब्दी वर्ष में पदभार ग्रहण करने के पश्चात मंडल के समस्त विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर मंडल में रेल से संबंधित चल रहे विभिन्न विकास कार्यों एवं परियोजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी लेते हुए समीक्षा की। साथ ही संरक्षा,समय पालन एवं सुरक्षा तथा आधारभूत संरचना को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए समस्त रेल कार्यो को सुगम एवं पारदर्शी कार्य पद्धति का अनुसरण करते हुए संपन्न करने पर बल देते हुए अपनी प्राथमिकता जतायी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में गंगा गीतों पर झूमे श्रोता

डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने गंगा मइया से देश की सुख-समृद्धि के लिए मांगा आशीर्वाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सामयिक परिवेश द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 10वां आदि शक्ति प्रेमनाथ खन्ना स्मृति समारोह में बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका और गंगा स्वच्छता मिशन की बुडको ब्रांड एंबेसडर डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने बिहार के अनेक पारंपरिक लोकगीतों को माता गंगा को समर्पित करते हुए वरदान मांगा कि देश की सुख और समृद्धि तथा सदैव बढ़ोतरी के लिए अपना आशीर्वाद बनाए रखें। कार्यक्रम में गंगा अवतरण के प्रसंग पर विस्तार से चर्चा करते हुए लोक गायिका

नीतू कुमारी नवगीत ने चलली गंगोत्री से गंगा मइया जग के करे उद्धार गीत गाया। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मां गंगा के पावन तट पर रहने वाले हम बिहारियों के दिल में मां गंगा ही रहती हैं। जन्म से मृत्यु तक के हर संस्कार में और विश्व के सबसे बड़े लोक त्यौहार में मां गंगा आशीर्वाद देने के लिए साक्षात हमारे साथ बनी रहती हैं। मां गंगा के पावन तटों की साफ-सफाई हम सब की जिम्मेदारी है। सांस्कृतिक संध्या में नीतू नवगीत ने मांगी ला हम वरदान हे गंगा मैया गीत गाकर उपस्थित श्रोताओं को भाव विभोर किया। गायिका नीतू नवगीत ने वरिष्ठ गजलकार ममता मेहरोत्रा की कई गजलों की भी प्रस्तुति दी जिसे सब ने सराहा। इन गजलों में आज भी खुश हूं बीते कल की तरह, फिक्र मेरी है गंगा जल की तरह, खुशियां ढूंढते रहते हैं, जीवन में दुख को पाले हम, रंगमंच है यह दुनिया, किरदार निभाने वाले हम, बाहर की दुनिया का कोई दर्पण साफ नहीं होता, दिल के आईने में देखें, गोरे हैं या काले हम, मानवता के लायक पहले मन को कर लें, उसके बाद चाहे जितने भी बनवा लें, मस्जिद और शिवाले हम जैसे गजल गाए। कार्यक्रम में धीरज पांडेय ढोलक पर, आशीष पंडित पैड पर और सुरेश कुमार कैसियो पर लोक गायिका नीतू कुमारी नवगीत के साथ संगत किया।

कोतवाली पुलिस की बर्बर कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस पीड़िता को देगी कानूनी और हरसंभव मदद : पवन खेड़ा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कमला नगर कोतवाली थाना के पास स्लम एरिया में सामाजिक कार्यकर्ता रिया पासवान के साथ हुई पुलिसिया ज्यादती पर बोलते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने कहा कि बिहार में गुंडाराज बोलते हैं हमलोग, लेकिन अब रिया पासवान और उनके परिवार के साथ हुई बर्बर पुलिसिया कार्रवाई से पता चला कि इस गुंडाराज में पुलिस भी अपराधियों के तरह काम कर रही है। उन्होंने रिया पासवान को माइक सौंपते हुए अपनी आपबीती मीडिया को बताने को कहा जहां उन्होंने बताया कि सीसीटीवी लगवाने के कारण कोतवाली पुलिस आकर बर्बर तरीके से मेरे बूढ़ी मां, भाई और मुझे सहित मेरी बहनों को पीटा गया। सामाजिक कार्य में बच्चा चोरी के खिलाफ और सूखे नशे के खिलाफ लगातार मैं ऑनलाइन पिटीशन डालने का काम करती हूं, लेकिन एसपी को आवेदन देने के 4 दिनों बाद ही मेरे घर देर रात दो बजे पुरुष पुलिस ने घुस कर पूरे परिवार के साथ मारपीट की और बाद में कोतवाली जाने पर मेरा पुलिस के खिलाफ आवेदन तक नहीं लिया गया। मेरा मोबाइल छीनकर वीडियो डीलिट कर दिया गया और पड़ोसियों को भी मदद न करने की हिदायत दी गई है। इस मामले पर मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने सामाजिक कार्यकर्ता रिया पासवान को हर संभव कानूनी मदद करने का वादा किया।

3 अगस्त को गोस्वामी तुलसीदास जयंती समारोह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रज्ञा समिति एवं बिहार पेंशनर समाज के संयुक्त तत्वावधान में पटना के पाटलिपुत्र कोलनी स्थित पेन्शनर भवन में तीन अगस्त को अपराह्न साढ़े तीन बजे गोस्वामी तुलसीदास जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में बिहार के पूर्व डीजीपी डी एन गौतम, विशिष्ट अतिथि जे एन त्रिवेदी, अध्यक्षता डॉ शिववंश पाण्डेय तथा मंच संचालन डॉ मुकेश कुमार ओझा एवं धन्यवाद ज्ञापन समिति के महासचिव जनक कुमार पाण्डेय करेंगे। इस अवसर पर प्रज्ञा वाणी पत्रिका का लोकार्पण भी किया जाएगा। इसकी जानकारी प्रज्ञा समिति की कार्यकारिणी सदस्य डॉ मुकेश कुमार ओझा ने दी।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त के वितरण हेतु राज्यस्तरीय कार्यक्रम 2 अगस्त को

केंद्रीय कृषि मंत्री और उप मुख्यमंत्री ने तैयारियों की संयुक्त रूप से समीक्षा की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से राज्यस्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 2 अगस्त 2025 को पटना स्थित बापू सभागार, गांधी मैदान में किया जाएगा। इस बाबत उपमुख्यमंत्री -सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा भी की। इस दौरान केंद्र प्रायोजित योजनाओं के धरातल पर सफल क्रियान्वयन तथा किसानों को मांग के अनुसार उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की रणनीतियों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी में इस

कार्यक्रम को संबोधित करेंगे इसका सीधा प्रसारण ऑनलाइन माध्यम से भी किया जाएगा। ताकि राज्य के दूरस्थ अंचलों के किसान भी इसका लाभ उठा सकें। इस विशेष अवसर पर भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उनके साथ बिहार सरकार के वरिष्ठ मंत्रीगण, कृषि विभाग के उच्चाधिकारी तथा कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञ भी भाग लेंगे। राज्य भर से किसान प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त का वितरण सुनिश्चित करना तथा किसानों को केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना है। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि यह योजना किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने वाली एक ऐतिहासिक पहल है। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्लेटफॉर्म और कृषि से संबंधित योजनाओं से भी जोड़ा जाएगा जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिल सके।

प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् ने की जन सामान्य से रविवार को हॉर्न का उपयोग नहीं करने की अपील

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शहर की बढ़ती आबादी के अनुरुप सड़कों पर सभी प्रकार के पेट्रोल, डीजल चालित वाहनों की बढ़ती संख्या, निर्माण कार्यों में प्रयुक्त निर्माण संयंत्रों, विभिन्न वाणिज्यिक एवं औद्योगिक गतिविधियां, अन्य यांत्रिक उपकरणों के परिचालन, विभिन्न अवसरों पर लाउडस्पीकर, लोक संबोधन प्रणाली, डी.जे. इत्यादि के अनियंत्रित उपयोग से उत्पन्न ध्वनि प्रदूषण आज चिंता का विषय है। उपर्युक्त गतिविधियों के कारण चिड़चिड़ापन, बहरापन, उच्च रक्त-चाप, हृदय एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां संभावित हैं। इसी परिपेक्ष्य में बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् जन-सामान्य से यह अपील करती है कि कम से कम रविवार के दिन वाहन चालक अपने वाहन के हॉर्न का उपयोग नहीं करें (आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर)। आप सबों के सहयोग से ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण लायी जा सकती है। आइये अगले रविवार से ही अपना सहयोग करें।

राजनीतिक हिस्सेदारी अब अधिकार नहीं, आवश्यकता : मुकुल आनंद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी पटना का गांधी मैदान बुधवार को एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना जब देशभर से आए विश्वकर्मा समाज के लाखों प्रतिनिधियों ने राजनीतिक अधिकारों की मांग को लेकर शक्ति प्रदर्शन किया। भारतीय विश्वकर्मा महासंघ द्वारा आयोजित इस विशाल 'विश्वकर्मा राजनीतिक अधिकार महारैली' का नेतृत्व महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल आनंद विश्वकर्मा ने किया। मंच से संबोधित करते हुए मुकुल आनंद ने साफ शब्दों में कहा राजनीतिक भागीदारी अब हमारा अधिकार नहीं,

हमारी जरूरत बन चुकी है। अब समय आ गया है कि हमें सत्ता में सम्मानजनक भागीदारी दी जाए। बिहार की सभी बड़ी पार्टियों ने वर्षों से हमें केवल वोट बैंक समझा, लेकिन सत्ता में प्रतिनिधित्व देने से हमेशा कतराती रहीं। यदि आने वाले विधानसभा चुनाव में हमारी भागीदारी सुनिश्चित नहीं की गई तो महासंघ वैकल्पिक रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होगा। उन्होंने आगे कहा बारिश जैसी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद गांधी मैदान में उमड़ी अपार भीड़ इस बात का प्रमाण है कि समाज अब जाग चुका है। मैं आप सभी का दिल से धन्यवाद करता हूं कि आपने ऐसा मजबूत के साथ दिया।

भू-अभिलेखों को अद्यतन करने को 16 अगस्त से शुरू हो रहा राजस्व महा अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में राजस्व महाअभियान की शुरुआत होने वाली है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से 16 अगस्त से 20 सितंबर तक ये महाअभियान चलेगा। इस अभियान का उद्देश्य भूमि संबंधी दस्तावेजों में पारदर्शिता लाना और जनता को जमीन से जुड़ी जरूरी सुधारों की सुविधा सीधे उनके द्वार तक पहुंचाना है। इस अभियान के अंतर्गत डिजिटाइज्ड जमाबंदी में त्रुटि सुधार, उत्तराधिकार नामांतरण, बंटवारा नामांतरण एवं छूटी हुई जमाबंदी को ऑनलाइन किया जाएगा। इन महत्वपूर्ण कार्यों को हल्का स्तर पर शिविर लगाकर पूरा किया जाएगा। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने सभी प्रमंडलीय आयुक्तों एवं जिलाधिकारियों को जारी पत्र में इसकी जानकारी दी है। इस राजस्व महाअभियान के तहत राज्यभर में डिजिटाइज्ड जमाबंदी में त्रुटियों का सुधार (परिमार्जन), छूटी हुई जमाबंदियों को ऑनलाइन कराना, उत्तराधिकार नामांतरण और बंटवारा नामांतरण जैसे मामलों का समाधान किया जाएगा।

सिंधी समाज की महिलाओं ने किया सावन मिलन समारोह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सिंधी वीमेन एसोसिएशन द्वारा पटना के प्रतिष्ठित होटल चाणक्य में सावन के पावन अवसर पर भव्य सावन मिलन समारोह का आयोजन किया। इस रंगारंग कार्यक्रम में 75 से अधिक सिंधी महिलाएं हरियाली परिधान एवं हरे चूड़ियों से सजी-धजी शामिल हुईं और पूरे उत्साह के साथ त्योहार का आनंद लिया। कार्यक्रम में खेल, संगीत, नृत्य, स्वादिष्ट व्यंजन और हंसी-ठिठोली के माध्यम से सावन का उत्सव बड़े ही उल्लास और पारंपरिक भावनाओं के साथ मनाया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए

सिंधी समाज की कई प्रतिष्ठित महिलाएं उपस्थित रहीं जिनमें प्रमुख रूप से-मधु मनकानी, राजकुमारी मनकानी, गरिमा लखमानी, सावित्री मनकानी, उषा मेघानी, कोमल थलानी, साक्षी मनकानी, लाज मध्यन, रेनू मनकानी, नीलू मनकानी, मोनिका, पायल, अंजू और अन्य कई आकर्षक एवं उत्साही महिलाएं शामिल थीं। यह सावन मिलन समारोह नारी शक्ति, पारंपरिक संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक बन गया जिसे सभी ने खूब सराहा और आनंद उठाया।

संपादकीय

इसमें यूएस का घाटा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान प्रवासी विरोधी बनता जा रहा है। यूएस की टेक कंपनियों को उनकी ताजा चेतावनी इसी का प्रमाण है। हालांकि ट्रंप की ऐसी हर कोशिश उनके ही देश को नुकसान पहुंचाएगी। अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत ही धमकियों से करने वाले ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें। एक एआई समिट में उन्होंने कहा, 'हमारी कई बड़ी टेक कंपनियों ने अमेरिकी आजादी का फायदा उठाते हुए चीन में फैक्ट्रियां बनाईं, भारत में कर्मचारियों को नौकरी दी और आयरलैंड में मुनाफा बचाया...।' कुछ अरसा पहले ही ट्रंप ने एपल को चेतावनी दी थी कि अगर उसने भारत में प्रॉडक्शन किया, तो आईफोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया जाएगा। ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिका में बिकने वाला हर सामान अमेरिका में ही बने और उसे बनाएं भी अमेरिकी ही, लेकिन क्या यह संभव है? ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में जब मुक्त व्यापार की बात हो रही है, तब कोई अर्थव्यवस्था खुद में सिमट कर नहीं रह सकती। और सबसे अहम बात, अमेरिकी कंपनियां इसलिए भारत या चीन में प्लांट लगाना चाहती हैं, क्योंकि यहां मैन्युफैक्चरिंग सस्ती है। इसी तरह, सिलिकॉन वैली या दूसरी अमेरिकन इंडस्ट्रीज में भारतीयों ने अपनी काबिलियत के दम पर जगह बनाई है। पिछले साल की एक रिसर्च के मुताबिक, सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक एम्प्लॉई भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्यून 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में टॉप पोजिशन पर भारतीय बैठे हैं। ये भारतीय अमेरिकी इकॉनमी के इंजन हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे और इनकी टोटल वैल्यू 195 अरब डॉलर आंकी गई थी। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। इसी तरह, अमेरिका की आबादी में बमुश्किल 1.5 प्रतिशत होने के बावजूद भारतीय 5-6 प्रतिशत इनकम टैक्स अदा करते हैं। अमेरिकी की टेक इंडस्ट्री या सिलिकॉन वैली आज अगर वैश्विक स्तर पर राज कर रही है, तो इसमें प्रवासियों का बड़ा योगदान है। दुनियाभर की मेधा, खासकर भारत की, ने मिलकर इस इंडस्ट्री को सींचा है।

इलॉन मस्क की टेस्ला को जब ऑटोपायलट सॉफ्टवेयर में सफलता मिली, तो उन्होंने भारतीय मूल के एक रोबोटिक्स इंजीनियर अशोक एल्लुस्वामी का ही नाम पहले लिया था। ट्रंप उस वैश्वीकरण को खत्म करने की बात कर रहे हैं, जिससे सबसे ज्यादा फायदा अमेरिका को ही हुआ है। उनके पास इंडस्ट्री की मांग को पूरा करने लायक वर्कफोर्स नहीं है। भारत के बिना उनका मैगा पूरा नहीं हो सकता।

जयन्ती पर विशेष

तीन दशक तक सक्रिय पत्रकारिता भी करते रहे प्रेमचंद

हंस जब छीनने लगी तो बीसवीं सदी के प्रकाशन की योजना बनायी

डॉ ध्रुव कुमार

मुंशी प्रेमचंद अपनी कहानियों और उपन्यासों के साथ-साथ पत्रकारिता के क्षेत्र में भी लंबे समय तक लगातार सक्रिय रहे। विभिन्न पत्र पत्रिकाओं से जुड़ कर उन्होंने सामाजिक सुधार, जागरूकता और राष्ट्रीय चेतना की लौ को पूरे देश में फैलाया। पत्रकारिता में उनका यह अवदान अविस्मरणीय है। उनकी पत्रकारिता को रचना और विचार की पत्रकारिता, दलितों - वंचितों के समर्थन की पत्रकारिता, राष्ट्रीय ओजस्विता की पत्रकारिता और राष्ट्रीय एकता की पत्रकारिता कहा जा सकता है।

उनकी पत्रकारिता की शुरुआत एक स्वतंत्र पत्रकार के रूप में 1903 में हुई। उन्होंने मुद्दों से केंद्रित विषयों पर लेखन के साथ पत्रकारिता की शुरुआत की । जिन विषयों पर उन्होंने लगातार अपनी कलम चलाई उनमें स्वाधीनता संग्राम, अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति, हिंदू- मुसलमान एकता, छूत - अछूत, किसान- मजदूर, नागरिक- शासन, साहित्य , दर्शन, धर्म - समाज, शिक्षा - संस्कृति, महिला जगत से लेकर राष्ट्रभाषा से जुड़े तमाम मुद्दों पर रिपोतार्ज, टिप्पणियां एवं लेख आदि शामिल थे।

उनकी पत्रकारिता की शुरुआत ओलिवर क्रॉमवेल के विभिन्न प्रसंगों पर टिप्पणी लेखन से एक मई, 1903 से हुई। यह सिलसिला 24 सितंबर, 1903 तक 5 महीने तक धारावाहिक के रूप में चलता रहा। वे 1920 में बनारस से प्रकाशित दैनिक आज से भी जुड़े। स्वदेश और मर्यादा मैं भी उनकी रिपोर्ताज और टिप्पणियां छपती रहीं । प्रसिद्ध उर्दू समाचार पत्र जमाना से भी वे जीवनपर्यंत जुड़े रहे। इसमें वे खबरों और टिप्पणियों के अलावा एक स्थाई स्तंभ रफ्तार - ए - जमाना भी लिखते रहे। वे 1933-34 में साप्ताहिक जागरण से भी जुड़े। लेकिन इन सबके बावजूद यदि उनके मानस पुत्र हंस की चर्चा न हो तो प्रेमचंद की पत्रकारिता के स्वरूप और तेवर को समझना मुश्किल है।

कई दशकों तक प्रेमचंद पर शोध कर अनेक पुस्तक लिखने वाले कमल किशोर गोयनका के अनुसार प्रेमचंद ने जयशंकर प्रसाद को एक पत्र लिखा। काशी से कोई साहित्यिक पत्रिका नहीं निकलती है। मैं कोई धनिक नहीं, मजदूर आदमी हूं। मैंने पत्रिका निकालने का निश्चय कर लिया है। हालांकि इसका नाम हंस प्रेमचंद को जयशंकर प्रसाद इसके प्रकाशन से माह माह पूर्व सुझाया था। कहा जाता है कि उनके निकट के एक रिश्तेदार थे, जो विश्वविद्यालय में पढ़ाते थे। उन्हें प्रेमचंद ने 3 दिसंबर 1928 को एक पत्र लिखा और हंस निकालने में साझेदार बनने के लिए आमंत्रित किया। पत्र में प्रेमचंद ने पत्रिका की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए लिखा कि प्रत्येक अंक में तीन मौलिक तथा दो अनुदित कहानियां, धारावाहिक उपन्यास आठ पृष्ठों में, सामाजिक - राजनीतिक संक्षिप्त टिप्पणी, श्रेष्ठ पुस्तकों की समीक्षा और 12 पृष्ठों में इतिहास तथा यात्रा आदि सामग्री हो सकती है?। जो भी सामग्री रचनात्मक विचारों को उत्पन्न कर सके तथा समाज की अवधारणा को स्पष्ट करे, उसे पत्रिका में स्थान मिलेगा। प्रेमचंद को विश्वास था कि एक वर्ष के बाद पत्रिका ऐसी स्थिति में आ जाएगी कि कुछ आर्थिक लाभ देने लगेगी। लेकिन उनका यह अनुमान गलत साबित हुआ। उन्हें जीवनपर्यंत आर्थिक संकट के साथ अंग्रेजी सरकार की सेंसरशिप का दंश भी भोगना पड़ा ।

जागरण के प्रकाशन के कारण घाटा और भी बढ़ने लगा। 1933 के अक्टूबर - नवंबर महीने में उन्होंने हंस का काशी विश्वनाथ अंक छापा। इससे उनकी आर्थिक संकट में बढ़ोतरी हो गयी, हालांकि उन्होंने इसकी कल्पना नहीं की थी। उन्होंने अपने दोस्त शिवनारायण निगम को 9 जनवरी 1934 को सारी व्यथा बताते हुए पत्र लिखा।

हंस के प्रकाशन को जारी रखने के महात्मा गांधी और कन्हैया लाल मुंशी ने अपनी ओर से कोई कोर - कसर नहीं छोड़ी। 18 मई 1935 को कन्हैयालाल मुंशी ने अंतर - प्रांतीय साहित्य परिषद की रूपरेखा भेजी और लिखा कि इसके लिए हंस का उपयोग किया जा सकता है। प्रेमचंद ने तुरंत कन्हैयालाल मुंशी को उत्तर दिया और लिखा कि वैष्णव प्रांतीय साहित्य को हिंदी भाषा के द्वारा पाठकों तक पहुंचाने के समर्थक हैं। उन्होंने इसके लिए हंस को भी समर्पित करने की स्वीकृति दे दी।

प्रेमचंद द्वारा हंस के लिए कुछ धनराशि देने का प्रस्ताव महात्मा गांधी ने स्वीकार नहीं किया। प्रेमचंद ने भी अपने प्रस्ताव पर अधिक जोर नहीं दिया और अंततः हंस लिमिटेड का रजिस्ट्रेशन करवा कर हंस पत्रिका उसे सौंप देने का निर्णय हुआ। इस नई व्यवस्था के अनुसार भारतीय साहित्य के मुखपृष्ठ के रूप में अंश का पहला अंक अक्टूबर 1935 में प्रकाशित हुआ। इस अंक में प्रेमचंद के साथ कन्हैयालाल मुंशी का नाम संपादक के रूप में प्रकाशित हुआ। महात्मा गांधी ने हंस के संबंध में एक संदेश दिया, जो उसमें बराबर छपता रहा ।

प्रेमचंद ने जिन शर्तों पर हंस सौंपा था, उनमें एक शर्त यह भी थी कि हंस का मुद्रण उनके प्रतिष्ठान सरस्वती प्रेस में ही होगा और हंस लिमिटेड मुद्रण के लिए व्यापारिक दर पर भुगतान करेगी। कुछ मांस उपरांत निकालने के विरोधी थे। उनके आदेश पर हंस ने जमानत देना स्वीकार नहीं किया । इस पर अंग्रेजी सरकार ने हंस का प्रकाशन बंद करने के आदेश दिए। प्रेमचंद को यह सूचना कन्हैयालाल मुंशी और समाचार पत्रों से प्राप्त हुई। उन्होंने तुरंत व्यवस्था न होने के बावजूद अपनी मानस संतान हंस को पुनर्जीवित करने के प्रयास में जुट गए। उनकी पत्नी शिवरानी देवी ने इस संबंध में अपनी पुस्तक प्रेमचंद घर में में सविस्तार लिखा है कि कैसे उन्होंने गंभीर रूप से बीमार होने के बावजूद हंस के प्रकाशन को जीने -मरने का सवाल बनाए रखा। प्रेमचंद ने हंस की जमानत जमा कराई और सरकार से उसे पुनः प्रकाशित करने की अनुमति मिल गई। ठीक समय पर हंस का सितंबर 1936 अंक प्रकाशित हुआ। हंस के इस अंक में उनका लेख महाजनी सभ्यता भी छपा, जिसमें उन्होंने धन की सभ्यता की आलोचना करते हुए वर्गविहीन सामाजिक व्यवस्था की वकालत की । परंतु हंस को पुनर्जीवित करने के प्रयास में उन्हें अपना जीवन दान देना पड़ा। हंस का सितंबर 1936 का अंक निकालने के पश्चात 8 अक्टूबर 1936 को उनका जीवन हमेशा के लिए बुझ गया।

यह सर्वविदित है कि उनके पत्रकार रूप की चर्चा कथाकार रूप की

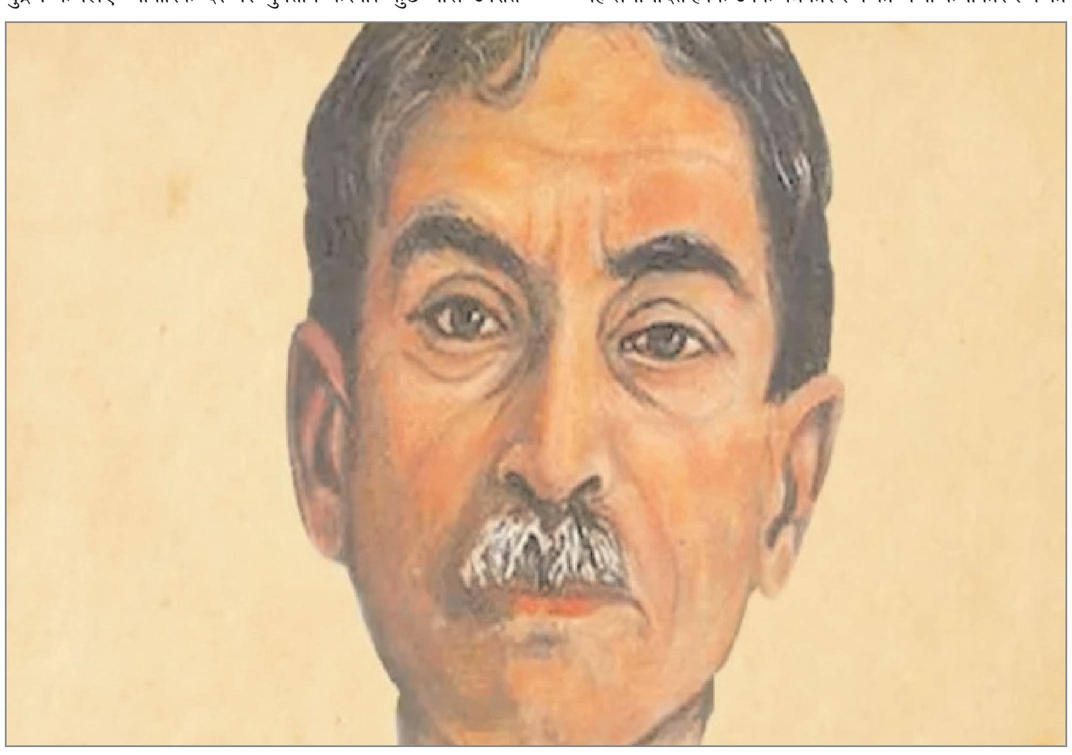

महात्मा गांधी की अध्यक्षता में भारतीय साहित्य परिषद की स्थापना बैठक हुई और हंस, परिषद को सौंप दिया गया । परिषद के कुछ सदस्यों का मत था कि सरस्वती प्रेस में हंस का मुद्रण कराने पर अधिक खर्च होता है। उन लोगों ने कन्हैयालाल मुंशी को स्थिति से अवगत कराया। तब 4 जुलाई 1936 को भारतीय साहित्य परिषद की कार्यकारिणी की बैठक बुलाई गई, जिससे इस समस्या का हल निकाला जा सके। 22 जून 1936 को मुंबई में कन्हैयालाल मुंशी और काका कालेलकर ने परस्पर विचार विमर्श किया और इसके लिए तार देकर प्रेमचंद को भी बुलाया गया। प्रेमचंद मुंबई नहीं गए क्योंकि वह 4 जुलाई को भारतीय साहित्य परिषद के सम्मेलन में वर्धा जाना चाहते थे?। 4 जुलाई 1936 को वर्धा में हुई मीटिंग में तय हुआ कि हंस का प्रकाशन मुद्रण सरस्वती प्रेस, बनारस से हटाकर सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली को सौंप दिया जाए। इससे परिषद को 50 रुपये की बचत हो सकेगी। जब यह सूचना प्रेमचंद को मिली, तो उन्होंने कन्हैयालाल मुंशी को पत्र लिख कर हंस के संपादक पद से इस्तीफा दे दिया। साथ ही उन्होंने निर्णय किया कि बीसवीं सदी नाम से नई पत्रिका निकाली जाए। अपने मित्र अख्तर हुसैन रायपुरी को 27 जुलाई 1936 को उन्होंने अपनी आहत भावनाओं का खुलकर जिक्र करते हुए लिखा। मगर इस बीच कुछ ऐसी घटनाएं घटित हुई कि हंस फिर से प्रेमचंद के पास लौट आया। जून-जुलाई में गोविंद दास का नाटक सिद्धांत स्वतंत्र प्रकाशित हुआ। अंग्रेज सरकार को इसमें राजद्रोह की आहत सुनाई पड़ी और उन्होंने हंस लिमिटेड को तुरंत एक हजार रुपये जमा करने के आदेश दिए। महात्मा गांधी जमानत देकर पत्रिका अपेक्षा कम हुई। वे लगभग तीन दशक तक बहुत शिद्दत से पत्रकारिता में सक्रिय रहे। 1910 में जब ब्रिटिश हुकूमत ने प्रेस एक्ट की धाराओं को पुनर्जीवित कर पहले की अपेक्षा और अधिक कठोर बनाकर न्यूज़ इंडिया प्रेस ऑर्डिनेंस- 1930 पास किया तो इस सरकारी दमन नीति का सबसे पहले विरोध मुंशी प्रेमचंद ने ही किया। उन्होंने लिखा - स्वेच्छाचारी सरकारों की बुनियाद पशुबल पर होती है। वह हर एक अवसर पर अपना पशुबल दिखाने को तैयार रहती है। .....यह बिल्कुल नया अविष्कार है और इसके लिए इंग्लैंड और भारत दोनों की सरकारों की जितनी प्रशंसा की जाए, वह थोड़ी है। अब न कानून की जरूरत है और न व्यवस्था की। काउंसिलें और असेंबलियां सब व्यर्थ, अदालतें और महकमें सब फिजूल। डंडा क्या नहीं कर सकता - वह अजेय है, सर्वशक्तिमान है।

प्रेमचंद ऐसे पत्रकार नहीं थे, जो पत्रकारिता की आर्थिक विवशता को, सिद्धांतों की कुर्बानी देकर विज्ञापनों की बलशालिता के आगे नतमस्तक हो जाते, बल्कि वे ऐसे पत्रकार थे, जो सनसनीखेज खबरों और व्यवसायिक हितों को तरजीह न देकर पत्रकारिता को बुनियादी सवालों से जोड़ना चाहते थे।

उनकी नजर में पत्रकारिता मिशन थी, फैशन या व्यवसाय नहीं । वह पत्रकारिता में पूंजी के प्रभुत्व और सस्ते प्रचार तंत्र के सख्त विरोधी थे।

यह माना जा सकता है कि आज की आधुनिक चमक-दमक वाली पत्रकारिता को प्रेमचंद की पत्रकारिता से बहुत कुछ सीखना शेष है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार हैं)

विदेशी चिकित्सा डिग्री : भारत का एनएमसी लगभग 9 लाख रुपये मान्यता शुल्क पेश करता है

विजय गर्ग

भारत के शीर्ष चिकित्सा शिक्षा नियामक नेशनल मेडिकल कमीशन विदेशी चिकित्सा योग्यता को पहचानने के लिए अपने नियमों में एक महत्वपूर्ण फेरबदल की घोषणा की है। एक प्रमुख प्रस्ताव विदेशी विश्वविद्यालयों या उनकी मान्यता एजेंसियों द्वारा भुगतान किए जाने वाले . 10,000 (लगभग 8.6 लाख रुपये) शुल्क की शुरूआत है, प्रत्येक आवेदन के लिए भारत के मेडिकल कोर्स की आधिकारिक मान्यता की मांग की जाती है। यह संशोधन औपचारिक रूप से 16 जुलाई, 2025 को एक मसौदा गजट अधिसूचना के रूप में प्रकाशित किया गया था। भारतीय उम्मीदवारों को सीधी राहत प्रदान करने वाले एक कदम में, एनएमसी ने एक साथ पहले से अनिवार्य 2.5 लाख रुपये आवेदन शुल्क को स्क्रैप करने का फैसला किया है जो व्यक्तिगत भारतीय डॉक्टरों को अपनी विदेशी चिकित्सा योग्यता की मान्यता के लिए भुगतान करना था। एनएमसी भारत में उच्च चिकित्सा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए ऐसा कर रहा है। शुल्क मान्यता प्रक्रिया को औपचारिक रूप देने और सुव्यवस्थित करने में मदद करता है और यह सुनिश्चित करता है कि केवल उच्च गुणवत्ता वाली विदेशी योग्यताओं को मान्यता दी जाए। यह दृष्टिकोण भारत को अंतरराष्ट्रीय वरीयता के साथ संरेखित करता है, जहां अमेरिका, कनाडा और यूके जैसे देशों में समान मान्यता शुल्क आम है।

यह नीति अनुमानित 20,000 से 25,000 भारतीय छात्रों को सीधे प्रभावित करती है जो सालाना विदेशों में चिकित्सा डिग्री हासिल करते हैं, अक्सर भारत में सीमित एमबीबीएस सीटों के लिए तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण रूस, चीन, जॉर्जिया और किर्गिस्तान जैसे गंतव्यों का चयन करते हैं। जबकि व्यक्तिगत शुल्क को हटाने से स्नातकों को लौटने के लिए एक वित्तीय बाधा कम हो जाती है, विदेशी संस्थानों पर . 10,000 शुल्क लगाने से संभावित रूप से ट्यूशन या प्रशासनिक शुल्क के माध्यम से छात्रों के लिए अप्रत्यक्ष लागत समायोजन हो सकता है।

यह संशोधन औपचारिक रूप से 16 जुलाई, 2025 को एक मसौदा गजट अधिसूचना के रूप में प्रकाशित किया गया था। भारतीय उम्मीदवारों को सीधी राहत प्रदान करने वाले एक कदम में, एनएमसी ने एक साथ पहले से अनिवार्य 2.5 लाख रुपये आवेदन शुल्क को स्क्रैप करने का फैसला किया है जो व्यक्तिगत भारतीय डॉक्टरों को अपनी विदेशी चिकित्सा योग्यता की मान्यता के लिए भुगतान करना था। एनएमसी भारत में उच्च चिकित्सा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए ऐसा कर रहा है।

एनएमसी की पहल विदेशी चिकित्सा शिक्षा पर गुणवत्ता नियंत्रण बढ़ाने के लिए एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इसमें कड़े विदेशी चिकित्सा स्नातक लाइसेंस विनियम और एफएमजीई (विदेशी चिकित्सा स्नातक परीक्षा) जैसी अनिवार्य स्क्रीनिंग परीक्षाएं शामिल हैं, जिन्हें जल्द ही राष्ट्रीय निकास परीक्षा द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। आयोग ने एक समर्पित ईमेल आईडी के माध्यम से आपत्तियों और सुझावों को आमंत्रित करते हुए 30-दिवसीय सार्वजनिक परामर्श अवधि खोली है, जो अंतिम नियामक ढांचे को आकार देने में हितधारक सगाई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। इस मुखर रुख का उद्देश्य भारत की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए समान रूप से योग्य चिकित्सा कार्यबल सुनिश्चित करना है।

मदद देकर दुश्मन खड़ा करना कोई मोदी से सीखें

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मालदीव यात्रा से जुडी एक खबर बहुत ही लोमहर्षक है और भारत की अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक है, सांप को दूध पिलाने जैसी है, हिंसकों को संरक्षण और संवर्द्धन करने जैसी है, स्वयं के लिए भस्मासुर खड़े करने जैसी है और भारतीय हितों के खिलाफ है। हालांकि भारतीय मीडिया ने इस पर विचारण के लिए दूरदृष्टि नहीं अपनायी। अब यहां यह प्रश्न उठता है कि वह खबर क्या है? खबर यह है कि मालदीव को भारत पांच हजार करोड़ रूपये की सहायता देगा, जिसकी घोषणा नरेन्द्र मोदी ने अपनी मालदीव यात्रा के दौरान की है। पांच हजार करोड़ रूपये कोई छोटी रकम नहीं है, यह बहुत बड़ी रकम है। इतनी बडी रकम मालदीव पर खर्च करने की जरूरत ही क्या है? इस विषय को हम किस दृष्टिकोण से देखे?

आचार्य श्रीहरि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मालदीव यात्रा से जुडी एक खबर बहुत ही लोमहर्षक है और भारत की अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक है, सांप को दूध पिलाने जैसी है, हिंसकों को संरक्षण और संवर्द्धन करने जैसी है, स्वयं के लिए भस्मासुर खड़े करने जैसी है और भारतीय हितों के खिलाफ है। हालांकि भारतीय मीडिया ने इस पर विचारण के लिए दूरदृष्टि नहीं अपनायी। अब यहां यह प्रश्न उठता है कि वह खबर क्या है? खबर यह है कि मालदीव को भारत पांच हजार करोड़ रूपये की सहायता देगा, जिसकी घोषणा नरेन्द्र मोदी ने अपनी मालदीव यात्रा के दौरान की है। पांच हजार करोड़ रूपये कोई छोटी रकम नहीं है, यह बहुत बड़ी रकम है। इतनी बडी रकम मालदीव पर खर्च करने की जरूरत ही क्या है? इस विषय को हम किस दृष्टिकोण से देखे?

मालदीव हमारा पडोसी देश है और पडोसी देश भी सुख और शांति से रहे, इसकी इच्छा तो रखनी चाहिए। पर प्रश्न यह उठता है कि जो देश हमारे लिए बहुत ही खतरनाक साबित हो गया है, जिसके लिए धर्मनिरपेक्षता कोई अर्थ नहीं रह गयी है, जिसकी नीयत हिंसक हैं, आतंकी है और स्वयं को असफल देश के गर्त में ढकेलने में लगा रहता है उसके लिए इतनी बडी रकम खर्च करने का काम सिर्फ और सिर्फ भारत ही कर सकता है। दुनिया में सिर्फ भारत ही एक मात्र देश है जो अपने हिंसक और अलोकमांत्रिक पडोसी देशों को भी अरबों-खरबों रूपये देकर पालता है। जबकि चीन और अमेरिका जैसे देश कर्ज के मकडजाल में फंसा कर लूटते है और अपने हित सुरक्षित रखते हैं, विकसित करते हैं। चीन ने श्रीलंका को कर्ज देकर दिवालियां बना कर छोडा। चीन ने पाकिस्तान को भी कर्ज के दबाव में जकड चुका है। यूक्रेन की मदद के लिए अमेरिका ने खनिज संपदा समझौता किया है, जिसके तहत यूक्रेन के खनिज संपदाओं का दोहन अमेरिका करेगा। मालदीप तो एक विलुप्त होता देश है जो परजीवी है पर हिंसक और मजहबी मामलों में पाकिस्तान-सीरिया के रास्ते पर चल रहा है।

नरेन्द्र मोदी का ऐसा कदम सहानुभूति तो प्रकट कर सकता है, उन्हें लोग दयावन तो समझ सकते हैं, उन्हें पडोसियों को मिला कर, खुश रखकर चलने वाला शासक कह सकते हैं। लेकिन भारत की इस सहायता का सकरात्मक उपयोग होगा, जनपक्षीय उपयोग होगा, पारिस्थिति के संरक्षण में उपयोग होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। भारत के धन से मालदीव अपनी मजहबी मानसिकता का भी पोषण करेगा, आतंकियों का संरक्षण और उनका सवर्द्धन भी कर सकता है? ऐसी समझ रखना कोइ गैर जरूरी बात नहीं हो सकती है। मालदीव को अब पर्यटन से होने वाली आय कम हो गयी है, इसलिए उसे मजहबी मानसिकता की तुष्टि के लिए और प्रचार-प्रसार के लिए अतिरिक्त धन की जरूरत है। इसीलिए मालदीव अपने आप को बदलने का नाटक कर रहा है और भारत के मित्र होने का दावा कर रहा है।

सच यह है कि मालदीव हमारा दोस्त भी नहीं है, मालदीव हमारे लिए अच्छा पडोसी भी नहीं है। मालदीव कोई आदर्श सूचक देश भी नहीं है। मालदीव में धर्मनिरपेक्षता भी नहीं है। पूरी आबादी मजहबी मानसिकता में विश्वास करती है। कुछ नाम मात्र के अन्य धर्म के लोग मालदीव में रहते हैं, उनका कोई मानवाधिकार का संरक्षण नहीं होता, उनकी धार्मिक मान्यताएं प्रतिबंधित हैं। इस्लाम की सहचर आबादी को छोड़ कर अन्य कोई आबादी अपनी धार्मिक मान्यताओं का सार्वजनिक प्रदर्शन नहीं कर सकता है। कहने का अर्थ यह है कि मालदीव पूरी तरह से इस्लामिक कट्टर मानसिकतों की हिंसक प्रवृति में कैद हो गया है। सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान और लेबनान, सीरिया जैसी मजहबी मानसिकताएं अपना प्रदर्शन करती हैं। वैश्विक मीडिया में कई अन्य हिंसक तथ्य भी अस्तित्व मे हैं। खासकर अमेरिकी मीडिया का कहना है कि अलकायदा और तालिबान के कई खतरनाक और हिंसक आतंकी मालदीव में संरक्षण लिये थे। अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार स्थापित हो गयी, इस कारण तालिबान के आतंकियों की अब मजबूरी समाप्त हो गयी, उनके मालदीव में रहने और सक्रिय होने की उम्मीद बहुत ही कम है। लेकिन पाकिस्तान को लेकर समस्याएं बहुत ही खतरनाक है और हिंसक है। पाकिस्तान की आईएसआई का मंकड जाल फैला हुआ है। आईएसआई के अधिकारी और जासूस मालदीव में बैठे हुए हैं और वे तय कर रहे हैं कि किसी भी स्थिति में मालदीव का इस्लामिक करण मजबूत रहे। आईएसआई का भारत के खिलाफ दृष्टिकोण और कारस्तानी भी जगजाहिर है। भारत के खिलाफ आईएसआई न केवल साजिशें रचती है बल्कि मालदीव की आबादी को भड़काती भी है। आईएसआई हमेशा भारतीय हितों को हिंसक ढंग से कुचलती है और कहती है कि भारत मालदीव का हिन्दूकरण करने जा रहा है और भारत मालदीव को अपना गुलाम बनाना चाहता है,इसलिए भारत का विरोध अनिवार्य है। मालदीव का सत्ता राजनीति आईएसआई का मोहरा है।

मालदीव ने भारत को कितने घाव दिये हैं, कितनी लातें मारी हैं, भारत के हितों को कितना कुचला है, भारत के सम्मान को कितना नुकसान पहुंचाया है? यह सब किसे नहीं मालूम है। मालदीव मे हमारा सैनिक अड्डा था। ऐसे मालदीव सैनिक अड्डे के लिए कोई खास महत्व नहीं रखता है। फिर भी हमारा सैनिक अड्डा था। हम उस सैनिक अड्डे का उपयोग अपने हितों की रक्षा करने के लिए कर रहे थे। खासकर चीन की सैनिक गतिविधियों और सक्रियता को लेकर हमारी चिंता रही है। चीन ने समुद्र में कई प्रकार की गतिविधियां, समस्याएं और अड़चने खडी की है। अपनी आधुनिक नौकाओं के माध्यम से चीन की नजर भारत की महत्वपूर्ण सैनिक अड्डो पर रही है।

चीन अपनी आधुनिक नौकाओं के माध्यम से हमारी जासूसी भी करता है। इसलिए मालदीव में मजबूत भारतीय सेना का ठिकाना अति महत्वपूर्ण था। सबसे बडी बात सैनिक अड्डे पर विराजमान भारतीय सैनिक मालदीव की एकता और अखंडता के लिए कोई चुनौती नहीं थे। फिर भी पाकिस्तान और चीन को वह हमारा सैनिक अड्डा खटकता था। चीन और पाकिस्तान की के कहने पर मालदीव ने भारतीय सैनिक अड्डे को समाप्त करने के लिए भारत को बाध्य किया। भारत के खिलाफ हिंसक और तथ्यहीन बयानबाजी की गयी। कोई विकल्प न देखते हुए भारत की मोदी सरकार ने ही सैनिक अड्डे से अपने सैनिक हटाने का काम किया था। सबसे बडी बात मोदी की छवि और सम्मान पर कीचड उछालना और कूटनीतिक सम्मान को भूल जाना। नरेन्द्र मोदी कभी भी मालदीव के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला था। सिर्फ उसने अपने देश के पर्यटक स्थालों का प्रमोशन किया था। नरेन्द्र मोदी ने लक्ष्यद्वीप की यात्रा की थी। लक्ष्यद्वीप एक खूबखूरत पर्यटक स्थल है, उसकी खूबसूरती मालदीव के पर्यटक स्थलों से कम नहीं है। नरेन्द्र मोदी लक्ष्यद्वीप जाकर पर्यटक स्थलों का दर्शन कराया था। इस पर मालदीव की पूरी सरकार ही पागल हो गयी, हिंसक हो गयी, मालदीव सरकार में शामिल मंत्रियों ने नरेन्द्र मोदी को गालियां दी थी, नरेन्द्र मोदी को नीच कहा था और भारत को बर्बाद करने की धमकी पिलायी थी।

ओह माय... 2 फेम डायरेक्टर अमित राय के साथ फिर काम कर रहे हैं पंकज त्रिपाठी

पंकज त्रिपाठी ने अपनी ओह माय गॉड 2 फिल्म के डायरेक्टर अमित राय के साथ री-यूनियन किया है। उस फिल्म का नाम धर्मा है। फिल्म में 300 से ज्यादा डॉग्स का इस्तेमाल किया गया है। फिल्म की शूटिंग असम और बिहार में हुई है। धर्मा प्रकृति और इंसान के बीच सह-अस्तित्व की कहानी बयां करती है। फिल्म के निर्माण में भी भव्यता का पूरा ध्यान रखा गया है। फिल्म को हॉलीवुड के एक्शन स्टैंडर्ड्स तक ले जाने के लिए प्लैनेट ऑफ एप्स, जस्टिस लीग और एवेंजर्स जैसी ब्लॉकबस्टर हॉलीवुड फिल्मों के एक्शन डायरेक्टर की सेवाएं भी ली गई हैं। धर्मा में पंकज के अलावा मुंबई के एक बाल कलाकार की भी मुख्य भूमिका है।

धर्मा सिर्फ एक एक्शन ड्रामा नहीं, बल्कि एक इमोशनल कहानी भी है। यह इंसान और जानवर के बीच के रिश्ते से कहीं बढ़कर व्यापक स्तर का विषय समेटे हुए है। सिनेमेटोग्राफी के लिए ऑस्कर-विनर फिल्मों में काम कर चुके हंगेरियन डीओपी माटे हर्बाई को शामिल किया गया है। सूत्रों ने बताया कि इतनी बड़ी फिल्म के लिए अधिकतक क्रू और टेक्नीशियन बाहर से हैं। मेकर्स का मानना है कि विश्व-स्तरीय टेक्निकल क्रू की मदद से फिल्म को शानदार विजुअल स्पेक्टेकल बनाया जा सकता है। इसी सोच के साथ धर्मा के लिए वर्ल्ड क्लास के क्रू मेंबर्स को एक साथ लाया गया है।

पोस्ट-प्रोडक्शन का काम लगभग पूरा

पंकज की इस फिल्म का पोस्ट-प्रोडक्शन लगभग पूरा हो चुका है और एडिट लॉक हो रहा है। रिलीज की डेट तय नहीं हुई है, जिसे जार पिक्चर्स तय करेंगे। वही इसके प्रोड्यूसर हैं। सूत्रों ने इस फिल्म के डायरेक्टर अमित के आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बताया कि वे अगली फिल्म ओह माय गॉड 3 पर काम करेंगे, जिसकी कहानी लिखी जा चुकी है। हालांकि, अक्षय कुमार की डेट्स या टीम के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है, क्योंकि अक्षय ही फिल्म के प्रोड्यूसर भी हैं और वही सब कुछ तय करेंगे। मुख्य किरदार अक्षय का ही रहेगा, लेकिन बाकी कलाकारों के बारे में अभी तय नहीं हुआ है।

साई पल्लवी की हिंदी डेब्यू एक दिन की आई रिलीज डेट

जुनैद खान के संग जमेगी जोड़ी

साई पल्लवी इन दिनों निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म रामायण को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। रामायण में साई माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। लेकिन इस फिल्म से पहले साई फिल्म एक दिन से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाली है। इसकी रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। जानिए कौन है उनका को-स्टार...

पहली बार साथ नजर आएंगे जुनैद और साई

खबर के मुताबिक, साई पल्लवी अपनी पहली बॉलीवुड रोमांटिक ड्रामा फिल्म एक दिन से हिंदी फिल्मों में डेब्यू करने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ आमिर खान के बेटे जुनैद खान नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे करेंगे। इस फिल्म का निर्माण आमिर खान प्रोडक्शंस के तहत किया जा रहा है। इस फिल्म के सह-निर्माता मंसूर खान हैं।

एक दिन कब होगी रिलीज

आखिरकार, साई पल्लवी और जुनैद खान की एक साथ पहली फिल्म एक दिन को इसकी रिलीज डेट मिल गई है। यह रोमांटिक ड्रामा फिल्म 7 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह जुनैद की साई पल्लवी के साथ पहली फिल्म है।

साई का वर्कफ्रंट

एक दिन के अलावा साई पल्लवी निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में माता सीता की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म में रणबीर कपूर, यश और सनी देओल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। रामायण का पहला भाग दिवाली 2026 में रिलीज होगा। इस फिल्म में यश-रावण, सनी देओल-हनुमान, रवि दुबे-लक्ष्मण, साई पल्लवी-माता सीता और रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म से रणबीर कपूर का लुक शेयर किया गया था, जिसे देखने के बाद प्रशंसकों की उम्मीदें फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गई हैं।

धनुष ने साझा किया किस्सा, रांझणा के लिए कैसे कास्ट हुए?

साउथ के सुपरस्टार धनुष आज एक बड़ा नाम हैं। आज वह अपना जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों में अच्छा काम किया है। धुनष ने साल 2013 में फिल्म रांझणा से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हालांकि धनुष ने बहुत मुश्किल से इस फिल्म में काम किया था। हाल ही में धनुष ने बताया है कि उन्हें इस फिल्म में किस तरह लिया गया। उनके मुताबिक कम बजट की वजह से उन्होंने इस फिल्म को लगभग ना कह दिया था।

रांझणा में धनुष को लेना चाहते थे आनंद एल राय

हाल ही में स्क्रीन के साथ बातचीत में धनुष ने बताया उस समय, उनके पास मुझे मुख्य अभिनेता के रूप में लेने के लिए बजट नहीं था। लेकिन इस आदमी (आनंद एल राय) का जुनून इतना ज्यादा था कि वह चाहते थे कि मैं कुंदन का किरदार निभाऊं। वह किसी भी अभिनेता को यह किरदार दे सकते थे और वह खुशी-खुशी मान जाता। आखिरकार, यह इतना शानदार किरदार है।

आनंद एल राय ने अपने पैसे से धनुष को कास्ट किया

फिल्म में धनुष जिस किरदार की बात कर रहे थे वह कुंदन का किरदार है। यह किरदार वाराणसी का एक आशिक मिजाज लड़का था। जिसका जुनून और दिल टूटना उसे आखिरकार राजनीति की दुनिया में खींच ले जाता है। धनुष ने बताया कि फिल्म के निर्देशक आनंद एल राय ने कुंदन के किरदार के लिए बहुत मेहनत की। उन्होंने कहा उन्होंने हर मुश्किल का सामना किया। मुझे नहीं पता कि मुझे ये कहना चाहिए या नहीं, और मुझे इसकी परवाह भी नहीं! उन्होंने अपना पैसा भी लगाया। उन्होंने पूरी ताकत झोंक दी (मुझे कास्ट करने के लिए)। उन्होंने मुझमें कुंदन देखा और अपने विजन पर अडिग रहे। यह फिल्म आनंद एल राय के निर्देशन करियर का एक निर्णायक मोड़ साबित हुई। रांझणा के बाद, धनुष और आनंद एल राय ने फिल्म अतरंगी रे में साथ में काम किया। दोनों फिल्म तेरे इश्क में पर भी साथ काम कर रहे हैं। यह फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है।

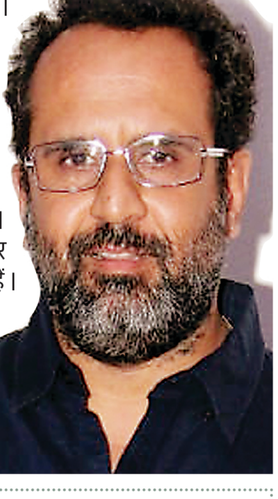

मेगा फिल्म में नजर आएगी रणवीर सिंह-श्रीलीला और बॉबी देओल की तिकड़ी

रणवीर सिंह इन दिनों आगामी फिल्म धुरंधर की तैयारियों में व्यस्त हैं। वहीं, बॉबी देओल को हरि हर वीर मल्लु में देखा जा रहा है। इस बीच खबर है कि रणवीर सिंह और बॉबी देओल को जल्द ही मेगा बजट फिल्म में साथ देखा जाएगा। इस फिल्म में श्रीलाला भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। सितारों की यह तिकड़ी पहली बार किसी प्रोजेक्ट में नजर आएगी। रणवीर सिंह, श्रीलीला और बॉबी देओल के इस प्रोजेक्ट का टाइटल जल्द रिवील किया जाएगा। इसी के साथ फिल्म का फर्स्ट लुक जारी करने की भी तैयारी है। उम्मीद जताई जा रही है कि टाइटल का एलान अगले हफ्ते तक कर दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, रणवीर सिंह, श्रीलीला और बॉबी देओल की यह फिल्म प्रशंसकों के लिए एक बड़ा तोहफा साबित होगी।

एक्शन, ड्रामा के साथ दिखेगी स्टार पावर

फिलहाल फिल्म में कलाकारों की कास्टिंग ने ही काफी चर्चा बटोरी है। तीनों सितारों ने अपनी अलग पहचान बनाई है। माना जा रहा है कि यह फिल्म एक जबर्दस्त कमर्शियल एंटरटेनर फिल्म साबित होगी। इसमें एक्शन, ड्रामा और स्टार पावर का तड़का देखने को मिलेगा।

सलाकार में मेरा किरदार अब तक का सबसे अलग

अभिनेत्री मौनी रॉय की आगामी जासूसी थ्रिलर फिल्म सलाकार रिलीज होने के लिए तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में अपने अनुभव को साझा किया है। अभिनेत्री ने कहा, इसमें काम करके मुझे बहुत खुशी हुई। यह मेरे लिए अभी तक का सबसे अलग हटकर या खास तरह का किरदार है। इसकी कहानी ने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने का मौका दिया। अभिनेत्री ने टीम की तारीफ करते हुए बताया, सेट पर पूरी टीम का माहौल काफी अच्छा रहता था। हम सब मिलकर काम करते थे। अब मैं दर्शकों के लिए काफी उत्साहित हूं, फिल्म में उन्हें मेरा ऐसा किरदार देखने के लिए मिलेगा जो उन्होंने पहले कभी देखा ही नहीं होगा। बता दें, फिल्म के निर्माताओं ने सोमवार को इसका टीजर रिलीज कर दिया, फिल्म एक भारतीय जासूस की कहानी पर आधारित है। यह फिल्म ऐतिहासिक बैकग्राउंड पर आधारित है और इसमें रहस्य-रोमांच के कई मोड़ देखने को मिलेंगे। इसमें मौनी रॉय के साथ मुकेश ऋषि, कस्तूरिया और सूर्या शर्मा भी हैं। सच्ची घटनाओं पर आधारित यह कहानी एक ऐसे जासूस की कहानी है, जो अपनी खुफिया जानकारी से देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने दुश्मनों को सफलतापूर्वक मार देता है और पाकिस्तान में गुप्त तरीके से परमाणु ठिकानों के अस्तित्व का पता लगाता है। निर्देशक और सह-लेखक, फारुक कबीर ने कहा, सलाकार एक जासूसी थ्रिलर की कहानी है। जो एक्शन के लिए नहीं, बल्कि खुफिया जानकारी और बलिदान के लिए बनी है।

कान्स हमारी फिल्मों की क्वालिटी का पैमाना नहीं है...

रॉक ऑन, मिडनाइट चिल्ड्रन, फिराक जैसी फिल्में हों या अ सूटेबल बॉय और बॉम्बे बेगम्स जैसी वेब सीरीज, कलाकार शहाना गोस्वामी ने हमेशा अपनी अलग छाप छोड़ी है। बीते साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी फिल्म संतोष से धमाल मचाने वाली शहाना इन दिनों इंडियन ऑस्ट्रेलियन रोमांस ड्रामा फोर इयर्स लेटर को लेकर चर्चा में हैं।

आप पर्दे पर ज्यादातर सशक्त और कॉम्प्लेक्स किरदारों ही नजर आती है। कभी आपका मन नहीं किया कि वो स्विट्जरलैंड में शिफॉन की साड़ी लहराने वाले रोल भी करूं?

बिल्कुल यार, मैं तो बचपन में शीशे में देखकर यही सब करती थी। सूरज हुआ मध्यम गाने पर स्लो मोशन में अपने बाल झटकना या नाचना..., नाचना तो वैसे भी मेरा शौक है तो ऐसे रोल जरूर करना चाहूंगी। मेरा भी बहुत मन है, मगर लोगों की शायद सोच ऐसी है कि वे मुझे उन कॉम्प्लैक्स स्ट्रॉन्ग लड़कियों के रोल में ही देखते हैं। हालांकि, एक ट्रॉफी हीरोइन, जिसमें सिर्फ नाच गाना हो, वैसा किरदार मुझे शायद पसंद नहीं आएगा, मगर कोई अच्छी कमर्शल फिल्म हो, जैसे रॉकी और रानी की प्रेम कहानी तो मैं जरूर करना चाहूंगी।

बॉम्बे बेगम्स या अ सूटबल बॉय जैसी सीरीज में फ्लॉड किरदार, जो समाज की नजर में गलत/अनैतिक हैं, उन्हें निभाते वक्त क्या अप्रोच रहता है? उनको जजमेंट से कैसे दूर रखती हैं?

कोई भी किरदार निभाते वक्त मेरी एक ही कोशिश होती है कि वो ज्यादा से ज्यादा रियल हो और असल में कोई भी इंसान पूरी तरह ब्लैक या वाइट नहीं होता। दुनिया में कोई भी सिर्फ सही या गलत नहीं होता। हर किसी में खूबियां भी होती हैं, खामियां भी होती हैं। जब आप उन खामियों को दिखाते हैं, स्वीकारते हैं तो आपकी खूबियां और उभरकर सामने आती हैं। इसलिए, अगर मैं इन किरदारों को अपनी नैतिकता या जजमेंट के हिसाब से देखूंगी तो उसे कभी बाखूबी नहीं निभा पाऊंगी। उसे समझने के लिए मुझे जजमेंट हटाना पड़ेगा। उनके हालात, उनकी वजहें समझनी पड़ेंगी। मैं ये नहीं कहती कि आप उसे सही ठहराएं पर उसके प्रति थोड़ी नर्मी दिखानी होगी, क्योंकि हर किसी के हालात, परवरिश, बैकग्राउंड अलग होती है। इसलिए सिनेमा लोगों से जुड़ने और उनको समझने का सबसे बढ़िया माध्यम है। जब आप एक मर्डरर की कहानी देख रहें, तो उसके नजरिए से देखना होगा। सिनेमा का काम ही है कि वो आपको जजमेंट और नैतिकता से दूर लेकर जाए।

आप हमेशा ही लीग से हटकर किरदार चुनती हैं। ऐसे में फोर इयर्स लेटर की श्रीदेवी को चुनने के पीछे क्या वजह रही?

श्रीदेवी आज के जमाने की बहुत ही आधुनिक लड़की है, जिसमें आत्मविश्वास है, उसकी ख्वाहिशें हैं, वह आत्मनिर्भर है, लेकिन अपने समाज, संस्कृति, लोगों की उम्मीदों के चलते एक बंधन महसूस करती है। इसके बावजूद उसमें जिंदगी को लेकर बहुत उत्साह है। वह जिंदगी को एंजॉय करती है। वो दूध की धुली हुई भी नहीं है। वो भी गलतियां करती हैं, लेकिन उसको मानती है। ऐसे में बहुत लेयर्ड किरदार है।

आप राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के प्रॉजेक्ट्स में लगातार काम कर रही हैं। कोई ऐसी चीज आपको लगती है कि हमारी इंडस्ट्री को उनसे सीखनी चाहिए?

अभी हमारी इंडस्ट्री भी काफी बेहतर हुई है। बस ये है कि वहां सारी चीजें काफी सिस्टमैटिक होती है। वहां नियम-कायदे काफी अच्छे से लागू होते हैं। यहां क्या होता है कि जो लोग पैसा लगाते हैं, चाहे प्लैटफॉर्म हो, प्रड्यूसर हो या स्टूडियो, वे कहेंगे कि ढाई फिल्म के बराबर के कॉन्टेंट वाली एक सीरीज एक फिल्म के बजट में बनाओ, तो निश्चित तौर पर क्वॉलिटी गिरेगी। वहां एक ढांचा होता है कि स्क्रिप्ट को सही वक्त देते हैं, उसे डेवलप करने में, उसके प्री प्रॉडक्शन में, आप वो करें, तब बराबरी आएगी। अगर आप सिर्फ ये सोचेंगे कि पैसे कहां बचा सकते हैं तो क्रिएटिविटी पर असर पड़ता है। ये चीजें हम उनसे सीख सकते हैं कि आप हर चीज को सही मोल दें।

बीते साल आपकी फिल्म संतोष से लेकर ऑल वी इमैजिन ऐज लाइट तक ने कान्स और कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में झंडे गाड़े

पहले तो मेरा ये कहना है कि ऐसा नहीं है कि हमारे यहां अच्छी या फेस्टिवल के लायक फिल्में पहले नहीं बनी हैं। ये फेस्टिवल्स भी अपने हिसाब से सिलेक्शन करते हैं। हमें उनके हिसाब से अपनी फिल्मों का स्टैंडर्ड तय नहीं करना चाहिए कि ये कान्स में गई है तो यही पहली अच्छी फिल्म है। हम ये भी सवाल उठा सकते हैं कि हमें उन लोगों ने क्यों पहले ये मौका नहीं दिया! मैं ऐसा कभी नहीं मानूंगी कि जो वहां गई हैं, सिर्फ वही अच्छी फिल्में हैं या उसके लायक है। हमें उसे अपनी फिल्मों की गुणवत्ता का पैमाना नहीं मानना चाहिए। बहुत सारी अच्छी फिल्में पहले भी बनी हैं। ये अच्छी बात है कि आज दुनिया हमें देख रही है। अपने फेस्टिवल का हिस्सा बना रही है।

जापान के साथ टॉप 3 में भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का टूरिज्म सेक्टर हाल में तेजी से बढ़ा है। द टेलीग्राफ यूके ने 2025 के लिए घूमने-फिरने के सबसे अच्छे देशों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में भारत ने तीसरा स्थान हासिल किया है।

पहले नंबर पर न्यूजीलैंड और दूसरे पर जापान है। चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) सार्थक आहूजा ने लिंक्डइन पर इसे लेकर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में उन्होंने भारत के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में तेजी का जिक्र किया है। साथ ही लोगों की बदलती ट्रैवल हैबिट्स के बारे में बताया है। आहूजा के अनुसार, दुनिया में घूमने के लिए सबसे अच्छे शहर केप टाउन, सेविला और सिडनी हैं। होटल की रैंकिंग में भारत के दो होटल भी शामिल हैं।

ओबेरॉय पहले और ताज तीसरे नंबर पर है। भारत का होटल उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। ताज होटल चेन चलाने वाली आईएचसीएल ने जनवरी 2024 से 50 नए होटल खोले हैं। उसकी योजना 2030 तक 350 से 700 होटल तक पहुंचने की है। फ्रांस का एकोर ग्रुप भी इसी समय में अपने होटलों की संख्या को तीन गुना करने की योजना बना रहा है।

प्रति व्यक्ति जीडीपी बढ़ने का असर

भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 3,000 डॉलर को पार कर गई है। ऐसे में लोकल ट्रैवल की मांग बढ़ रही है। भारत में अभी लगभग 2,00,000 ब्रांडेड होटल रूम्स हैं। यह संख्या यूएई के बराबर है, जिसकी आबादी भारत की आबादी का 1 प्रतिशत से भी कम है।
आहूजा के अनुसार, यह एयर बीएनबी या बुटीक होटल चलाने वालों के लिए अच्छा समय है। कारण है कि अमीर लोग साल में एक बार विदेश यात्रा करते हैं। वे उसी साल में कम से कम 3 छोटी घरेलू यात्राएं भी करते हैं।
डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए सिलीगुड़ी एक पॉपुलर डेस्टिनेशन बन रहा है। आहूजा ने बताया कि वह सिलीगुड़ी गए थे। उन्होंने देखा कि वहां बड़े होटल चेन खुल रहे हैं। यह बिहार और बंगाल के लोगों के लिए डेस्टिनेशन वेडिंग का ठिकाना बन गया है। मेफेयर पहले से ही वहां है। ताज, आईटीसी, हयात जैसे होटल भी खुलने की योजना है।

भारतीय आभूषण बाजार में नया मोड़ ला सकते हैं 9 कैरेट वाले सोने के गहने

ज्वेलर्स के लिए नई संभावनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ज्वेलर्स एसोसिएशन (एफएआईजेए) ने 9 कैरेट सोने को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की अनिवार्य हॉलमार्किंग प्रणाली में शामिल किए जाने के निर्णय को उपभोक्ता हित में सार्थक और दूरदर्शी कदम बताया है। यह कदम देश के आभूषण बाजार में एक नई

गहमागहमी को जन्म देगा। इंडियन ज्वेलर्स फोरम, गोल्ड ज्वेलर्स ट्रेड एसोसिएशन का कहना है 24 और 22 कैरेट सोने की आसमान छूती कीमतों के बीच यह निर्णय आम उपभोक्ता को किफायती विकल्प उपलब्ध कराएगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और नकली या मिश्रित धातु वाले गहनों पर रोक लगेगी।

ग्राहकों के लिए क्या बदलेगा

बीआईएस के अनुसार, ग्राहकों को अब कम कीमत में हॉलमार्क युक्त गहनों का विकल्प मिलेगा। यह बाजार में नकली या निम्न-गुणवत्ता के आभूषणों की संख्या में कमी लाएगा। साथ ही, खुले बाजार में गैर-कानूनी गहनों की बिक्री पर रोक लगाएगा।
ज्वेलर्स के लिए नई संभावनाएं- दिल्ली के प्रमुख ज्वेलर और डिजाइनर भावेश अग्रवाल बताते हैं, अब हम 9 कैरेट में हल्के डिजाइन और वॉल्यूम-आधारित कलेक्शन पर काम कर सकते हैं। ई-कॉमर्स मंचों पर भी लो-कॉस्ट हॉलमार्क गहनों का ट्रेंड बढ़ेगा, जिससे पूरे क्षेत्र को नई गतिशीलता मिलेगी।

केईसी इंटरनेशनल को मिला 1,509 करोड़ का बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। केईसी इंटरनेशनल के शेयरों में बुधवार, 30 जुलाई को तेजी आई, जब कंपनी ने घोषणा की कि उसे 1,509 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिले हैं। कंपनी के शेयर इंट्रा डे में 0.7

प्रतिशत की बढ़त के साथ 866.65 रुपये कारोबार कर रहे थे। हालांकि, इस साल अब तक शेयर में लगभग 28 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। बता दें कि केईसी इंटरनेशनल ने 1,509 करोड़ रुपये के नए ठेके मिलने की बुधवार को जानकारी दी।

क्या है डिटेल

केबल्स एवं कंडक्टर व्यवसाय को भारत और विदेशी बाजार में विभिन्न प्रकार के केबल और कंडक्टर की आपूर्ति का ठेका मिला है। केईसी इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विमल केजरीवाल ने कहा, ''हमारे परिवहन व्यवसाय ने प्रतिष्ठित टीसीएएस खंड (कवच) में अपनी ऑर्डर बुक को और मजबूत किया है। हमें एक और ठेका मिला है जिसका उद्देश्य विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारतीय रेलवे की सुरक्षा को बढ़ाना है। इन ठेकों के साथ चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अभी तक हमें 7,000 करोड़ रुपये से अधिक के ठेके मिल चुके हैं।''

अब हर प्रॉपर्टी डील पर रहेगी आयकर विभाग की पैनी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। नए पंजीकरण विधेयक-2025 के तहत हर संपत्ति लेनदेन के लिए ओटीपी-आधारित सत्यापन अनिवार्य होगा, जिससे आयकर विभाग को हर छोटी-बड़ी खरीद की डिजिटल जानकारी मिल सकेगी। यह बदलाव बेनामी संपत्तियों पर अंकुश लगाने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।

कैसे काम करेगी नई व्यवस्था

1. पैन और आधार का दोहरा सत्यापन- संपत्ति खरीदार और विक्रेता के पैन कार्ड को ओटीपी के जरिए सत्यापित किया जाएगा। आधार नंबर का सत्यापन किया जाएगा।
अंतिम मंजूरी- सब-रजिस्ट्रार अपने अधिकृत मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी से लेनदेन को अंतिम मंजूरी देगा। सत्यापन के बाद डिजिटल कॉपी सीधे आयकर विभाग को भेजी जाएगी।
2. आयकर विभाग की निगरानी- एआई सिस्टम खरीदार की पिछले 5-6 साल की आय और संपत्तियों का विश्लेषण करेगा। यदि कोई आय से अधिक मूल्य की संपत्ति खरीदता है, तो ऑटोमेटिक नोटिस जारी होगा। इससे संदिग्ध लेनदेन पकड़ना आसान होगा।

यूपी ने शुरू की डिजिटल पहल, अब देशभर में संपत्ति रजिस्ट्री होगी पारदर्शी

उत्तर प्रदेश पहले ही पैन-आधार सत्यापन प्रणाली लागू कर चुका है। पिछले सप्ताह से आयकर विभाग को यहां के सभी बैनामों की डिजिटल कॉपियां मिल रही हैं। नए कानून के बाद अन्य राज्यों को भी यह व्यवस्था लागू करनी होगी।

दान या गिफ्ट में दी गई संपत्ति पर भी रहेगी कड़ी नजर- नई प्रणाली दान या गिफ्ट में दी गई संपत्तियों को भी ट्रैक करेगी। जांच में पाया गया है कि कई मामलों में लोग पहले किसी अन्य के नाम पर संपत्ति खरीदते हैं और बाद में उसे दान के रूप में अपने नाम ट्रांसफर कर लेते हैं। इस गैर-कानूनी प्रथा पर रोक लगेगी।

चालू वित्त वर्ष में 11.3 फीसदी तक वेतन बढ़ाएंगी कंपनियां

तेजी से बढ़ रहे नए जमाने के उद्योग

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू कंपनियां चालू वित्त वर्ष में 6.2 फीसदी से 11.3 फीसदी तक औसत वेतन वृद्धि कर सकती हैं। कुछ स्तरों पर यह वृद्धि 13.8 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है। टीमलीज सर्विसेज की रिपोर्ट के मुताबिक, कॉरपोरेट्स कौशल प्रमाणन और प्रोत्साहन आधारित सहभागिता पर ध्यान केंद्रित कर कार्यबल रणनीतियों को नया स्वरूप दे रहे हैं। 23 उद्योगों और 20 शहरों के 1,308 व्यवसायों से बातचीत पर आधारित

रिपोर्ट के मुताबिक, 11.3 फीसदी तक अनुमानित वेतन वृद्धि देश के रोजगार और वेतन परिदृश्य में बदलाव का संकेत देती है। नए जमाने के उद्योग तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए, मांग उन भूमिकाओं की ओर बढ़ रही है, जिनमें तकनीकी क्षमता के साथ तत्काल व्यावसायिक प्रभाव भी शामिल हो। रिपोर्ट में कहा गया है कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और इससे जुड़े बुनियादी ढांचा क्षेत्र में सबसे अधिक 11.3 फीसदी वेतन बढ़ने की उम्मीद है। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के क्षेत्र में 10.7 फीसदी, खुदरा में 10.7 फीसदी और एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) में 10.4 फीसदी वेतन बढ़ सकता है। उद्योगों में सर्वाधिक वेतन वृद्धि ईवी और इससे जुड़े बुनियादी ढांचे में इलेक्ट्रिकल डिजाइन इंजीनियर की होगी।

कंपनी का कदम बड़ी रणनीति का हिस्सा

मुंबई। टीसीएस ने इस कदम को अपनी बड़ी रणनीति का हिस्सा बताया है। कंपनी का कहना है कि वह खुद को एक भविष्य के लिए तैयार संगठन बनाना चाहती है। इसके लिए वह टेक्नोलॉजी में निवेश, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देना, नए बाजारों में पैठ बनाना और अपने कामगारों (वर्कफोर्स) को रिअलाइनमेंट करना चाहती है।

कंपनी ने कहा कि वह लोगों को नए कौशल सिखाने और दूसरे विभागों में लगाने की कोशिशें कर रही थी, लेकिन कुछ लोगों को कंपनी में नया रोल देना संभव नहीं हो पा रहा, इसलिए उन्हें जाना पड़ रहा है।

सीईओ की सैलरी पर सवाल- कटौती के बीच 4.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी- जबकि हजारों कर्मचारी अपनी नौकरी गंवा रहे हैं और बाकियों की सैलरी बढ़नी रुक गई है, अष्टर के सीईओ के. कृतिवासन का सैलरी पैकेज और भी भारी-भरकम हो गया है। कंपनी के सालाना रिपोर्ट (मार्च 2025 को खत्म हुए वित्तीय साल के लिए) के मुताबिक, उनकी कुल कमाई 26.52 करोड़ रुपये रही। यह पिछले साल के मुकाबले 4.6 प्रतिशत ज्यादा है। इस पैकेज में उनका मूल सैलरी (बेस सैलरी) 1.39 करोड़ रुपये, भत्ते और सुविधाएं (पर्क्स) 2.12 करोड़ रुपये और कमीशन के तौर पर 23 करोड़ रुपये शामिल हैं।

बाकी टॉप अधिकारियों की कमाई करोड़ों में- कंपनी के पूर्व मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) एन.जी. सुब्रह्मण्यम को मई 2024 तक (जब तक वे पद पर रहे) 11.55 करोड़ रुपये मिले। इसमें बेस सैलरी 30 लाख रुपये, भत्ते और सुविधाएं 7.24 करोड़ रुपये और कमीशन 4 करोड़ रुपये शामिल थे। अष्टर के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को सिर्फ 2.1 लाख रुपये बैठक शुल्क (सिटिंग फी) मिला, कोई कमीशन नहीं मिला। नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रदीप कुमार खोसला और हाने सोरेंसन को हर एक को 2.74 करोड़ रुपये मिले।

टीसीएस कर्मचारियों की छंटनी और सैलरी फ्रीज

पर सीईओ का पैकेज चमका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने एक बड़ा फैसला लिया है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह अपने दुनियाभर के कर्मचारियों में से 12,000 से ज्यादा लोगों (यानी कुल कर्मचारियों का लगभग 2 प्रतिशत) की नौकरी जाने वाली है। ये छंटनी ज्यादातर मिडिल और सीनियर लेवल के कर्मचारियों को प्रभावित करेगी। इसके साथ ही, कंपनी ने बचे हुए कर्मचारियों की सैलरी हाइक पर भी रोक लगा दी है। टीसीएस ने कहा है कि जिन कर्मचारियों को निकाला जाएगा, उन्हें उचित मुआवजा, नई नौकरी ढूंढने में मदद (आउटप्लेसमेंट) और काउंसलिंग जैसी सुविधाएं दी जाएंगी।

12वीं में फेल होने की लगा दी हैट्रिक

फिर ऐसी मारी छलांग कि अब करोड़ों का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। शशि कांत त्यागी ने उद्योग जगत में बड़ा मुकाम हासिल किया है। उनकी कहानी आगरा के पास मोहसिनाबाद गांव से शुरू होती है। वह एक किसान परिवार से ताल्लुक रखते हैं। 12वीं कक्षा में तीन बार फेल होने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। न केवल अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की, बल्कि एमबीए भी किया। वह यहीं नहीं रुके। कड़ी मेहनत कर करोड़ों रुपये के हेयर एक्सटेंशन ब्रांड जेमेरिया हेयर और त्यागी एक्सपोर्ट्स की नींव रखी। ये हेयर एक्सटेंशन, विग, टॉपर और पैच जैसे कई हेयर प्रोडक्ट बेचते हैं। आइए, यहां शशि कांत त्यागी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

शशि कांत त्यागी को अपनी पढ़ाई में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। वह 12वीं कक्षा में तीन बार फेल हुए। इसके चलते उन्हें परिवार और रिश्तेदारों से काफी ताने सुनने को मिले। उनके चाचा अक्सर उन्हें चिढ़ाते थे कि वह अपने पिता की तरह किसान ही बनेंगे। इन असफलताओं ने उनका आत्मविश्वास हिला दिया था। हालांकि, उनके अंदर कुछ बड़ा करने की इच्छा बचपन से ही

थी। कक्षा 8 में अपने दोस्त के पीसीओ बूथ पर अपने दोस्त के पिता को ढेर सारे पैसे गिनते देखकर उन्होंने यह ठान लिया था कि वह एक दिन बड़ा व्यापार करेंगे। खूब पैसा कमाएंगे। 12वीं पास करने से पहले ही उन्होंने लहसुन और आलू खरीदकर आगरा की मंडी में बेच एक छोटा सा व्यवसाय शुरू किया। इससे उन्हें 2.5 लाख रुपये का फायदा हुआ।

ऐसे हुई बिजनेस में एंट्री

एमबीए के बाद 2011 में शशि को दिल्ली की एक ट्रेडिंग कंपनी में ऑनलाइन सेल्स एग्जीक्यूटिव के रूप में नौकरी मिली। दो साल के अनुभव के बाद 2013 में 23 साल की उम्र में उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी। फिर त्यागी एक्सपोर्ट्स के नाम से अपना हेयर एक्सटेंशन निर्यात व्यवसाय शुरू किया। उनके पहले बड़े ऑर्डर में से एक अमेरिका से 65,000 डॉलर का था। इसका उन्हें एडवांस पेमेंट मिल गया था। शुरुआत में वह हर महीने 2-3 लाख रुपये कमा रहे थे। लेकिन, क्वालिटी की समस्याओं के कारण उन्होंने अपनी खुद की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने का फैसला किया। दिसंबर 2013 तक उन्होंने दिल्ली में 15,000 वर्ग फीट में अपनी खुद की यूनिट स्थापित की। इसमें उन्होंने दक्षिण भारतीय मंदिरों से प्राप्त कच्चे मानव बाल का इस्तेमाल करके बल्क हेयर और वेफ्ट हेयर जैसे उत्पाद बनाने शुरू किए। इस यूनिट को स्थापित करने में उन्होंने 10 लाख रुपये का निवेश किया।

रॉकेट की स्पीड से दौड़ रही भारतीय इकॉनमी

ट्रंप के टैरिफ की निकली हवा, चीन भी छूट गया पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान बढ़ा दिया है। उसका कहना है कि 2025 और 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। इससे पहले अप्रैल में आईएमएफ ने अनुमान लगाया था कि भारत की आर्थिक विकास दर 6.2 प्रतिशत और 6.3 प्रतिशत रहेगी। भारत अगले दो साल तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। चीन की इकॉनमी के 2025 में 4.8 प्रतिशत और 2026 में 4.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। वहीं अमेरिका की इकॉनमी 2025 में 1.9 प्रतिशत और 2026 में 2.0 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। आईएमएफ का अनुमान है कि अमेरिका में वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट के कारण थोड़ी तेजी देखने को मिल सकती है। आईएमएफ ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक का अपडेट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि 2025 और 2026 में भारत की विकास दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह अनुमान पहले से थोड़ा बेहतर है। इसकी वजह यह है कि बाहरी माहौल पहले की तुलना में बेहतर है। आईएमफ ने अप्रैल में जो अनुमान लगाया था, उससे अब स्थिति थोड़ी अलग है। उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में भारत, चीन और इंडोनेशिया अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आईएमएफ का कहना है कि भारत को बाहरी स्थिरता से फायदा हो रहा है। भारत के लिए अनुमान कैलेंडर वर्ष पर आधारित हैं। आईएमएफ का कहना है कि वित्तीय वर्ष के आंकड़ों के आधार पर 2025 के लिए भारत की विकास दर 6.7 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

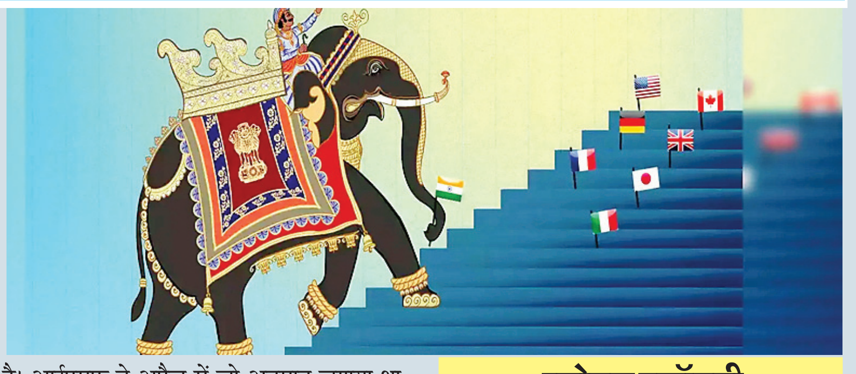

ग्लोबल इकॉनमी

आईएमएफ ने ग्लोबल ग्रोथ रेट का अनुमान भी थोड़ा बढ़ाया है। अब आईएमएफ का मानना है कि 2025 में वैश्विक अर्थव्यवस्था 3.0 प्रतिशत और 2026 में 3.1 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। आईएमएफ का कहना है कि टैरिफ का असर जितना सोचा गया था, उससे कम रहा है। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर कमजोर हुआ है और वित्तीय स्थितियां बेहतर हुई हैं। इसलिए वैश्विक विकास दर का अनुमान बढ़ाया गया है।

क्या है खतरा

हालांकि आईएमएफ ने चेतावनी दी है कि अभी भी खतरा बना हुआ है। उसका कहना है कि अगर टैरिफ की दरें फिर से बढ़ जाती हैं, तो विकास दर कमजोर हो सकती है। इसके अलावा अगर अनिश्चितता बढ़ती है, तो इसका असर आर्थिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि अतिरिक्त टैरिफ लगाने की समय सीमा बिना किसी समझौते के खत्म हो रही है। आईएमएफ का अनुमान है कि 2025 में वैश्विक महंगाई दर 4.2 प्रतिशत और 2026 में 3.6 प्रतिशत रहेगी। हालांकि, अलग-अलग देशों में महंगाई दर अलग-अलग होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका में महंगाई दर लक्ष्य से ऊपर रहेगी, जबकि अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में यह कम रहेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2025 के लिए वैश्विक व्यापार की मात्रा में 0.9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जबकि 2026 के लिए इसमें 0.6 प्रतिशत की कमी का अनुमान है। इससे पता चलता है कि टैरिफ बढ़ने की आशंका में जो फायदा हुआ था, वह धीरे-धीरे कम हो सकता है।

25 साल में पहला बोनस शेयर बांटने की तैयारी

1 पर 2 फ्री शेयर दे सकती है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के शेयर बुधवार को बाजार खुलते ही रॉकेट बन गए हैं। कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 9450 रुपये पर जा पहुंचे हैं। सिगरेट एंड टोबैको प्रॉडक्ट्स इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा देने की तैयारी में है। कंपनी 2:1 के रेशियो में बोनस शेयर बांट

सकती है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 2 फ्री शेयर दे सकती है। पिछले 25 साल में यह कंपनी का पहला बोनस शेयर होगा। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया ने 1 जनवरी 2000 से अपने निवेशकों को कोई बोनस शेयर नहीं दिया है। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के शेयर पिछले 6 महीने में 110 पर्सेंट उछल गए हैं।

हर 1 शेयर पर 2 फ्री शेयर बांट सकती है कंपनी- सिगरेट कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया ने स्टॉक एक्सचेंजों को बताया है कि उसके बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की सोमवार 4 अगस्त 2025 को मीटिंग होनी है। इस बैठक में कंपनी का बोर्ड बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर विचार कर सकता है। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया का बोर्ड अगर प्रस्ताव को मंजूरी देता है तो कंपनी 2:1 के रेशियो में बोनस शेयर जारी कर सकती है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 2 फ्री शेयर बांट सकती है। बोनस शेयर के प्रस्ताव के अलावा गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया का बोर्ड 4 अगस्त को होने वाली मीटिंग में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के अनऑडिटेड स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड वित्तीय नतीजों पर विचार और उसे मंजूरी देगा।

जिला केंद्रीय पुस्तकालय का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
गिरिडीह। उपायुक्त रामनिवास यादव ने आज जिला केंद्रीय पुस्तकालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कक्षा संचालन, पुस्तकों की उपलब्धता, बेंच-डेस्क की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था और शौचालय की सफाई जैसे बिंदुओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिए। मौके पर छात्र-छात्राओं से संवाद कर पुस्तकालय में बहाल की जाने वाली अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। बच्चों से किताब की जरूरत पर बातचीत की। उपस्थित छात्र-छात्राओं से उनकी तैयारियों के बारे में जाना और आवश्यक सुझाव दिए।
उन्होंने कहाकि कंपीटिशन की तैयारी करने में किसी भी प्रकार की समस्या न हो। इसके पश्चात पुस्तकालय के समस्त परिसर का भ्रमण कर आधारभूत संरचना से संबंधित जानकारी प्राप्त की। पुस्तकालय भवन के भीतर पुस्तक संग्रह सभागार, पठन सभागार सहित उपलब्ध सभी संसाधनों व उनका प्रयोग आदि का अवलोकन किया। अवलोकन के क्रम में उपायुक्त के द्वारा पुस्तकालय में संग्रहित विविध पुस्तकों आदि के साथ ही पुस्तकालय में अध्ययन करने आने वाले छात्र-छात्राओं आदि की संख्या से संबंधित जानकारी भी प्राप्त की गई। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी वसीम अहमद, गोपनीय प्रभारी, कौशिक अप्पू समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पानी में भीग रहे तीरंदाजों के सपने

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
लातेहार। खेल को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। झारखंड सरकार भी सुदूर इलाकों में खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने का हरसंभव प्रयास कर रही है। लेकिन निचले स्तर पर सरकार के प्रयासों को सफल बनाने की जिम्मेवारी निभाने वाले लोग उदासीन बने हुए हैं। जिससे सरकार का उद्देश्य धरातल पर पूर्ण नहीं हो पा रहा है।
सरकारी राशि बर्बाद हो रही है। इसकी एक बानगी लातेहार जिले में देखने को मिली। खेल स्टेडियम के समीप ही खेल पदाधिकारी का कार्यालय है।
इसी स्थान पर खुले आकाश के नीचे तीरंदाजी के सामान रख कर छोड़ दिए गए हैं। राज्य के सुदूर इलाकों में निवास करने वाले खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के दम पर संसाधनों के अभाव के बावजूद देश स्तर पर अपने खेल से राज्य का गौरव बढ़ाते रहे हैं।
देश व राज्य स्तर पर खिलाड़ियों के लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद सरकार की ओर से संसाधनों की बेहतरी के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है।
इसी प्रयास के तहत लातेहार जिले में तीरंदाजी को प्रोत्साहन देने के लिए लाखों के सामान की खरीदारी की गई थी। सामानों की खरीद पर उस समय सवाल उठाया गया था।
लेकिन अब विभागीय स्तर पर लापरवाही की पराकाष्ठा को पार करते हुए खुल आकाश के नीचे तीरंदाजी की सामग्री को रख कर छोड़ दिया गया है। धूप और पानी में पड़े होने के कारण तीरंदाजी का सामान बर्बाद हो रहा है। मार्ग से आने और जाने के दौरान लोगों की नजरें बर्बाद हो रही सामग्री पर पड़ती है बावजूद इसके जिम्मेवार बेखबर बने हुए हैं।

खंडोली डैम में गंदगी फैलने पर जेएलकेएम ने जताई चिंता

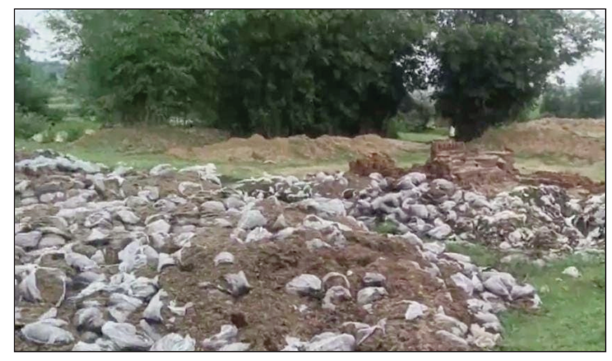

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
बेंगाबाद (गिरिडीह)। खंडोली तट पर स्थित अंबाटांड़ में संचालित अंडा व मशरूम प्लांट से फैल रही गंदगी और बदबू से परेशान ग्रामीणों की शिकायत पर जेएलकेएम (झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा) के केन्द्रीय संगठन सचिव नागेन्द्र चन्द्रवंशी के नेतृत्व में सुभाष चौधरी, अर्जुन पंडित, बंटी यादव, अशोक यादव, मिहीर चन्द्रवंशी सहित कई कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और प्लांट के आसपास के क्षेत्र का विस्तृत जायजा लिया। स्थानीय मुखिया सद्दीक अंसारी और ग्रामीणों से बात कर उन्हें बताया गया कि प्लांट से निकले कचरे को सीधे खंडोली डैम के किनारे फेंका जा रहा है, जिससे पानी प्रदूषित हो रहा है।
ग्रामीणों का कहना है कि डैम का यही पानी शहर के एक बड़े हिस्से द्वारा उपयोग किया जाता है, जिससे जनस्वास्थ्य पर सीधा खतरा मंडरा रहा है। मुखिया ने बताया कि प्लांट में मुर्गियों की सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन बेहद लापरवाही से किया जा रहा है। गंदगी की वजह से आसपास के घरों में रहना मुश्किल हो गया है। दुर्गंध से लोगों का जीना मुहाल है। ग्रामीणों ने उपायुक्त रामनिवास यादव को पहले ही ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन अब तक केवल औपचारिक जांच कर मामले को टाल दिया गया है।
नागेन्द्र चन्द्रवंशी ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह मामला केवल ग्रामीणों का नहीं, बल्कि पूरे गिरिडीह शहर के स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने यह भी कहा कि वे इस मुद्दे को उपायुक्त के साथ-साथ पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष व डुमरी विधायक जयराम महतो के समक्ष भी रखेंगे, ताकि इस पर कठोर कार्रवाई हो सके।

लाइन होटल एवं ढाबों में छापेमारी

अवैध शराब के साथ पांच धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
गिरिडीह। अनुमण्डल पदाधिकारी, खोरीमहुआ के पर्वेक्षण में गुप्त सूचना के आधार पर खोरीमहुआ अनुमण्डल के अंतर्गत राजधनवार थाना एव गोरथम्बा ओपी के कई लाइन होटल एव ढाबो में छापामारी की गई। जहाँ से विभिन्न प्रकार के अवैध शराब, बियर को जब्त किया गया एवं परिसर मालिक को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापामारी दल में अनिमेश रंजन, अनुमण्डल पदाधिकारी, खोरीमहुआ रवि रंजन, अवर निरीक्षक उत्पाद पुलिस सहायक अवर निरीक्षक, गोरथम्बा ओपी गृह रक्षक जवान एवं अन्य शामिल थे।

संसद में गूंजा सहारा इंडिया के निवेशकों और अभिकर्ताओं का दर्द

सांसद मनीष जायसवाल ने उठाई आवाज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल संसद के शीतकालीन सत्र में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और देश और अपने संसदीय क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं। अब तक उन्होंने 14 प्रश्न संसद पटल पर रखे हैं। बुधवार को उन्होंने देश के एक गंभीर व ज्वलंत मुद्दे सहारा इंडिया के करोड़ों निवेशकों की लंबित भुगतान का मुद्दा प्रखरता से उठाया। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा सहारा इंडिया के पैसे जब्त करने की सकारात्मक पहल का स्वागत करते हुए सरकार से आग्रह किया कि लंबित राशि के निपटान प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, ताकि निवेशकों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।
सांसद ने सदन पटल से सहारा इंडिया के निवेशकों और उनके अभिकर्ताओं के दर्द को बयां किया। उन्होंने कहा कि करोड़ों निवेशक जिनमें गरीब, मजदूर और किसान वर्ग के लोग शामिल हैं, जिन्होंने अपनी छोटी-छोटी बचत सहारा इंडिया में निवेश की थी। उनका उद्देश्य था कि जरूरत पड़ने पर वे इस बचत का उपयोग कर सकें, चाहे वह बच्चों की शिक्षा हो, शादी-ब्याह हो या घर बनाने का सपना हो उसे साकार कर सकें ।

उन्होंने बताया कि करोड़ों निवेशकों के साथ लाखों अभिकर्ता भी हैं, जो अब भी लोगों को यह दिलासा दे रहे हैं कि वे उनका पैसा वापस दिलवाएंगे, जबकि लोग उन्हें लगातार परेशान कर रहे हैं। सांसद मनीष जायसवाल ने सरकार से इस मामले में शीघ्र और प्रभावी कदम उठाते हुए लंबित राशि की भुगतान ने तेजी लाने का आग्रह किया, ताकि निवेशकों और अभिकताओं को इस गंभीर समस्या से मुक्ति मिल सके और उन्हें तत्काल राहत हो सके ।

मास्टर ट्रेनर चयन को ले बैठक

खूँटी। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आज उपायुक्त आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में आदि कर्मयोगी योजना के क्रियान्वयन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी दीपिल कुमार, जनजातीय कार्य मंत्रालय की प्रतिनिधि सूचीस्मिता सेनगुप्ता, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन सिंह उपस्थित रहीं। बैठक के दौरान उपायुक्त ने निर्देशित किया कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए जिला एवं प्रखंड स्तर पर मास्टर ट्रेनरों की सूची शीघ्र तैयार करें तथा योजना के प्रभावी संचालन हेतु एनजीओ का चयन पूरी प्रक्रिया के तहत सुनिश्चित किया जाए। ग्राम सभा के माध्यम से विलेज डेवेलपमेंट प्लान तैयार करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने यह भी कहा कि योजना के प्रत्येक चरण में प्रशिक्षण और कार्यान्वयन की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए ताकि योजना का वास्तविक लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे।
आदि कर्मयोगी योजना के माध्यम से जिले में मास्टर ट्रेनर्स का एक मजबूत नेटवर्क तैयार किया जाएगा।

भाजपा नेत्री ने दुर्घटना से बचाव को ले किया अनोखा प्रयास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
गिरिडीह। शहर के पचंबा रोड, मोहनपुर रेड चिली एवं विशनपुर चर्च के सामने बीच सड़क में बड़े-बड़े पेड़ पर रेडियम स्टीकर चिपकाकर सड़क दुर्घटना से बचाव का एक छोटा और अद्भुत प्रयास प्रो विनीता एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। इस मौके पर प्रो विनीता ने कहा कि गिरिडीह में रोड निर्माण का कार्य चल रहा है। जगह-जगह गड्ढे से सड़क दुर्घटना हो रही है। वंही डिवाइडर में बाइक,कार फंस जाने से लोग चोटिल हो रहे हैं। इसके साथ ही साथ सड़क पर बीचोंबीच पेड़ होने से भी आए दिन भयंकर दुर्घटना घटित हो रही है। इसलिए उन्होंने टीम के साथ एक छोटी सी पहल कर पेड़ पर लाल, पीला रेडियम चिपकाकर दुर्घटना रोकने का प्रयास किया है। इसके साथ ही प्रशासन,वन विभाग एवं ठेकेदार सभी से अपील की है कि इस पर जल्द से जल्द त्वरित कार्य करें ताकि लोग सुरक्षित रह सके। मौके पर सहयोग के लिए भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष यदुनंदन पाठक, नगर मंत्री समीर दीप, पवन कंधवे, अमित आर्या, सुरेश गुप्ता, अनिल साव उपस्थित रहे।

जिप सदस्य ने की रेहला के ग्रासिम इंडस्ट्रीज द्वारा किए जा रहे कार्यों की जांच की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिला के विश्रामपुर जिला परिषद सदस्य विजय रविदास ने रेहला ग्रासिम इंडस्ट्रीज के द्वारा तथाकथित सामाजिक कार्यों पर प्रश्न चिन्ह खड़ा किया है। उन्होंने कराए गए कार्यों की जांच उपायुक्त से करने की मांग की है। विजय रविदास ने कहा कि सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत आसपास के क्षेत्रों में कोई भी काम नहीं किए जाते। केवल झूठी रिपोर्ट सौंप अपनी उपलब्धियां बताई जाती है। इसमें 70 प्रतिशत भ्रामक, अपूर्ण व जमीनी सच्चाई से परे कार्य होते हैं। कहा कि सीएसआर या सीईआर किसी प्रकार की चैरिटी नहीं होती। यह कानूनी व व्यावसायिक जवाबदेही से जुड़ी हुई योजना होती है। इसके लिए स्पष्ट बेसलाइन सर्वे कराना अनिवार्य होता है। लेकिन संस्थान के द्वारा अब तक यह सार्वजनिक नहीं किया गया कि यह बेसलाइन सर्वे कब व किस संस्था के द्वारा किया गया। साथ हीं उसमें कौन-कौन से सामाजिक-आर्थिक व स्वास्थ्यगत मुद्दों को प्राथमिकता दी गई। उसके आधार पर क्या कार्य योजना बनाई गई।
जिला परिषद सदस्य विजय रविदास ने कहा कि क्षेत्र में जल संकट एक बड़ी समस्या है। प्रतिदिन 10 क्यूबिक पानी ट्रांसपोर्ट किया जा रहा है। इससे लगभग 1000 एकड़ कृषि भूमि प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रही है। लेकिन इस विषय में कंपनी की ओर से कोई पारदर्शी रिपोर्ट या समुचित योजना सामने नहीं लाई गई। संस्थान के द्वारा सरकारी मेडिकल सुविधाओं को लेकर भी उपलब्धियां गिनाई जाती रही है। कहा कि यदि झारखंड सरकार की ओर से निशुल्क दवाइयों की बात है तो फिर ये कैम्प किसकी अनुमति से लगाए जाते रहे हैं। बिना सीएमओ की स्वीकृति यदि कोई बीएमएस डॉक्टर एलोपैथिक दवाएं बांट रहे हैं तो यह सीधे तौर पर चिकित्सा आचार संहिता व दवा अधिनियम का उल्लंघन है। स्थानीय श्रमिकों के संबंध मे कहा कि कंपनी स्थानीय श्रमिकों के परिवारों, विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों के लिए कोई दीर्घकालिक चिकित्सा, पोषण या शिक्षा सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। जबकि इन परिवारों के लिए थर्ड पार्टी सोशल ऑडिट व स्वतंत्र सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन अनिवार्य है।सीएसआर के नाम पर जो पहल की जा रही है, वह सामुदायिक सशक्तिकरण के बजाय केवल प्रचार आधारित हैंडआउट मॉडल प्रतीत होता है।
उन्होंने संपूर्ण कार्यों की निष्पक्ष जांच उपायुक्त व मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी से कराने की मांग की है। साथ ही बेसलाइन सर्वे रिपोर्ट व उसके निष्कर्ष सार्वजनिक किए जाएं। कंपनी के सीएसआर व सीईआर फंड के उपयोग का सालाना ब्यौरा व तृतीय पक्ष मूल्यांकन रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। ग्रामीण जनजीवन पर पड़ रहे जल-परिवर्तन व भूमि-प्रभाव का वास्तविक भू-आंकलन कराया जाए। बिना अनुमति चलाए जा रहे मेडिकल कैम्प व दवा वितरण की तत्काल जांच की जाए।

जिले में आज से महंगा हो जायेगा रजिस्ट्री का रेट

पाकुड़। एक अगस्त 2025 से पाकुड़ शहर में जमीन-फ्लैट खरीदना महंगा हो जाएगा। जमीन में 10-20 प्रतिशत एवं फ्लैट, मकान में 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव निबंध कार्यालय ने तैयार किया है। इससे वैसे शहरवासियों को परेशानी होगी जो नगर परिषद क्षेत्र में जमीन खरीदने का सपना संजोए हुए हैं। प्रशासन के इस निर्णय की खबर के बाद से रजिस्ट्री कार्यालय में भीड़ बढ़ गई है। 31 जुलाई तक पुराने दर पर रजिस्ट्री हो सकेगी।
उपायुक्त ने निबंधन कार्यालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और इसे राज्य सरकार के राजस्व विभाग को भेजा गया है। वहां से मंजूरी लेकर एक अगस्त से इसे पाकुड़ शहर के लिए लागू कर दिया जाएगा।
उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती रघुवर सरकार में महिला के नाम एक रुपये में जमीन की रजिस्ट्री का प्राविधान था, परंतु राज्य में हेमंत सरकार के गठन के बाद महिलाओं को मिल रही यह सुविधा समाप्त कर दी गई। अब इसमें बढ़ोत्तरी लोगों को परेशान करने वाला होगा।

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को ले बैठक

- 10 से 25 अगस्त तक चलाया जायेगा फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम
- सामूहिक सहभागिता से ही फाइलेरिया मुक्त होगा पलामू : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
मेदिनीनगर (पलामू)। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में बुधवार को एमडीए/आईडीए 2025 के सफलता पूर्वक क्रियान्वयन को लेकर जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गयी।समाहरणालय सभागार में आयोजित इस बैठक में पीपीटी के माध्यम से बताया गया कि फाइलेरिया विलोपन लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जिला के सभी प्रखंडों के जनसमुदाय(0 से 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों,गर्भवती महिला एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों) को छोड़कर डीइसी एल्बेंडाजॉल और आइमरमेक्टिन की एक खुराक 10 से 25 अगस्त तक खिलायी जायेगी।बैठक में जन जागरूकता अभियान और अन्य विभागों के सहयोग को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने सभी पदाधिकारी को फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के लिए जागरुकता अभियान में सहयोग करने का निर्देश दिया।उन्होंने इसके सफल क्रियान्वयन के लिए सभी आंगनबाड़ी केंद्र,स्वास्थ्य केंद्र,प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,वार्ड कार्यालय एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर दवा खिलाये जाने की व्यवस्था करने पर बल दिया।अभियान की जानकारी लोगों तक पहुंचे इसे लेकर स्थानीय स्तर पर,गांव स्तर पर,पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की बात कही।उन्होंने कहा कि फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कर फाइलेरिया से बचा जा सकता है।उन्होंने जिलेवासियों से इस कार्यक्रम के दौरान फाइलेरिया विलोपन की दवा का सेवन करके स्वयं को फाइलेरिया से सुरक्षित एवं पलामू को फाइलेरिया मुक्त बनाने की अपील की।बैठक में पीपीटी के जरिये विभिन्न विभागों को उनके द्वारा संपादित किए जाने वाले कार्यों से अवगत कराया गया।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त,अपर समाहर्ता, सहायक समाहर्ता,सिविल सर्जन, एमडीए के नोडल पदाधिकारी,शिक्षा,समाज कल्याण, पंचायती राज,सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के पदाधिकारी,विभिन्न लाइन डिपार्टमेंट के अभियंता समेत अन्य उपस्थित रहे।

तीन ट्रैक्टरों को किया जब्त

केरेडारी। पुलिस अधीक्षक के क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान अवैध रूप से बालू ढो रहे तीन ट्रैक्टरों को केरेडारी थाना क्षेत्र के समीप जब्त किया गया। ये सभी ट्रैक्टर केरेडारी के कराली गांव के बताए जा रहे हैं। मौके पर अवैध बालू ढुलाई देख एसपी ने केरेडारी पुलिस को जमकर फटकार लगाई।
एसपी ने बालू तस्करी को लेकर केरेडारी पुलिस की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए साफ शब्दों में कहा कि ऐसे गैरकानूनी कार्यों को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देश दिया कि बालू तस्करों के खिलाफ तुरंत कड़ी कार्रवाई की जाए और इस अवैध धंधे पर पूर्ण रूप से रोक लगाई जाए।
जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक उग्रवादियों के केरेडारी क्षेत्र के जंगलों में सक्रियता की सूचना पर गश्ती व धर-पकड़ अभियान के तहत पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी नजर अवैध बालू ढुलाई में लगे ट्रैक्टरों पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए तीनों ट्रैक्टर जब्त कर लिए। एसपी की इस त्वरित कार्रवाई से प्रशासनिक महकमे में हलचल मच गई है और स्थानीय पुलिस को कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने कार्यों को अंजाम देने की सख्त चेतावनी दी।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

निविदा सूचना सं.: डीआरएमईएनजीजीआरएनसी–81 एवं 84–86–2025, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.), राँची–834003 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं., सूचना सं. एवं कार्य का नाम** निम्नानुसार हैं: **(1) डीआरएमईएनजीजीआरएनसी–81–2025,** राँची मंडल के टाटीसिलवे साइडिंग में रेलवे वैगन/हॉपरों में 100250 घनमीटर 50 मिमी माप के हार्ड स्टोन मशीन खंडित हार्ड स्टोन ट्रैक बैलस्ट का निर्माण, आपूर्ति एवं लदान तथा इनकी स्टैकिंग एवं खाली करना। **निविदा मूल्य:** रु.18,24,40,130.12, **बयाना राशि:** रु. 10,62,200/–, **(2) डीआरएमईएनजीजीआरएनसी–84–2025,** वरिष्ठ डीईएन (दक्षिण)/राँची के कार्यक्षेत्र में नगजुआ–लोहरदगा शाखा में ब्रिज नं. 115 पर स्पैन नं. 5 एवं 6 में भूकंपीय रिस्ट्रेनर प्रदान करते हुए गर्डर का सुदृढ़ीकरण एवं लघु ब्रिजों का सुदृढ़ीकरण और पियर नं. 5 के फाउंडेशन को चौड़ा करना तथा हटिया–ओरगा शाखा में ब्रिज नं. 520 (11X18.3 एम जी) के सब–स्ट्रक्चर के सुदृढ़ीकरण सहित आरसीसी जैकेटिंग कार्य एवं एमआईडीएएस रेल–ट्रैक मॉड्यूल का उपयोग करते हुए रेल स्ट्रक्चर इंट्रैक्शन विश्लेषण एवं रिपोर्ट जमा करना। **निविदा मूल्य:** रु. 11,72,55,231.14, **बयाना राशि:** रु. 7,36,300/–, **(3) डीआरएमईएनजीजीआरएनसी–85–2025,** राँची मंडल के कार्यक्षेत्र में बाकुडीह/राजग्राम/पिनरगड़िया क्वैरी साइडिंग में 50 मिमी माप में 84861 घनमीटर मशीन खंडित हार्ड स्टोन ट्रैक बैलस्ट की रेलवे वैगनों/हॉपरों में आपूर्ति एवं लदान और इन्हें खाली करना (माप गंतव्य पर किया जाएगा)। **निविदा मूल्य:** रु. 12,38,95,362.78, **बयाना राशि:** रु. 7,69,500/–, **(4) डीआरएमईएनजीजीआरएनसी–86–2025,** राँची मंडल के कार्यक्षेत्र में पाकुड़/तालझारी/बड़हरवा क्वैरी साइडिंग में 50 मिमी माप में 85266 घनमीटर मशीन खंडित हार्ड स्टोन ट्रैक बैलस्ट की रेलवे वैगनों/हॉपरों में आपूर्ति एवं लदान और इन्हें खाली करना (माप गंतव्य पर किया जाएगा)। **निविदा मूल्य:** रु. 12,44,86,654.68, **बयाना राशि:** रु. 7,72,400/–, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 18.08.2025 को 15.00 बजे (क्रम सं. 1 हेतु) और दिनांक 22.08.2025 को 15.00 बजे (क्रम सं. 2, 3 एवं 4 प्रत्येक हेतु)। निविदाकार ऑनलाइन निविदा करने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं। **(PR 457)**

मनाया गया सावन मिलन व फ्रेंडशिप डे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
गिरिडीह । इनरव्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन द्वारा मंगलवार को ₹सावन मिलन एवं फ्रेंडशिप डे₹ का आयोजन रंगारंग अंदाज में किया गया। कार्यक्रम में क्लब की सभी सदस्याएं पारंपरिक व रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धज कर शामिल हुईं।
कार्यक्रम की शुरूआत प्रेसिडेंट कविता राजगढ़िया द्वारा सावन के महीने के महत्व को समझाया गया। जिसमें उन्होंने कहा सावन का महीना भक्ति, सौंदर्य और नारी शक्ति का उत्सव होता है, जो भगवान शिव को समर्पित है। इस समय महिलाएँ पारंपरिक वेशभूषा में सजकर गीत-संगीत और मिलन समारोह का आनंद लेती हैं।
उन्होंने कहा कि यह पर्व प्रेम, सौहार्द और पारिवारिक सुख-समृद्धि का प्रतीक है। हमारा सावन मिलन कार्यक्रम औपचारिकताओं से परे, साथ बिताए गए हँसी-खुशी के पलों का उत्सव है।
जिसके बाद क्लब के सदस्यों द्वारा समूह नृत्य और मधुर गीतों से शुरूआत हुई। जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।
इसके उपरांत एक मनोरंजक क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें पीडीसी पूनम सहाय ने सावन से जुड़े प्रश्न पूछे। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सभी सदस्यों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया।
कार्यक्रम को और भी खास बनाते हुए क्लब की अध्यक्ष कविता राजगढ़िया ने सभी सदस्यों को सरप्राइज उपहार भेंट किए, जिसे पाकर सभी सदस्याएं आनंदित हुईं।
फ्रेंडशिप डे के अवसर पर आईएसओ दीप्ति सिन्हा ने सभी मेंबर्स को स्वयं द्वारा बनाए गए हैंडमेड फ्रेंडशिप बैंड पहनाया और मित्रता का संदेश दिया। क्लब की सेक्रेटरी स्मृति आनंद, पास्ट प्रेसिडेंट सुमन गौरीसरिया, चार्टर्ड प्रेसिडेंट रंजना बागरिया, एडिटर संगीता सिन्हा समेत अन्य सदस्यों ने इस आयोजन को सफल बनाने में सराहनीय योगदान दिया। कार्यक्रम में क्लब की महिलाओं ने न सिर्फ मस्ती और मनोरंजन किया, बल्कि आपसी मेलजोल और सौहार्द का संदेश भी दिया।

सर्व सेवा संघ की राष्ट्रीय कार्यसमिति आज रांची में

भूदान के भ्रष्टाचार, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन सहित कई विषयों पर होगी चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
रांची। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी 8-9 अगस्त 1925 को झारखंड के रांची पधारे थे।इस कार्यक्रम की शतब्दी के अवसर पर सर्व सेवा संघ(अ. भा.सर्वोदय मंडल) की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक आदित्य पटनायक की अध्यक्षता में झारखंड की राजधानी रांची में हो रही है।
सर्व सेवा संघ द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में प्रबंधक ट्रस्टी महादेव विद्रोही ने कहा कि इस महत्वपूर्ण बैठक में सभी प्रदेश सर्वोदय मंडलों के अध्यक्ष, सेवाग्राम आश्रम प्रतिष्ठान के अध्यक्ष आबा काम्बले,खादी- ग्रामोद्योग आयोग के पूर्व अध्यक्ष तथा हरिजन सेवक संघ के उपाध्यक्ष लक्ष्मीदास,मध्यप्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार रामावतार गुप्त, अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्राध्यापक प्रो.मनोज, आदिवासियों के संगठन और उनके अधिकारों के लिए संघर्षरत कार्यकर्ता, वरिष्ठ अधिवक्ता विशेष रूप से शिरकत करेंगे।
आचार्य विनोबा के आह्वान पर देश के विभिन्न राज्यों के लोगों ने करीब 48 लाख एकड़ जमीन दान में दिए। उसमें से अकेले झारखंड में करीब 15 लाख एकड़ भूमि मिली। यह चिंता का विषय है कि भूदान आंदोलन के 74 वर्षों के बाद भी झारखंड में करीब 11 लाख भूदान भूमि का वितरण बाकी है। महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर भूदान की जमीनों के खरीद फरोख्त हो रहे हैं। तेलंगाना में तो आईएएस, आईपीएस सहित अनेक अधिकारियों ने अवैध रूप से भूदान की जमीन हस्तगत कर लिए हैं।
उन्होंने कहा कि शुक्र है कि इन अधिकारियों के विरुद्ध केस दायर किये गए हैं।कमोबेश यही हाल सभी राज्यों के हैं। असम की हिमंत बिस्वा शर्मा सरकार ने तो भूदान अधिनियम को ही समाप्त कर दिय, जो चिंता का विषय है।

नवोदय विद्यालय का निरीक्षण

गिरिडीह। उपायुक्त रामनिवास यादव ने आज गांडेय प्रखंड अंतर्गत संचालित नवोदय विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने विद्यालय की व्यवस्था, शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का प्रत्यक्ष रूप से अवलोकन किया। इस दौरान उपायुक्त ने विद्यालय में शिक्षा का स्तर कैसा है, और छात्र क्या सीख रहे हैं समेत विभिन्न बिंदुओं की जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा उपायुक्त ने शैक्षणिक गतिविधियां, पेयजल, शौचालय, आधारभूत संरचना, किचेन शेड, बच्चों को मिल रही भोजन की गुणवत्ता आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

देश पहले, बिजनेस बाद में

स्पॉन्सर ने भारत-पाकिस्तान डब्ल्यूसीएल सेमीफाइनल से नाम वापस लिया

नई दिल्ली । वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच सेमीफाइनल मैच 31 जुलाई को खेला जाना है, लेकिन मुकाबले पर सवालिया निशान है। टूर्नामेंट के टॉप स्पॉन्सर ने घोषणा की है कि वह डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच से नहीं जुड़ेगा। डब्ल्यूसीएल के मेन स्पॉन्सर में से एक इजीमायट्रिप ने भारत-पाकिस्तान के बीच डब्ल्यूसीएल में खेले जाने वाले सेमीफाइनल मैच से नाम वापस ले लिया है। कंपनी ने अपनी इस नीति को दोहराया है कि वह पाकिस्तान से जुड़े किसी भी मैच में हिस्सा नहीं लेती।

ट्रैवल-टेक कंपनी के सह-संस्थापक निशांत पिट्टी ने एक्स पोस्ट पर लिखा, हम टीम इंडिया चैंपियंस की वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में शानदार प्रदर्शन के लिए सराहना करते हैं। आपने देश को गौरवान्वित किया है। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है। आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते। हम भारत के साथ खड़े हैं। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते, जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंध सामान्य करने की कोशिश करता हो। उन्होंने आगे लिखा, भारत के लोगों ने अपनी बात रखी है और हम उनकी बात सुन रहे हैं। इजीमायट्रिप, डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच से नहीं जुड़ेगा। कुछ चीजें खेल से बड़ी होती हैं। देश पहले, बिजनेस बाद में।

इससे पहले, भारतीय खिलाड़ियों और एक प्रमुख टूर्नामेंट स्पॉन्सर के कड़े विरोध के बाद, भारत-पाकिस्तान की टीमों के बीच लीग चरण का मुकाबला आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए, जिसने दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव बढ़ा दिया।

इजीमायट्रिप की ओर से जारी बयान में कहा गया, हालांकि इजीमायट्रिप ने डब्ल्यूसीएल के साथ 5 साल का स्पॉन्सरशिप एग्रीमेंट किया है, लेकिन हमारा रुख हमेशा से स्पष्ट रहा है। हम पाकिस्तान से जुड़े किसी भी डब्ल्यूसीएल मुकाबले में न तो हिस्सा लेंगे और न ही उससे जुड़ा रहेंगे। हम गर्व के साथ इंडिया चैंपियंस टीम का समर्थन जारी रखेंगे, लेकिन किसी भी ऐसे मैच का समर्थन या प्रचार नहीं करेंगे, जिसमें पाकिस्तान शामिल हो। यह स्थिति डब्ल्यूसीएल टीम को शुरू से ही स्पष्ट रूप से बता दी गई थी। हमेशा देश पहले है।

सीएएफए नेशंस कप खेलेगी भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड की तैयारी के तहत भारत की सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएएफए) नेशंस कप 2025 में हिस्सा लेगी। यह टूर्नामेंट 31 अगस्त से 8 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन ने भारत को इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। दरअसल, यह टूर्नामेंट फीफा के आधिकारिक कैलेंडर से बाहर है और मलेशिया ने लॉजिस्टिक्स संबंधी चुनौतियों और खिलाड़ियों की अनुपलब्धता के चलते इसमें हिस्सा लेने से इनकार कर दिया, जिसके बाद भारत को आमंत्रित किया गया। भारत को उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान की तरफ से संयुक्त रूप से आयोजित द्विवार्षिक सेंट्रल एशियन टूर्नामेंट में शामिल किया गया। उसे ग्रुप-बी में रखा गया है, जो दुशांबे में खेला जाएगा। भारत 29 अगस्त को मेजबान ताजिकिस्तान, 1 सितंबर को ईरान और 4

सितंबर को अफगानिस्तान से खेलेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें प्ले-ऑफ चरण में पहुंचेंगी, जहां 8 सितंबर को दो मैच खेले जाएंगे। तीसरे स्थान का मैच दो ग्रुप उपविजेताओं के बीच दुशांबे में खेला जाएगा, जबकि दो ग्रुप विजेता टीमें ताशकंद में फाइनल खेलेंगी। उज्बेकिस्तान ग्रुप-ए की मेजबानी करेगा, जिसे ताशकंद में किर्गिज गणराज्य, तुर्कमेनिस्तान और ओमान के साथ रखा गया है। सीएएफए के छह सदस्य हैं: अफगानिस्तान, इस्लामी गणराज्य ईरान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान। ओमान और भारत सीएएफए नेशंस कप के दूसरे संस्करण के लिए आमंत्रित दो टीमें हैं। ईरान गत विजेता है, जिसने 2023 के फाइनल में उज्बेकिस्तान को 1-0 से शिकस्त दी थी। भारत को एएफसी एशियन कप क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड के अपने शुरुआती मैच में हांगकांग के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के शेष चार मैच सिंगापुर के खिलाफ (क्रमशः 9 और 14 अक्टूबर), बांग्लादेश के खिलाफ (18 नवंबर) और चीन के खिलाफ (31 मार्च 2026) घरेलू मैदान पर होंगे।

सीएएफए नेशंस कप 2025 ड्रॉ:

ग्रुप-एः उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और ओमान।

ग्रुप-बीः ताजिकिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और भारत।

भारत के मुकाबले:

29 अगस्त- भारत बनाम ताजिकिस्तान।
1 सितंबर- भारत बनाम ईरान।
4 सितंबर- भारत बनाम अफगानिस्तान।

अभिषेक शर्मा साथी ओपनर को पीछे छोड़ बने नंबर-1 बल्लेबाज

टेस्ट रैंकिंग में ऋषभ पंत को फायदा, यशस्वी को नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार (30 जुलाई) को मेंस क्रिकेट की अपडेटेड रैंकिंग जारी की। टी20 रैंकिंग में अभिषेक शर्मा नंबर-1 बल्लेबाज बन गए। उन्होंने ट्रेविस हेड को पीछे छोड़ा। दोनों इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ओपनिंग करते हैं। अभिषेक शर्मा टी20 रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज बनने वाले भारत के तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव नंबर-1 बल्लेबाज बने थे।

मकाऊ ओपन बेडमिंटनः

आयुष शेट्टी मकाऊ ओपन के क्वार्टर फाइनल में, ध्रुव-तनिषा भी अगले दौर में पहुंचे

मकाऊ, एजेंसी। विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले हुआंग को केवल 31 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

भारत के युवा खिलाड़ी सातवें वरीय आयुष शेट्टी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बुधवार को यहां चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को सीधे गेम में हराकर मकाऊ ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले हुआंग को केवल 31 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

मिश्रित युगल में विश्व में 18वें स्थान पर काबिज और यहां पांचवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की जोड़ी भी आगे बढ़ने में सफल रही। इस भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड के रत्चपोल मक्कासितोर्न और नट्टामोन लाइसुआन को 26 मिनट तक चले मुकाबले में 21-10, 21-15 से हराया।

पुरुष एकल में सतीश कुमार करुणाकरण का सफर समाप्त हो गया। उन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के जस्टिन होह से 37 मिनट में 19-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गाडे की 34वीं रैंकिंग की जोड़ी चीनी ताइपे के वू गुआन झुन और ली चिया सिन से 37 मिनट तक चले मुकाबले में 20-22, 17-21 से हार गई।

एशिया कप फुटबॉलः

भारत महिला एशियाई कप के ग्रुप सी में, जापान-वियतनाम और चीनी ताइपे अन्य टीमें

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह अभी विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है जो एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ है। वियतनाम की विश्व रैंकिंग 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 है। भारत वर्तमान में विश्व में 70वें स्थान पर

है। भारत को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी में जापान, पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे और वियतनाम के साथ रखा गया है। एक से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाले 12 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ मंगलवार को सिडनी टाउन हॉल में आयोजित किये गए, जिसमें भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर तीन ड्रॉ सहायकों में से एक थीं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च, 2026 को पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद भारत सात मार्च को इसी मैदान पर जापान से और फिर 10 मार्च को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से भिड़ेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम को ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप में जगह मिलेगी, जबकि क्वार्टर फ़ाइनल में हारने वाली टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी, जहां इस वैश्विक प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए दो और स्थान दांव पर होंगे।

जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह अभी विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है जो एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ है। वियतनाम की विश्व रैंकिंग 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 है। भारत वर्तमान में विश्व में 70वें स्थान पर है और इस तरह से वह ग्रुप में सबसे कम रैंकिंग वाली टीम है। भारत के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की विज्ञप्ति में कहा, मुझे लगता है कि हमारा ग्रुप काफी दिलचस्प है, लेकिन साथ ही काफी पेचीदा भी है। जापान एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। वियतनाम और चीनी ताइपे अच्छी टीमें हैं। हम उनके साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं तथा अनुकूल परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, अब जबकि हम अपने प्रतिद्वंद्वियों को जानते हैं, तो हमें अपने मैत्री मैचों का चयन सोच-समझकर करना होगा और अच्छी तैयारी करनी होगी। एक इकाई के रूप में एकजुट रहना और अभ्यास शिविरों में कड़ी मेहनत करना, हमें एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों का सामना करने और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए तैयार होने में काफ़ी मददगार साबित होगा। ग्रुप ए में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के साथ कोरिया गणराज्य, ईरान और फिलीपींस शामिल हैं। ग्रुप बी में उत्तर कोरिया, चीन, बांग्लादेश और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। चीन गत विजेता है और वह रिकार्ड 10वां खिताब जीतने की कोशिश करेगा।

द. अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20आई और वनडे श्रृंखला के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। ऑलराउंडर मैट शॉर्ट की भी टीम में वापसी हुई है, जबकि आक्रामक बल्लेबाज मिच ओवेन वेस्टइंडीज के खिलाफ कुछ प्रभावशाली प्रदर्शनों के बाद दोनों टीमों में शामिल होने के बाद अपने वनडे पदार्पण की दौड़ में हैं। नियमित वनडे कप्तान पैट कमिंस साल के अंत में व्यस्त घरेलू कार्यक्रम के कारण टीम से बाहर रहेंगे, मिशेल मार्श कार्यवाहक वनडे कप्तान बने रहेंगे जबकि उनके साथी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को भी इस श्रृंखला से आराम दिया गया है। वेस्टइंडीज श्रृंखला के बाद शॉन एबॉट, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, तनवीर संघा, कूपर कोनोली और आरोन हार्डी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिनकी टीम से छुट्टी हो गई है। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने संकेत दिया है कि टीम अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए तैयारी जारी रखेगी। बेली ने आईसीसी के हवाले से कहा, जैसे-जैसे हम टी20 विश्व कप की ओर बढ़ रहे हैं, वेस्टइंडीज में दिखाई गई लचीलापन और गहराई, स्पष्ट परिणामों के अलावा, एक बहुत बड़ी सकारात्मक बात रही है। बल्लेबाजी क्रम में लचीलापन और गेंदबाजों की पारी के विभिन्न चरणों में गेंदबाजी करने की क्षमता विशेष रूप से देखने लायक थी।

कैनेडियन ओपनः

गॉफ ने कोलिन्स को हराया, इतो ने पाओलिनी को शिकस्त दी

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। टॉप सीड कोको गॉफ ने कैनेडियन ओपन में डेनिएल कोलिन्स के खिलाफ लगभग तीन घंटे चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। इसी के साथ उन्होंने जून में रोलां गैरो जीतने के बाद पहला मैच अपने नाम किया। गॉफ तीसरे सेट में हार से सिर्फ दो अंक दूर थीं, लेकिन उन्होंने पासा पलटते हुए आखिरकार 7-5, 4-6, 7-6(2) से जीत दर्ज की। कोलिन्स ने आखिरी 80 मिनटों में पिछड़ने के बाद वापसी की, लेकिन वह कभी भी मैच प्वाइंट तक नहीं पहुंच सकीं और अंतिम 11 में से 9 अंक गंवा बैठीं। यह मुकाबला आईजीए स्टेडियम में खेला गया।

मुकाबला जीतने के बाद कोको गॉफ ने कहा, मैं अच्छी प्रैक्टिस कर रही थी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इस मैच में उस तैयारी के अनुरूप खेल सकी। उम्मीद है कि मैंने टूर्नामेंट का अपना खराब मैच जीत लिया है। डेनिएल शानदार बॉल स्ट्राइकर हैं। मैंने जितनी बार उनकी सर्विस ब्रेक की, उससे मुझे कुछ सकारात्मक बातें सीखने को मिलेंगी। अब गॉफ का अगला मुकाबला पूर्व टॉप-10 खिलाड़ी वेरोनिका कुडरमेतोवा से होगा। पूर्व वर्ल्ड नंबर 9 कुडरमेतोवा ने दूसरे राउंड में नंबर 29 सीड ओल्गा डानिलोविच को 6-4, 6-2 से हराया था। दूसरी ओर, आओई इतो ने सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए 7वीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को 2 घंटे 27 मिनट में 2-6, 7-5, 7-6(5) से हरा दिया। दुनिया की 110वें नंबर की खिलाड़ी एक सेट और 4-1 से पिछड़ रही थीं। दूसरे सेट में 5-4 से पिछड़ने के बाद उन्होंने एक मैच प्वाइंट बचाया। इतो अब तीसरे दौर में जेसिका बूजास मानेरो से भिड़ेंगी।

आओई इतो ने 2025 की शुरुआत में कैनबरा में अपना पहला डब्ल्यूटीए 125 खिताब जीता और मई में शीर्ष 100 में जगह बनाई। हालांकि, सीजन में उन्होंने इस

हफ्ते केटी वोलिनेट्स पर पहले दौर की जीत तक कोई टूर-स्तरीय मैच नहीं जीता था। यह डब्ल्यूटीए 1000 मेन ड्रॉ में उनकी पहली जीत भी थी। इससे पहले, बियांका एंड्रेस्कू अपने घरेलू डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में बाएं टखने की चोट के कारण दूसरे दौर के मैच से हट गईं। उनकी प्रतिद्वंद्वी, चौथी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा, वॉकओवर के जरिए तीसरे दौर में पहुंच गईं।

भारत बनाम इंग्लैंडः

अगर पांचवां टेस्ट नहीं खेले जसप्रीत बुमराह, तो कुछ ऐसी हो सकती है प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली, एजेंसी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट में नहीं खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए उन्हें इस मैच में नहीं खेलने की सलाह दी है। बुमराह ने इस सीरीज में अब तक तीन मैचों में 14 विकेट लिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पांच मुकाबलों की सीरीज में भारत के 1-2 से पिछड़ने के बावजूद, टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं ने मूल योजना के अनुसार ही आगे बढ़ने का फैसला किया है। सीरीज से पहले ही स्पष्ट कर दिया गया था कि बुमराह पांच में से सिर्फ तीन ही टेस्ट खेलेंगे। बुमराह ने हेडिंग्ले में पहला टेस्ट खेला, लेकिन एजबेस्टन में दूसरा टेस्ट नहीं खेले। इसके बाद लॉर्ड्स और ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में बुमराह मैदान पर उतरे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को बताया कि उन्हें इस सुझाव पर विचार करना चाहिए, क्योंकि यह उनकी पीठ की सुरक्षा और दीर्घकालिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए है। बुमराह इस सीरीज में धीमी और सपाट पिचों पर गेंदबाजी के लिए मजबूर हुए, जिससे उनका वर्कलोड बढ़ गया। चौथे टेस्ट में उन्होंने 33 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 112 रन देकर दो विकेट लिए। बीसीसीआई की मेडिकल टीम का मानना है कि उन्हें आराम देने से लंबे समय में फायदा होगा। अगर जसप्रीत बुमराह निर्णायक टेस्ट में नहीं उतरते, तो मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी को लीड

करते नजर आ सकते हैं। जसप्रीत बुमराह के स्थान पर अर्शदीप सिंह को टेस्ट में डेब्यू का मौका मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अर्शदीप हाथ की चोट से उबर गए हैं। अगर आकाश दीप फिट रहे, तो इस जोड़ी का साथ दे सकते हैं।

ऋषभ पंत चोटिल होने के बाद सीरीज के अंतिम मैच से बाहर हो चुके हैं। उनके स्थान पर भले ही एन जगदीशन को टीम में शामिल किया गया, लेकिन अंतिम एकादश में दाएं हाथ के विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल नजर आ सकते हैं। दूसरी ओर, अंशुल कंबोज और शार्दुल ठाकुर को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा जा सकता है। कुलदीप यादव भी प्रैक्टिस सेशन में जमकर पसीना बहाते नजर आए हैं। तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर के स्थान पर इस स्पिनर को मौका दिया जा सकता है।

पांचवें टेस्ट के लिए भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन को देखा जाए, तो यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल बतौर सलामी बल्लेबाज नजर आएंगे, जबकि साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। विकेटकीपिंग का जिम्मा ध्रुव जुरेल के पास हो सकता है। रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर गेंद और बल्ले से अपनी चमक बिखरने में सक्षम हैं। तेज गेंदबाजी का भार आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज के कंधों पर डाला जा सकता है, जबकि कुलदीप यादव को स्पिन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

आपस में हुआ झगड़ा तो गर्लफ्रेंड को छठी मंजिल से धक्का दिया, नरेला में लड़की की मौत

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के नरेला इलाके में मनसा अपार्टमेंट में पार्टी के दौरान कहासुनी के बाद बीटेक इंजीनियर ने अपनी गर्लफ्रेंड को छठी मंजिल से धक्का दे दिया। पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया है। पुलिस ने हत्या की धारा में केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस युवती के परिजनों के आने के इंतजार कर रही है। उधर ,मामले के कुछ चश्मदीदों के भी बयान दर्ज किए हैं। जानकारी के मुताबिक, युवती यूपी के अलीगढ़ की रहने वाली थी, जबकि आरोपी दीपक पटना का रहने वाला है। वह बीटेक इंजीनियर है। वह दिल्ली में एक निजी कंपनी में काम करता है। नरेला पुलिस को सुबह करीब साढ़े पांच बजे मनसा अपार्टमेंट से जानकारी मिली कि एक लड़की नीचे गिरी है, जिसके सिर से खून निकल रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि उसकी मौत हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में भेजा गया और स्थानीय लोगों से पूछताछ करने पर पता चला कि दीपक नाम का इंजीनियर अपने एक दोस्त के साथ करीब एक महीने से किराए पर रह रहा था। यहां युवती कभी-कभार मिलने के लिए आती जाती रहती थी। हालांकि वह कहां रहती थी, इसका किसी को नहीं पता है। बहरहाल, पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आखिरकार ऐसी कौन सी बात थी, जिसपर वह इतना गुस्सा हो गया था कि उसने गर्लफ्रेंड को धक्का देकर मार डाला। आरोपी दीपक से पूछताछ में पता चला कि पिछले कुछ समय से दोनों एक दूसरे से जुड़े थे। अक्सर एक दूसरे से मिलने के लिए आते-जाते थे। सोमवार रात दोनों पार्टी कर रहे थे, तभी किसी बात को लेकर दोनों बीच विवाद हो गया। दीपक ने यवुती को इमारत की छटी मंजिल से धक्का दे दिया था। वहीं न्यू अशोक नगर में 37 वर्षीय तबस्सुम ने लिव-इन पार्टनर से झगड़े के बाद फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मामले की जांच जारी है। डीसीपी अभिषेक धानिया के मुताबिक, ए-435 पहली मंजिल पर एक महिला द्वारा आत्महत्या की सूचना मिली थी। दरवाजा अंदर से बंद था। शव पंखे से लटका मिला। तबस्सुम पिछले 7-8 साल से अपने पति असमत अली से अलग रह रही थी और न्यू अशोक नगर में विशाल गुप्ता के साथ लिव-इन में थी।

राष्ट्रीय ग्रामीण साक्षरता मिशन के नाम पर करोड़ों की ठगी का खुलासा, कारोबारियों को दिया यह झांसा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने सरकारी योजना के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी के मामले में एक महिला और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई आरोपी अनीता उपाध्याय और उसके साथी करुणाकर उर्फ रत्नाकर उपाध्याय पर भारत सरकार के राष्ट्रीय ग्रामीण साक्षरता मिशन (आरजीएसएम) के नाम पर देशभर के कारोबारियों से ठगी करने का आरोप है। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों ने आरजीएसएम के नाम से फर्जी वेबसाइट बनाई और अलग-अलग राज्यों में कार्यालय खोलकर कारोबारियों को टेंडर दिलाने का झांसा दिया। आरोपी स्कूल यूनिफॉर्म, बैग, मेडिकल किट जैसे सामान की आपूर्ति के नाम पर रजिस्टर्ड करने और करोड़ों के टेंडर दिलाने का लालच देते थे। इसी बहाने उन्होंने दर्जनों कारोबारियों से भारी रकम ठगी। ईओडब्लू को इस मामले में कैप्टन शिवेंद्र सिंह बख्शी, एम के राजेंद्रन, ई कृष्णा राव समेत कई लोगों की शिकायतें मिली थीं। पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि इस फर्जीवाड़े में एक मंत्रालय के कर्मचारी की भूमिका भी संदिग्ध है, जो टेंडर प्रक्रिया में लेन-देन का बिचौलिया बना हुआ था। पुलिस मंत्रालय कर्मचारी की भूमिका का पता लगा रही है। जांच में सामने आया कि रत्नाकर ने आरजीएसएम नाम से वेबसाइट बनाई और अनीता ने आरजीएसएम के नाम से बैंक खाता खोला। आरोपी पीड़ितों से पैसे इस खाते में ट्रांसफर कराते थे। ट्रस्ट के नाम से खुले खाते से रत्नाकर ने 3.5 करोड़ रुपये निकाले, जो निजी खर्च में इस्तेमाल हुए। अनीता इस फर्जी ट्रस्ट की प्रमुख थी और ट्रांजेक्शन की लाभार्थी भी पाई गई। जिसे ठगों ने खपाने की कोशिश की।

1954 के बाद पहली बार रात में महिलाएं करेंगी काम

नईदिल्ली, एजेंसी।
देश की राजधानी दिल्ली, जिसकी रफ्तार कभी थमती नहीं, अब अपनी महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने का कानूनी हक देने जा रही है। मंगलवार को दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसले में महिलाओं को दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में रात की शिफ्ट में काम करने की अनुमति देने के लिए कानून में बदलाव को मंजूरी दी। यह पहली बार है जब 1954 के बाद दिल्ली में महिलाओं के लिए रात का कामकाज कानूनी और सुरक्षित होगा। दिल्ली सरकार ने इस बदलाव को लागू करने के लिए कड़े सुरक्षा नियम बनाए हैं। महिलाओं के लिए सुरक्षित परिवहन, वर्क प्लेस पर व्यापक सीसीटीवी निगरानी और महिला सुरक्षा गार्ड की तैनाती अनिवार्य होगी। इसके अलावा, कर्मचारियों की सहमति और रात की शिफ्ट न करने की स्थिति में बर्खास्तगी से सुरक्षा जैसे कानूनी प्रावधान भी शामिल हैं। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने भी महिलाओं पर रात की शिफ्ट में काम करने की व्यापक पाबंदियों को खारिज करते हुए कहा था कि सरकार का काम सुरक्षा सुनिश्चित करना है, न कि महिलाओं को काम से रोकना। पूर्व चीफ जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़ ने कहा था, पायलट, सेना के जवान और अन्य लोग रात

में काम करते हैं। महिलाओं को क्यों रोका जाए? मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस नीति को दिल्ली को 24 घंटे चलने वाला बिजनेस हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा, यह कदम न केवल महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देगा, बल्कि दिल्ली को कारोबारी सुगमता के मामले में भी आगे ले जाएगा। इस प्रस्ताव को अब उपराज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। फिलहाल दिल्ली शॉप्स एंड एस्टैब्लिशमेंट एक्ट, 1954 की धारा 14, 15 और 16 के तहत गर्मियों में रात 9 बजे से सुबह 7 बजे तक और सर्दियों में रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक महिलाओं के काम पर रोक है। नए संशोधन इन पाबंदियों को हटाकर रिटेल स्टोर, सैलून, शोरूम, कॉल सेंटर, आईटी कंपनियों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में महिलाओं को रात में काम करने की अनुमति देंगे। महिलाओं को रात की शिफ्ट में तभी काम करना होगा, जब वे लिखित सहमति दें। नियोक्ताओं को सुरक्षित परिवहन, महिला गार्ड, सीसीटीवी, अच्छी रोशनी वाले पिक-अप और ड्रॉप पॉइंट, साफ रेस्टरूम, लॉकर और पीओएसएच एक्ट के तहत आंतरिक शिकायत समितियों जैसे नियमों का पालन करना होगा। सेफ्टीपिन की कोफाउंडर कल्पना विश्वनाथ ने इस नीति को स्वागत योग्य बताया, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि बुनियादी ढांचे का सख्ती से विकास जरूरी है। उन्होंने कहा, केवल कार्यस्थल ही नहीं, परिवहन के दौरान भी सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। पिक-अप और ड्रॉप पॉइंट्स पर पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा जरूरी है। वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान ने मौजूदा प्रतिबंधों को पितृसत्तात्मक करार देते हुए कहा, महिलाओं को रात में काम करने से रोकने वाले कानून उनकी करियर पसंद, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक स्थिति को सीमित करते हैं। यह कदम सरकार की जिम्मेदारी लेने की इच्छाशक्ति दिखाता है। तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और हरियाणा जैसे राज्यों ने पहले ही महिलाओं को रात की शिफ्ट में काम करने की अनुमति दे दी है। दिल्ली का यह कदम न केवल कारोबारी सुगमता को बढ़ाएगा, बल्कि सेवा क्षेत्रों जैसे आईटी, बीपीओ और हॉस्पिटैलिटी में महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी खोलेगा। कल्पना विश्वनाथ ने कहा, इस नीति की असली परीक्षा इसके अमल में होगी। बिना जवाबदेही के महिलाएं असुरक्षित रहेंगी। लेकिन सही समर्थन के साथ, यह बदलाव का एक शक्तिशाली पल हो सकता है। यह प्रस्ताव अब उपराज्यपाल की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। मंजूरी मिलने के बाद, रात की शिफ्ट में महिलाओं को नियुक्त करने वाले प्रतिष्ठानों को अनुपालन का वचन देना होगा और उनके निरीक्षण भी हो सकते हैं।

दिल्ली सरकार ने कारोबारियों और उद्योगपतियों को दी राहत, फैक्ट्रियों को निगम से लाइसेंस से छूट

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में अपना बिजनेस करने की सोच रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। दिल्ली सरकार ने कारोबारियों और उद्योगपतियों को राहत देने के लिए एक बड़ा महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब दिल्ली सरकार एवं डीएसआईआईडीसी द्वारा मान्यता प्राप्त औद्योगिक क्षेत्र में फैक्ट्रियों को नगर निगम से लाइसेंस नहीं लेना होगा।

दिल्ली सरकार ने इस कदम को कारोबार करने को आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय बताया है। सरकार द्वारा किए गए बदलाव के तहत यदि किसी फैक्ट्री के पास एमएसएमई उद्यम पंजीकरण अथवा जीएनसीटीडी/ डीएसआईआईडीसी का अलॉटमेंट लेटर या लीज डीड है तो वहीं दस्तावेज अब धारा 416/417 दिल्ली नगर निगम अधिनियम (एमसीडी) के अंतर्गत फैक्ट्री लाइसेंस के रूप में मान्य होगा। इससे उद्योगों को न केवल अनावश्यक कागजी प्रक्रिया से छुटकारा मिलेगा, बल्कि लाइसेंसिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी।

सरकार का मानना है कि यह सुधार दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्रों में व्यापारिक वातावरण को और अधिक सुगम व व्यवस्थित बनाएगा। उद्योगों से जुड़े संगठनों और व्यापारिक संगठनों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है कि यह कदम उद्यमिता को प्रोत्साहित करेगा और छोटे-छोटे व्यवसायों के लिए भी राहतकारी सिद्ध होगा।

वहीं, दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बैंकिंग, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और गैस आपूर्ति सेवाओं को लोक उपयोगी सेवा के तौर पर शामिल करने की मंजूरी दे दी है। इस कदम से स्थायी लोक अदालतों के माध्यम से इन सेवाओं से संबंधित विवादों का जल्द समाधान संभव होगा।

राजनिवास के मुताबिक दिल्ली सरकार के कानून विभाग की ओर से इस आशय का प्रस्ताव भेजा गया था। इस कदम से स्थायी लोक अदालतों को इन मामलों का निपटारा करने का अधिकार मिल जाएगा। इससे नियमित अदालतों का बोझ भी कम होगा।

दिल्ली में अवैध स्टोर कर रखीं 1.3 करोड़ की दवाएं जब्त; पूरे शहर में पड़ेंगे छापे

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के पश्चिम विहार क्षेत्र में मंगलवार को ड्रग्स कंट्रोल विभाग छापेमारी से हड़कंप मच गया। विभाग ने इस छापेमारी में 1.30 करोड़ की दवाएं जब्त की है। इन दवाओं का बिना अनुमति के अवैध रूप से भंडारण किया गया था। विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इन दवाओं का स्टॉक बिना वैध लाइसेंस के बिक्री और वितरण के लिए किया गया था।

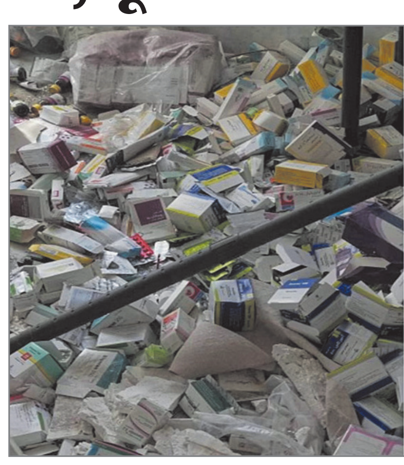

छापेमारी की इस कार्रवाई पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कि नकली और एक्सपायरी दवाओं पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए दिल्ली सरकार पूरे शहर में तलाशी अभियान चलाएगी। जनता तक सुरक्षित, असली और गुणवत्तायुक्त दवाएं पहुंचाने के लिए यह कार्रवाई अब और वृहद स्तर पर की जाएगी। दरअसल, ड्रग्स कंट्रोल विभाग को इंटेलीजेंस सेल से सूचना मिली की पश्चिम विहार इलाके में बड़े स्तर पर दवा का अवैध भंडारण किया गया है। सटीक सूचना में बताया गया कि बिना लाइसेंस के दवाओं के भंडारण और सप्लाई का यह पूरा नेटवर्क एक आवासीय परिसर से संचालित किया जा रहा है। इसके बाद ड्रग्स कंट्रोल विभाग की एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने इस आवासीय परिसर में छापामार कार्रवाई की। इस दौरान टीम को बड़ी मात्रा में नामचीन ब्रांड की दवाएं मिली। विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इन दवाओं का स्टॉक बिना वैध लाइसेंस के किया गया था। वहां मौजूद व्यक्ति वैध लाइसेंस या दवाओं के खरीद-बिक्री से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। विभाग के अधिकारी ने बताया कि इन दवाओं में ज्यादातर ऐसी हैं जो डॉक्टर्स की ओर से लिखीं जाती हैं और बाजार में इनकी मांग ज्यादा रहती है। ड्रग्स कंट्रोल अधिनियम का उल्लंघन किए जाने के इस मामले में दवाओं को जब्त कर लिया गया है। अब भंडारण करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ड्रग्स कंट्रोल विभाग ने दवाओं के नमूने एकत्रित कर सरकारी विश्लेषक को गुणवत्ता जांच के लिए भेजे हैं। इसके साथ ही प्रामाणिकता की पुष्टि के लिए कुछ नमूने संबंधित दवाओं के मैन्युफैक्चरर्स को भी भेजे गए हैं। बाकी स्टॉक को कानूनी प्रक्रिया के तहत जब्त कर लिया गया है और न्यायालय से इसकी जब्ती के लिए जरूरी अनुमति भी ले ली गई है।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के सभी 15 अंडरपास में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

नईदिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद के यूपी गेट से डासना तक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (डीएमई) के सभी 15 अंडरपास पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इनकी मदद से ट्रैफिक कंट्रोल करने के साथ ही नियम तोड़ने वाले वाहनों का चालान किया जाएगा। पुलिस हर गतिविधि पर नजर रख सकेगी।

मेरठ एक्सप्रेसवे पर यातायात को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए यातायात पुलिस ने अंडरपास में सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रस्ताव दिया है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने प्रस्ताव मिलने पर कैमरे लगाने के लिए सर्वे शुरू करा दिया। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इसे मंजूरी के लिए मंत्रालय को भेजा जाएगा। सीसीटीवी कैमरे लगने से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों की निगरानी रखी जा सकेगी। कैमरों लगने के बाद एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा बेहतर होगी। निगरानी के लिए लाल कुआं पर पुलिस बूथ बनेगा – एनएचआई के अधिकारियों ने बताया कि लालकुआं के पास हाईवे और एक्सप्रेसवे की निगरानी के लिए पुलिस बूथ खोला जाएगा। एनएचएआई बूथ तैयार कराएगा। बूथ खुलने के बाद कोई भी सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच जाएगी। यह बूथ स्थाई बनाया जाएगा।

मेरठ एक्सप्रेसवे पर पहले से लगे हैं कैमरे – मेरठ एक्सप्रेसवे के सभी चार खंड पर पहले से कैमरे लगे हैं। कैमरों को डासना में बने कंट्रोल रूम से जोड़ा है। कैमरों की मदद से हर वाहन पर नजर रखी जा रही है। यातायात के नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों का चालान किया जा रहा। अरविंद कुमार, परियोजना निदेशक, एनएचएआई, मेरठ एक्सप्रेसवे के सभी अंडरपास पर कैमरे लगाए जाएंगे। ट्रैफिक पुलिस ने यह प्रस्ताव दिया है। कैमरे लगाने की डीपीआर तैयार कर मंजूरी के लिए मंत्रालय को भेजी जाएगी। मंजूरी मिलते ही कैमरे लगाने का काम शुरू करा दिया जाएगा।

डेमोक्रेट्स को अब जागने की जरूरत, अमेरिकी संसद में अपनी ही पार्टी पर भड़के सीनेटर कोरी बुकर

वॉशिंगटन, एजेंसी।
न्यूजर्सी से डेमोक्रेट सीनेटर कोरी बुकर मंगलवार को अमेरिकी संसद में अपनी ही पार्टी के सहयोगियों पर भड़क गए। बुकर ने सार्वजनिक तौर पर अपनी पार्टी के नेताओं को चेतावनी दी और कहा कि अब डेमोक्रेट्स को जागने की जरूरत है। बुकर ने पुलिस कार्यक्रमों को धन मुहैया कराने वाले कई द्विदलीय विधेयकों को पारित होने से रोक दिया। इस दौरान बुकर अपने दो डेमोक्रेटिक सहयोगियों पर गुस्से से चिल्लाए भी। बुकर ने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन डेमोक्रेटिक झुकाव वाले राज्यों को कानून प्रवर्तन के लिए मिलने वाली फंडिंग को रोक रही है।

बुकर ने कहा कि अमेरिका में डेमोक्रेट्स के साथ अभी यही समस्या है। क्या हम डोनाल्ड ट्रंप के साथ मिलीभगत करने को तैयार हैं। मानसिक स्वास्थ्य संसाधन और पुलिस अधिकारियों के लिए अन्य सहायता नामक विधेयकों को सीनेट में जबरदस्त द्वि-दलीय समर्थन मिला। मंगलवार को जब कॉर्टेज मास्टो ने सात द्विदलीय विधेयकों को सर्वसम्मति से पारित करने का प्रयास किया। इस पर कोरी बुकर ने उन सात में से पांच विधेयकों पर आपत्ति जताई, जो कानून प्रवर्तन एजेंसियों को संसाधन प्रदान करते। उनका तर्क था कि ट्रंप प्रशासन न्यू जर्सी जैसे कई डेमोक्रेटिक-झुकाव वाले राज्यों में जन सुरक्षा अनुदानों को रद्द कर रहा है।

बुकर ने नाराज होते हुए हम राष्ट्रपति ट्रंप की राजनीति में खेल रहे हैं और मेरे जैसे राज्यों के अधिकारियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। क्या हम इसे रोकने के लिए कुछ करेंगे? बुकर ने कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी को जागने की ज़रूरत है! मैं देख रहा हूँ कि कानूनी कंपनियां राष्ट्रपति के सामने घुटने टेक रही हैं और अपने सिद्धांतों से भी समझौता कर रही हैं। साथ ही विश्वविद्यालय, जो अभिव्यक्ति की आजादी का गढ़ होने चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया की अंतरिक्ष उड़ान पर ग्रहण

केपटाउन, एजेंसी।
ऑस्ट्रेलिया निर्मित पहला रॉकेट धरती से अंतरिक्ष में पहुंचने का प्रयास करते समय बुधवार को उड़ान भरने के मात्र 14 सेकंड बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। 'गिल्मर स्पेस टेक्नोलॉजीज द्वारा प्रक्षेपित रॉकेट एरिस ऑस्ट्रेलिया में तैयार किया गया और निर्मित किया गया पहला कक्षीय प्रक्षेपण रॉकेट था जो देश से प्रक्षेपित हुआ। इसे क्वींसलैंड प्रांत के उत्तर में स्थित छोटे से शहर बोवेन के पास एक अंतरिक्ष केंद्र से स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह एक परीक्षण उड़ान में प्रक्षेपित किया गया।

ऑस्ट्रेलियाई समाचार माध्यमों द्वारा प्रसारित वीडियो में 23 मीटर ऊंचा रॉकेट प्रक्षेपण टावर से ऊपर उठता हुआ दिखाई दिया और फिर ये ओझल हो गया। घटनास्थल के ऊपर धुएं का गुबार उठता देखा गया। इस दौरान कोई घायल नहीं हुआ। 'गिलमोर स्पेस टेक्नोलॉजीज ने पहले मई और फिर इस महीने की शुरुआत में रॉकेट के प्रक्षेपण की योजना बनाई थी, लेकिन तकनीकी समस्याओं और खराब मौसम के कारण उन कार्यों को रद्द कर दिया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एडम गिलमोर ने एक बयान में कहा कि उन्हें खुशी है कि रॉकेट ने लॉन्चपैड से उड़ान भरी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'लिंक्डइन पर लिखा, ''अगर यह कुछ और समय उड़ता तो निश्चित रूप से मुझे ज़्यादा अच्छा लगता लेकिन मैं इससे खुश हूं।

फिलहाल एक दूसरे पर टैरिफ नहीं बढ़ाएंगे चीन- अमेरिका, अंतिम फैसला लेंगे डोनाल्ड ट्रंप

स्टॉकहोम , एजेंसी।
चीन और अमेरिका फिलहाल एक-दूसरे पर टैरिफ नहीं बढ़ाने पर सहमत हो गए हैं। सहमति बनी है कि वर्तमान व्यवस्था के अनुरुप अमेरिका चीनी वस्तुओं पर 30 प्रतिशत कर लगाएगा, वहीं चीन अमेरिकी उत्पादों पर 10 प्रतिशत शुल्क वसूलेगा। स्टॉकहोम में दो दिनों की वार्ता के बाद यह सहमति बनी। हालांकि किसी बड़ी सफलता की घोषणा नहीं की गई।

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि 12 अगस्त को समाप्त हो रहे व्यापार युद्ध विराम को आगे बढ़ाने या 100 प्रतिशत से अधिक टैरिफ लगाने पर अंतिम फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लेंगे। अमेरिकी वित्त मंत्री स्काट बेसेंट ने बताया कि व्यापार युद्धविराम को आगे बढ़ाने या न बढ़ाने के बारे में अंतिम निर्णय ट्रंप का होगा। बेसेंट ने कहा कि संभवत– 90 दिनों में अमेरिकी और चीनी अधिकारियों के बीच एक और बैठक होगी।

स्वीडिश प्रधानमंत्री के कार्यालय रोसेनबैड में वार्ता के बाद अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने कहा, हम उन्हें रिपोर्ट देंगे। निश्चित रूप से हमारी बैठकें रचनात्मक रहीं, लेकिन निर्णय ट्रंप लेंगे। हो सकता है कि टैरिफ लगाने पर रोक 90 दिन के लिए और बढ़ा दिया जाए।

चीन के शीर्ष व्यापार वार्ताकार ली चेंगगांग ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच रचनात्मक चर्चा हुई। दोनों देशों ने टैरिफ को वर्तमान स्तर पर रखने पर सहमति जताई है। ली ने यह भी कहा कि दोनों पक्षों ने आर्थिक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। दोनों देशों ने व्यापार

और आर्थिक मुद्दों पर एक-दूसरे के साथ संवाद बनाए रखने पर सहमति जताई है। चीनी और अमेरिकी के व्यापार अधिकारी सोमवार और मंगलवार को स्वीडन की राजधानी में व्यापार वार्ता में शामिल हुए। इसका उद्देश्य टैरिफ पर गतिरोध समाप्त करना था।

वार्ता के पहले दिन सोमवार को स्वीडेन के प्रधानमंत्री कार्यालय में बंद दरवाजों के पीछे लगभग पांच घंटे तक बातचीत चली। मंगलवार को वार्ता फिर से शुरू होने से पहले, स्वीडिश प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने अमेरिकी वित्त मंत्री स्काट बेसेंट और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर के साथ मुलाकात की। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अप्रैल में कई देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद से, अमेरिका ने ब्रिटेन, जापान और यूरोपीय संघ सहित अपने कुछ प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ टैरिफ समझौते किए हैं।

अप्रैल में अमेरिका-चीन टैरिफ विवाद चरम पर था: गौरतलब है कि अप्रैल में अमेरिका-चीन टैरिफ विवाद चरम पर था। मई में जिनेवा में द्विपक्षीय वार्ता के दौरान दोनों पक्ष तनाव कम करने और 90 दिनों के लिए एक-दूसरे पर 100 प्रतिशत से अधिक टैरिफ लगाने से पीछे हट गए थे। यह समय सीमा 12 अगस्त को समाप्त होने वाली है। -

टिकटॉक मुद्दे पर नहीं हुई बात –बेसेंट: रायटर के अनुसार अमेरिकी वित्त मंत्री स्काट बेसेंट ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता दूरगामी रही, लेकिन शार्ट वीडियो एप टिकटाक के भविष्य के साथ-साथ ताइवान मसले पर चर्चा नहीं हुई। बेसेंट का कहना है कि अगर चीन रूसी तेल खरीदना जारी रखता है तो उसे उच्च टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है। बेसेंट कहा कि उन्होंने चीनी अधिकारियों से कहा है कि प्रतिबंधित रूसी तेल पर अमेरिकी टैरिफ कानून को देखते हुए अगर बीजिंग रूसी तेल की खरीद जारी रखता है, तो उसे उच्च टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है।

सखी बहिनपा मैथिलानी समूह ने मनाया मधुश्रावणी उत्सव सह सखी दिवस

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सखी बहिनपा मैथिलानी समूह बोकारो इकाई द्वारा मंगलवार अपराह्न सेक्टर 4 सिटी सेंटर में मधुश्रावणी उत्सव सह सखी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। सखी बहिनपा, बोकारो इकाई अध्यक्ष अमिता झा, महासचिव उषा झा, सांस्कृतिक प्रभारी जयंती पाठक, कोषाध्यक्ष सुजाता झा, मीडिया प्रभारी संजीता भुवनेश व रेखा झा सहित अन्य सदस्याओं की सक्रिय सहभागिता से आयोजित इस कार्यक्रम में गीत, संगीत, नृत्य व गेम के साथ ही कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुई जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। महासचिव उषा झा ने स्वागत भाषण में सभी को मधुश्रावणी उत्सव व सखी दिवस की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ इंदिरा झा, अमिता झा, किरण मिश्रा, लीला झा व मंजू कुमार द्वारा दीप प्रज्जवलन से हुआ। सभी ने महाकवि विद्यापति रचित भगवती वंदना गोसाओनिक गीत जय जय भैरवि... की सुमधुर प्रस्तुति की। जय-जय भैरवि गीत पर जया ने मनोहारी नृत्य प्रस्तुति से सबकी प्रशंसा पाई। किरण झा, अमिता झा, लीला झा, इंदिरा झा, पूनम झा व आशा पाठक ने बाबा वैद्यनाथ हम आयल छी भिखरिया..., पूनम झा ने दूर देखल सखी बड़ त्रिपुरारी गे सखी भंगिया भिखारी., उषा झा, जयंती पाठक, रेखा झा, संजीता भुवनेश व सुजाता झा ने कजरी हरे रामा भादो रैन अंधियारी बदरिया कारी हे हरी.. सुनाकर सभी को आनंदित किया। कार्यक्रम में बीनू चौधरी सावन क्वीन चुनी गयीं जबकि पद्मा चौधरी उपविजेता रहीं। पूनम झा को बेस्ट पर्सनैलिटी अवॉर्ड से नवाजा गया। डाला सजाओ प्रतियोगिता में रेखा झा प्रथम स्थान पर रहीं जबकि संजीता भुवनेश द्वितीय व कल्याणी तृतीय स्थान पर रहीं। गेम स्पर्धा में रेखा झा को प्रथम, बीनू चौधरी को द्वितीय व जयंती पाठक को तृतीय स्थान मिला। इस अवसर पर रुबी ठाकुर, सुनीता झा, मीरा झा, रीता झा, शारदा चौधरी, रीमा आदि उपस्थित रहीं।

झारखंड मुक्ति मोर्चा धनबाद इकाई का मिलन सह सम्मान समारोह संपन्न

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) धनबाद जिला का कार्यकर्ता मिलन सह सम्मान समारोह आज द वेडिंग वेल्स होटल एंड रिसोर्ट, बारामुड़ी में बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष लक्खी सोरेन ने की, जबकि संचालन की ज़िम्मेदारी जिला सचिव मन्नू आलम ने निभाई। इस अवसर पर विशेष रूप से सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक सह टुंडी विधायक माननीय मथुरा प्रसाद महतो जी उपस्थित रहे। समारोह में झामुमो केंद्रीय समिति के सदस्य, जिला समिति के पदाधिकारी, महानगर समिति के पदाधिकारी, विभिन्न वर्ग संगठन के पदाधिकारी तथा प्रखंड समिति के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को पारंपरिक गमछा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। वहीं जिलाध्यक्ष लक्खी सोरेन ने संबोधित करते हुए कहा झामुमो जिला समिति सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों का हृदय से अभिनंदन करती है। हम सबका दायित्व है कि मिलकर संगठन को और मजबूत बनाएं तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक जनता तक पहुंचाएं। मुख्य सचेतक सह टुंडी विधायक माननीय मथुरा प्रसाद महतो ने कहा संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई पंचायत, वार्ड और बूथ समितियां हैं। इन्हें सशक्त बनाना हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए। सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी माध्यम संगठन ही है। मैं हमेशा कार्यकर्ताओं के साथ हूं और जहां भी मेरी जरूरत होगी, उपस्थित रहूंगा। जिला सचिव मन्नू आलम ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया सभी मंच/मोर्चा के पदाधिकारी जल्द से जल्द अपनी समितियों का पूर्ण गठन करें। संगठन की धार आपके सामूहिक प्रयास और एकजुटता से और पैनी होगी।

संक्षिप्त समाचार

विश्व आयुर्वेद परिषद ने महर्षि चरक जयंती समारोह मनाया

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व आयुर्वेद परिषद झारखंड इकाई द्वारा जिला संयुक्त औषधालय धनबाद के सभागार में महर्षि चरक जयंती समारोह मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मिसेस कुमकुम तथा विशिष्ट अतिथि धनबाद जिला आयुर्वेद चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अमरेंद्र पाठक थे। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। अतिथियों व उपस्थित अन्य ने महर्षि चरक की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित किया। मुख्य अतिथि डॉ मिसेस कुमकुम ने कहा की चिकित्सा के क्षेत्र में महर्षि चरक के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। अध्यक्षता विश्व आयुर्वेद परिषद झारखंड इकाई के अध्यक्ष आरएस तिवारी ने की। संचालन प्रदेश सचिव डॉ. टीके साहा तथा धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष डॉ. बीके कश्यप ने किया। मौके पर डॉ. बीके गोस्वामी, डॉ सीपी दुबे, डॉ एन सी बिस्वास, डॉ संजय तिवारी, डॉ योगेंद्र प्रसाद, डॉ कुणाल, डॉ डी के लाल, डॉ आर के गोस्वामी, डॉ मनीनाथ, डॉ एम साहू, डॉ विकास रमन, डॉ जयश्री कुमारी, डॉ कविता, डॉ प्रियंका, डॉ श्रुति, डॉ रेणु, डॉ नीरज पांडे, डॉ अतुल पांडेय, डॉ कलीम अहमद आदि थे।

हथियार सहित तीन युवक चढ़े पुलिस के हत्थे

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएस सिटी थाना क्षेत्र के सेक्टर तीन में आपसी गुटबाजी को लेकर मारपीट की घटना को अंजाम देने से पहले एसपी को मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस के साथ तीन युवकों को पकड़ने में कामयाबी पाई है। सेक्टर तीन से मनु राय उर्फ मनु भूमिहार और हर्षित कुमार को हिरासत में लिया गया है। मनु राय की माँ जैप में जबकि पिता आरपीएफ में नौकरी करते हैं। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को थाना लाने के बाद बाइक से आए उसके एक सहयोगी को थाना के मुंशी विजय कुमार ने दौड़ा का हथियार के साथ दबोच लिया। पकड़े गए मुकुल ठाकुर के पास से एक देसी कट्टा,एक जिंदा गोली और एक धारदार भुजली को बरामद किया है गिरफ्तार मुकुल ठाकुर के बुलेट मोटरसाइकिल को भी पुलिस ने जप्त किया है। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि मनु राय के ऊपर बोकारो स्टील सिटी थाने में तीन अलग-अलग धाराओं में पहले से मामला दर्ज है। गिरफ्तार तीनों युवक गुटबाजी को लेकर दूसरे कर में मारपीट कर घटना को अंजाम देने के फिराक में थे। घटना होने से पूर्व पुलिस ने सभी को पकड़ कर घटना को होने से पूर्व टाल दिया है।

आस्था ज्वेलर्स लूटकांड का सरगना सहित दो गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विगत 23 जून की शाम चास के आस्था ज्वेलर्स में हुए लगभग डेढ़ करोड़ रुपए के लूट कांड में चास पुलिस को फिर से एक बड़ी सफलता मिली है। इस घटना का मुख्य साजिशकर्ता रोनित राय को बिहार के वैशाली जिले के नगर थाना से गिरफ्तार किया गया है। उसके एक अन्य साथी नवीन कुमार को बिहार के सीतामढ़ी जिले के पुपरी थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार दोनों ही अपराधियों के पास से सोने आस्था ज्वेलर्स में लूट गए ज्वेलरी को भी बरामद किया गया है। इसकी जानकारी बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने दी है। एसपी ने बताया कि इस डकैती कांड में पहले भी 7 अपराधियों को जेवरात के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। अनुसंधान के क्रम में एसआईटी के टीम ने बिहार से दोनों अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि आगे भी अनुसंधान जारी है और इसमें और भी सफलता मिल सकती है। एसपी ने बताया कि इन दोनों अपराधियों के पास छोटा बड़ा तीन पीस सोने जैसा दिखने वाला हार, कंगन 5 पीस, 4 पीस मंगलसूत्र, 5 पीस अंगूठी 25 जोड़ी बड़ा कान छोटा कान का टॉप झुमका, चांदी सा दिखने वाला 19 पीस बिछिया और 25 ग्राम तार बरामद किया गया है।

रक्तदान शिविर का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सेंट जेवियर्स स्कूल, बोकारो की 60वीं वर्षगांठ (हीरक जयंती) तथा संत इग्नाशियुस ऑफ लोयोला के पर्व के पावन अवसर पर, बोकारो ओल्ड जेवेरियन्स एसोसिएशन द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन स्कूल परिसर में किया गया। इस सामाजिक पहल में सदर अस्पताल, बोकारो का सहयोग प्राप्त हुआ, जो जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर रोगियों को निःशुल्क रक्त प्रदान करता है। बोक्सा के अध्यक्ष कृष्ण चंद ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य थैलेसीमिया से ग्रसित बच्चों, दुर्घटनाग्रस्त रोगियों और उन गरीब मरीजों के लिए रक्त एकत्र करना है जो महंगे इलाज का खर्च नहीं उठा सकते।

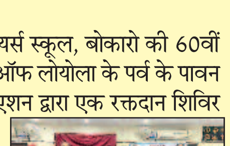

पॉलिटेक्निक कॉलेज खुंटरी का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पिछले दिनों सोशल मीडिया के माध्यम से पॉलिटेकनिक कॉलेज, खुंटरी-जरीडीह के छात्रावास में पेयजल संकट, शौचालय की खराब स्थिति एवं अन्य सुविधाओं की कमी की शिकायत प्राप्त हुई थी। इसी के आलोक में उपायुक्त अजय नाथ झा ने बुधवार को टीम के साथ कॉलेज का निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने कॉलेज के शैक्षणिक माहौल, छात्रावास व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य आधारभूत संरचनाओं का जायजा लिया। वहीं, उपायुक्त ने कॉलेज स्थित सभागार में बैठक भी किया। मौके पर उपस्थित कॉलेज प्राचार्य मनोज कुमार माहतो व अन्य को छात्रों की मूलभूत आवश्यकताओं से कोई समझौता नहीं करने की बात कहीं। उन्होंने सभी आवश्यक संसाधन एवं सुविधा अविलंब उपलब्ध कराने के दिशा में अविलंब कार्य करने को कहा।

स्वच्छता की स्थिति पर जताई नाराजगी

उपायुक्त ने कॉलेज परिसर, क्लास रूम, छात्रावास, शौचालय, खेल मैदान और अन्य हिस्सों की स्थिति को देख स्वच्छता को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। परिसर में झाड़ियां, कूड़ा-कचरा एवं शौचालयों की दुर्व्यवस्था को देख नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने कॉलेज प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिया कि 15 दिनों में समुचित सफाई सुनिश्चित करें। साथ ही, नियमित साफ-सफाई का स्थायी तंत्र विकसित करने को कहा।

वित्तीय पारदर्शिता को ले बीडीओ-सीओ करेंगे जांच

उपायुक्त ने बीडीओ सीमा कुमारी झ सीओ जरीडीह प्रणव ऋतुराज को निर्देश दिया कि वह पिछले तीन वर्षों में कॉलेज को प्राप्त सरकारी आवंटन एवं खर्च का विस्तृत रिपोर्ट कॉलेज प्रबंधन के सहयोग से तैयार करें, उसकी समीक्षा करें। किस मद में कितनी राशि और कहा खर्च हुई है, कितनी राशि सरेंडर हुई है आदि। साथ ही, वर्तमान जरूरतों का आंकलन कर एक समेकित रिपोर्ट एक सप्ताह में जिला को समर्पित करें।

स्वास्थ्य, सुरक्षा और तकनीकी सुविधाओं को लेकर निर्देश

बैठक के क्रम में उपायुक्त ने कॉलेज के छात्रों के समग्र विकास के लिए उपस्थित सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद को निर्देशित किया कि वह कॉलेज में एक नियमित चिकित्सक की व्यवस्था करें। सभी छात्रों का हेल्थ कार्ड बनाएं, नामांकन के बाद ही इसे सुनिश्चित करें। एक मेडिकल रूम तैयार करें, जहां आवश्यकतानुरूप छात्र झ कॉलेज के लेक्चरर/समस्त कर्मी उपचार की सुविधा प्राप्त करेंगे। इसके अलावा, पेयजल समस्या को अविलंब दूर करने, एक विशेष वाई-फाई युक्त स्टडी रूम की स्थापना करने, पुस्तकालय का संचालन सुबह आठ बजे से रात्रि आठ बजे तक सुनिश्चित करने, कक्षा-परिसर - छात्रावास आदि स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा अधिष्ठापित करने - एक माह का बैकअप क्षमता रखने, छात्र झ छात्राओं के छात्रावास में वार्डन की नियुक्ति करने, दिवा-रात्रि 06-06 होमगार्डों की प्रतिनियुक्ति का निर्देश दिया। उपायुक्त ने छात्र-छात्राओं के आउट - इन रजिस्टर तैयार करने - गेट स्लिप देने। बिना अनुमति के कोई भी छात्र झ छात्रा परिसर से बाहर नहीं जाएं यह सुनिश्चित करने एवं सख्ती से इसका पालन करने को कहा। पूरे परिसर में अनुशासन बनाए रखने हेतु टीम गठित करने को कहा। बीडीओ- सीओ -थाना प्रभारी बिपीन चंद्र महतो को नियमित औचक निरीक्षण का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कॉलेज प्रबंधन को आगामी खेल दिवस पर वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता/सांस्कृतिक प्रतियोगित व अन्य गतिविधि का आयोजन करने को कहा, ताकि छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास संभव हो।

छात्र-छात्राओं से किया संवाद, जानी जमीनी हकीकत

उपायुक्त ने कॉलेज में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं विस्तार से सुनीं। छात्राओं ने पेयजल, सफाई, इंटरनेट सुविधा, पुस्तकालय, खेल सामग्री की अनुपलब्धता जैसी कई मुद्दों को सामने रखा। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक बिंदु पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिया और आश्वस्त किया कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

एक अनुशासित और आधुनिक - सुविधा संपन्न संस्थान का निर्माण लक्ष्य

उपायुक्त ने कहा कि शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि एक अनुशासित, प्रेरक और समावेशी वातावरण में ही छात्र अपना संपूर्ण विकास कर सकते हैं। पॉलिटेकनिक कॉलेज जैसे संस्थानों को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आदर्श के रूप में विकसित किया जाना जरूरी है। एक अनुशासित और आधुनिक - सुविधासंपन्न संस्थान का निर्माण लक्ष्य है और प्रशासन इसके लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले दिनों में एक नया बदलाव देखने को मिलेगा। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता राम प्रवेश राम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता अमृत कुमार, जिला योजना पदाधिकारी राज शर्मा, जिला नियोजन पदाधिकारी श्री बम - बैजु, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

मजदूर संगठनों ने बीएसएल विस्तारीकरण के लिए पीएम को पत्र लिखकर अभियान को दिया समर्थन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के सभी ट्रेड यूनियनों ने इसके विस्तारीकरण परियोजना को प्रारंभ करवाने एवं बीजीएच को सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनवाने के लिए प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड लिख कर इसके लिए चलाए जा रहे महाहस्ताक्षर अभियान का समर्थन किया है। अभियान के संयोजक कुमार अमित के पहल पर इंटक के वीरेंद्रनाथ चौबे, किम्स के राजेन्द्र सिंह, एटक के विद्यासागर गिरी एवं रामाश्रय प्रसाद, बीएमएस के रंजय कुमार, बीडू के संदीप कुमार, बीएकेएस के हरिओम एवं बोकारो कर्मचारी पंचायत के रामाकान्त वर्मा, बोकारो मजदूर समाज के राजेश महतो आदि ने प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड लिखा। इनके अलावा रोटरी क्लब के नरेन्द्र सिंह, प्लांट होल्डर एसोसिएशन के राजेन्द्र विश्वकर्मा, सिटी सेंटर ट्रेडर्स एसोसिएशन के ज्योति प्रकाश द्विवेदी एंव बैंकर्स एसोसिएशन के सिद्धेश नारायण दास ने भी प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड लिख कर बोकारो के विकास के लिए इस अभियान में अपने संगठन का समर्थन दिया। इसके पूर्व होमगार्ड, पूर्व सैनिकों, निजी विद्यालयों का एसोसिएशन सहोदया एवं अयप्पा सेवा संगम ने भी इस अभियान का समर्थन किया है। कुमार अमित ने सभी को आगामी 03 अगस्त को सेक्टर 2 कला केन्द्र में इस अभियान के समर्थन में आयोजित होने वाले संगोष्ठी कार्यक्रम में आने का आमंत्रण दिया है। सभी ने इस संगोष्ठी मे शामिल होने की बात कही है। कुमार अमित ने बताया कि बोकारो के विकास और यहाँ के बेरोजगार एवं विस्थापित युवाओं के रोजगार हेतु विस्तारीकरण और बीजीएच के बेहतरी के लिए चलाए जा रहे इस अभियान के तहत सामाजिक संगठनों से मिलने का क्रम जारी रहेगा। अभियान के तहत दो लाख लोग इसके लिए रजिस्टर पर हस्ताक्षर करेगें एवं दस हजार लोग प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड लिख कर अपनी भावनाओं से अवगत करेंगे।

उपायुक्त ने कृषि विज्ञान केन्द्र पेटरवार का किया निरीक्षण

कृषि, पशुपालन, आत्मा, गव्य एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने पेटरवार स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने केवीके सभागार में संबंधित पदाधिकारियों कृषि, आत्मा, पशुपालन, गव्य विकास एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की क्रमवार समीक्षा की और जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

किसानों की आय में वृद्धि और कृषि आधारित रोजगार को दें बढ़ावा

बैठक के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि योजनाओं का उद्देश्य केवल लक्ष्य पूर्ति नहीं, बल्कि किसानों की आय में वृद्धि करना, नई कृषि पद्धति का विस्तार और कृषि-आधारित रोजगार को बढ़ावा देना है। उन्होंने सभी लाइन विभागों को आपस में समन्वय को मजबूत करने की जरूरत को बताया ताकि योजनाएं बेहतर ढंग से क्रियान्वित हो सकें। उन्होंने जिला स्तर पर मुख्यमंत्री कृषि सहयोग कोषांग गठित करने, कृषि संवाद का प्लेटफार्म तैयार करने को कहा।

गोटरी बैंक की करें स्थापना, 15 अगस्त तक पूरी करें मैपिंग

पशुपालन विभाग की समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने जिले में गोटरी बैंक की स्थापना का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों विशेषकर महिलाओं को स्वरोजगार और आयवृद्धि का अवसर मिलेगा। उन्होंने जिला पशुपालन पदाधिकारी एवं उनकी टीम को निर्देश दिया कि वह इस दिशा में काम करें, आगामी 15 अगस्त तक ऐसे गांव- क्षेत्र को चिन्हित कर मैपिंग करें।

प्रखंड - जिला स्तरीय पोल्ट्री फेडरेशन का गठन हो

उपायुक्त ने कहा कि जिले में प्रखंड एवं जिला स्तरीय पोल्ट्री फेडरेशन की स्थापना करें। पालकों को बाजार से सीधा जोड़ा जाएगा। जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में अंडों की आपूर्ति सीधे फेडरेशन से की जाएगी। उत्पादन ज्यादा होने पर आस -पास के जिलों में भी आपूर्ति की जाएगी। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी, पालकों को सही दाम मिलेगा।

तकनीकी प्रशिक्षण और फील्ड डेमो को मिले प्राथमिकता

कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका की सराहना करते हुए उपायुक्त ने वैज्ञानिकों/आत्मा को निर्देशित किया कि फसल विविधीकरण, प्राकृतिक कृषि, जैविक खाद, वाटर शेड विकास, सूक्ष्म सिंचाई और पशु चिकित्सा शिविरों जैसे विषयों पर फील्ड डेमो और प्रशिक्षण शिविर नियमित रूप से आयोजित करें, ताकि तकनीकी जानकारी का प्रभावी प्रसार हो सके।

लाइन विभाग मजबूत समन्वय से करें काम, किसानों को बनाएं समृद्ध

उपायुक्त ने कहा कि किसानों समृद्ध करने के लिए खेती, पशुपालन और जल-संरक्षण को समांतर देखने को कहा। उन्होंने भू-संरक्षण विभाग को जलग्रहण क्षेत्र विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने, और सूक्ष्म सिंचाई व वर्षा जल संचयन जैसी तकनीकों के प्रयोग को बढ़ावा देने का निर्देश दिया।

कृषि भूमि को संरक्षित करने के दिशा में भू-संरक्षण विभाग करें पहल

बैठक के क्रम में उपायुक्त ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि कृषि भूमि का क्षरण एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। उन्होंने कृषि भूमि की संरक्षण के लिए भू-संरक्षण विभाग को काम करने का निर्देश दिया। विभाग को मिट्टी का कटाव, जल बहाव और बंजर होती भूमि को रोकने हेतु हर संभव प्रयास करने को कहा।

सामूहिकता, नवाचार और परिणाम पर केंद्रित हों योजनाएं

उपायुक्त ने समीक्षा क्रम में बकरी या अन्य पशुओं की प्राथमिक चिकित्सा को लेकर सभी प्रखंडों के लिए रिसोर्स पर्सन तैयार करने, पशुपालन/गव्य विभाग द्वारा दिए गए पशुधनों का नियमित स्वास्थ्य जांच करने, दो गाय-पांच गाय- दस गाय योजना के लाभुकों की मैपिंग करने, जिले में डेयरी प्लांट स्थापित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने आदि को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि योजनाओं को केवल लक्ष्य पूर्ति तक सीमित नहीं रखें, बल्कि उसकी भूमिगत स्वीकार्यता, गुणवत्ता और लंबी अवधि के परिणामों को प्राथमिकता दें। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत कृषि वैज्ञानिक, सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

मानव दुर्व्यापार विरोधी दिवस पर सहयोगिनी ने बच्चों की सुरक्षा के लिए समन्वित कार्रवाई पर दिया जोर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मानव दुर्व्यापार विरोधी दिवस के अवसर पर सहयोगिनी की पहल पर बोकारो रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों के क्षेत्र से जुड़े सभी प्रमुख हितधारक एक साथ आए। इस कार्यक्रम में डालसा, बाल कल्याण समिति, रेलवे सुरक्षा बल, बाल संरक्षण इकाई के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और एक सुर से स्वीकार किया कि बाल दुर्व्यापार यानी बच्चों की ट्रैफिकिंग से निपटने के लिए सभी एजेंसियों व विभागों को साथ मिलकर कार्रवाई करने की सख्त जरूरत है ताकि ट्रैफिकिंग गिरोहों में कानून का भय पैदा हो सके। सहयोगिनी देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का सहयोगी संगठन है और बोकारो में बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए काम कर रहा है। जेआरसी बाल श्रम, बच्चों की ट्रैफिकिंग, बाल विवाह और बाल यौन शोषण के शिकार बच्चों की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो के सचिव अनुज कुमार ने मानव दुर्व्यापार के विभिन्न रूपों, जैसे यौन शोषण, जबरन मजदूरी, बाल विवाह और अंग तस्करी आदि पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे असहाय और गरीब लोगों को अक्सर इन गिरोहों द्वारा निशाना बनाया जाता है और उन्हें बेहतर जीवन के सपने दिखाकर फँसाया जाता है। इस दौरान बोकारो स्टेशन के मैनेजर अजय कुमार हलदर ने कहा कि मानव दूर व्यापार के खिलाफ सरकारी गैर सरकारी सभी संस्थाओं को मिलकर काम करना होगा। बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष लीलावती देवी ने कहा कि बच्चों की तस्करी करना कानूनंदन जुर्म है इसके खिलाफ हमें एकजुट होकर के अभियान चलाने की जरूरत है। साथ ही बच्चों की ट्रैफिकिंग से निपटने में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सामने आने वाली वाली चुनौतियों पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने सामूहिक रूप से यह माना कि मौजूदा कानूनों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, संवेदनशील तबकों को ट्रैफिकिंग गिरोहों और उनके कामकाज के तरीकों के बारे में संवेदनशील बनाना और सभी एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना तत्काल जरूरी है, ताकि मुक्त कराए गए बच्चों के लिए तय समयसीमा में न्याय और पुनर्वास सुनिश्चित किया जा सके। सहयोगिनी ने पिछले वर्ष के दौरान 430 बच्चों को बाल श्रम, ट्रैफिकिंग और बाल विवाह से बचाया है। संगठन ने यह रेखांकित किया कि बच्चों की ट्रैफिकिंग केवल बाल मजदूरी या मुनाफे के लिए यौन शोषण तक ही सीमित नहीं है। बहुत से बच्चे, खास तौर से लड़कियां, जबरन विवाह के लिए भी ट्रैफिकिंग का शिकार बनती हैं। यह एक एक ऐसी समस्या है जिसके बारे में कम ही चर्चा की जाती है और रोकथाम के उपायों पर भी ज्यादा बात नहीं होती। बताते चलें कि जुलाई में सहयोगिनी ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ मिलकर बच्चों की ट्रैफिकिंग के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए बोकारो जिले के सभी रेलवे स्टेशनों पर अभियान चलाया। चूंकि ट्रैफिकिंग गिरोह अक्सर बच्चों को दूसरे राज्य ले जाने के लिए रेल मार्ग का उपयोग करते हैं, इसलिए इस अभियान का फोकस यात्रियों, रेल कर्मियों, विक्रेताओं, दुकानदारों और कुलियों को बाल तस्करी के संकेतों की पहचान करने और संदिग्ध मामलों की सुरक्षित रूप से रिपोर्ट करने के लिए संवेदनशील बनाना था। बच्चों की सुरक्षा के लिए सभी हितधारकों के बीच तालमेल व समन्वय की अहमियत और जिला प्रशासन के सहयोग को रेखांकित करते हुए सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने कहा,ह्लअगर बच्चों की ट्रैफिकिंग रोकना है तो कानूनी कार्रवाई जरूरी है। बाल दुव्यार्पारियों को जब शीघ्र और सख्त सजा मिलेगी, तभी हम उनमें कानून का भय पैदा कर पाएंगे और यह भय ट्रैफिकिंग की रोकथाम के लिए सबसे असरदार उपाय साबित होगा। रोकथाम अभियानों की सफलता के लिए जिले में मजबूत प्रशासनिक समन्वय और समयबद्ध कानूनी कार्रवाई आवश्यक है। इस तरह से काम कर हम न सिर्फ बच्चों की सुरक्षा बल्कि उन ट्रैफिकिंग गिरोहों के नेटवर्क का भी खात्मा कर सकेंगे जो बच्चों का शिकार करते हैं। कार्यक्रम के दौरान सी डबलूसी सदस्य अनामिका सिंह ,बाल संरक्षण इकाई की सुनीता कुमारी, गायत्री कुमारी, जितेंद्र कुमार ,लाल देव केवट ,मंजू देवी, सोनी कुमारी, रवि कुमार राय , नीतू कुमारी ,अभय कुमार सिंह ,आरपीएफ के आशीष रंजन ,डीके द्विवेदी, वसंत कुमार, स्वाति कुमारी, शीतल कुमारी, विद्या कुमारी ,सीमा रजवार, अनिल कुमार हेंब्रम, विनीता देवी ,रेखा देवी, संगीता देवी आदि उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com